RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो, शुक्रवार
14.8.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 293
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

राहुल गांधी का व्यवहार उद्दंड बालक जैसा : गिरिराज सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीयमंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान और उनके अंदाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी एक उद्दंड बालक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। संसदीय व्यवस्था में एक निश्चित मर्यादा होती है और विपक्ष के नेता को उसी के अनुरूप अपनी बात रखनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के 'चैलेंज करता हूं' वाले अंदाज पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस तरह की भाषा के बजाय तथ्यों और तर्कों के साथ चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद की एक गरिमा होती है एक मर्यादा होती है उसके अनुरूप अपना व्यवहार संसद में करना होता है। उन्होंने कहा कि अमित शाह से तुलन करना गलत है। अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने तथा नागरिकता संशोधन कानून लागू करने जैसे मुद्दों पर काम करके परिणाम दिखाए हैं।

केंद्रीयमंत्री ने राहुल गांधी पर आतंकवाद को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी को 'अर्बन नक्सल' की भूमिका निभाने वाला बताया और कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो संसदीय तरीके से मुद्दों पर बहस करें और दूसरों की बात भी सुनें। गिरिराज सिंह ने नीट और पैलेट गन के मुद्दे को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि सदन में पैलेट गन का मुद्दा उठाया जाएगा तो नीट पर भी चर्चा होगी और इसके बाद पंजाब, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों से जुड़े मुद्दे भी बहस के दायरे में आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला और पार्टी से 'शर्म करने' की बात कही। गिरिराज सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राहुल गांधी का समर्थन करने को लेकर 'चमचागिरी' जैसे तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया।

वंदे मातरम गान के साथ लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली

नीट परीक्षा धांधली और पुलिस कार्रवाई के विरोध में विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच गुरुवार को संसद का मानसून सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र के अंतिम दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल एक मिनट ही चल सकी। सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला के आग्रह पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का गायन हुआ, जिसके तुरंत बाद कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत प्रमुख नेता सदन में मौजूद रहे।

21 जुलाई से शुरू हुए इस मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में विपक्ष ने नीट पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस बर्बरता और अयोध्या राम मंदिर चंदे जैसे मुद्दों पर भारी विरोध जताया। हंगामे के बावजूद इस सत्र में कुल 19 विधेयक पारित किए गए, जिनमें केरल का नाम बदलकर 'केरलम्' करने का प्रस्ताव और एनसीडीसी संशोधन बिल शामिल हैं। हालांकि, इनमें से सात विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के महज 36 मिनट में पास कर दिए गए।

लोकसभा स्थगित होने के बाद राज्यसभा में कार्यवाही जारी रही, जहां उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद मंच के कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हल्द्वानी के रामलीला मैदान में उनकी जनसभा के बाद भाजपा से जुड़े लोगों ने मंच को शुद्ध करने के लिए हवन किया। खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने भाषण में सिर्फ सरकारी नीतियों और मुद्दों पर बात की थी, किसी धर्म का नाम नहीं लिया था। राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस घटना को दुखद बताते हुए कहा कि भाजपा ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती और इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। राज्यसभा के सभापति ने छुआछूत जैसी प्रथाओं को अक्षम्य पाप बताते हुए आश्वासन दिया कि घटना की पूरी जांच होगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हंगामे के बीच 12 बिल हुए पास, निराशाजनक रहा सत्र

एजेंसी, नई दिल्ली । संसद का 25 दिन चला मानसून सत्र गुरुवार को विपक्ष के लगातार हंगामे और सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के बीच समाप्त हो गया। सत्र के समापन के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि कामकाज के लिहाज से मानसून सत्र सफल रहा और इस दौरान कुल 12 विधेयक पारित किए गए, लेकिन चर्चा और बहस के लिहाज से यह सत्र निराशाजनक रहा। संसद परिसर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में मंत्री रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में निर्धारित समय की तुलना में केवल 19 प्रतिशत उत्पादकता रही, जबकि राज्यसभा की उत्पादकता 39 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में भी कई मौकों पर विपक्षी दलों ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट किया।

देश के अधिकतर क्षेत्रों में अगले सप्ताह तक भारी बारिश होने के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के अधिकांश इलाकों में अगले सप्ताह तक हलकी से भारी वर्षा का अनुमान है। वहीं, दिल्ली -एनसीआर में भी हल्की वर्षा जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। शनिवार और रविवार को भी हल्की वर्षा होने का अनुमान हैं। शनिवार का अधिकतम 32-34 डिग्री सेल्सियस और रविवार को अधिकतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज सुबह धूप खिली थी लेकिन दोपहर के बाद हल्की बारिश हुई। लेकिन उमस भरी गर्मी से मामूली राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर बने दबाव के कारण 14 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है। सप्ताह के अधिकतर दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहीं-कहीं और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के 15-16 अगस्त और 19 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में, 15 अगस्त तथा 18-19 अगस्त को उत्तराखंड में, 14-19 अगस्त के दौरान पंजाब में, 14-19 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ तथा दिल्ली में, 14-18 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 14-18 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 14 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 17-18 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में, 16-17 अगस्त को उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। मध्य भारत के 14-15 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में, 14 अगस्त और 18 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश में, 14-16 अगस्त के दौरान विदर्भ में, 14 अगस्त और 16-17 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया ने सीबीआई की याचिका का किया विरोध

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट से बरी करने के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका का विरोध किया है। केजरीवाल और सिसोदिया ने कहा है कि सीबीआई की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। इस मामले पर जस्टिस मनोज जैन 18 अगस्त को सुनवाई करने वाले हैं। केजरीवाल और सिसोदिया ने कहा है कि सीबीआई की याचिका ट्रायल कोर्ट के फैसले के महज चार घंटे बाद ही दाखिल कर दी गई थी। ये याचिका अभूतपूर्व जल्दबाजी में दाखिल की गई थी जिसमें गंभीरता का अभाव दिख रहा है। केजरीवाल और सिसोदिया ने कहा है कि सीबीआई की अर्जी में ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई गलती नहीं बताया है। ऐसे में सीबीआई की याचिका सुनवाई योग्य कैसे हो सकती है। उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को सीबीआई की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को अंतिम मौका दिया था। जस्टिस मनोज जैन के पहले ये मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के समक्ष लिस्टेड था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेन्नों की चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर, 2024 को उच्चतम न्यायालय से सीबीआई मामले में जमानत मिलने के बाद रिहा हुए थे।

मप्र के बालाघाट जिले में रहस्यमयी बीमारी से अब तक आठ बच्चों की मौत

एजेंसी, भोपाल । मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के आदिवासी इलाकों में रहस्यमयी बीमारी के चलते 26 जून से अब तक आठ बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से एक बच्चे की मौत मंगलवार की रात ही हुई है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज और बालाघाट के डॉक्टरों की टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया, लेकिन मौतों की असली वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। दरअसल, बालाघाट जिले की अडोरी और मछुरदा पंचायत के बैगा बहुल आदिवासी इलाकों में पिछले दो माह से अज्ञात बीमारी से सैकड़ों बच्चे बीमार हो चुके हैं। इसी बीमारी से पीड़ित तीन वर्षीय प्रियंका धुर्वे 09 अगस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसने 11 अगस्त की रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही क्षेत्र में इस बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या आठ हो गई है। सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन के मुताबिक, बच्ची कई बीमारियों से ग्रसित थी। जबलपुर से जांच के लिए पहुंची टीम ने बताया कि बीमार बच्चों में न्युमोनिया, एनीमिया यानी खून की कमी, डिहाइड्रेशन, बुखार, खुजली, मलेरिया और किडनी पर असर जैसे लक्षण मिले हैं। सैंपल पुणे की लैब में भेजे गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। हालांकि, यह रिपोर्ट कब तक आएगी, इस पर स्वास्थ्य विभाग कुछ भी बोलने से बच रहा है। सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि सभी बच्चे अडोरी और मछुरदा पंचायत के गांवों के रहने वाले थे। 26 जून से 22 जुलाई तक बोंदारी निवासी भाई-बहन लमनिन और साहिल, पूजा, सचिन और कुंडेकसा निवासी प्रीति की मौत हुई। वहीं, 6 अगस्त को अरविंद और 8 अगस्त को मंगली मरकाम की जान गई।

नड्डा 16 अगस्त को बंगाल में शुरू करेंगे आयुष्मान भारत सेवाएं

एजेंसी, कोलकाता । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आगामी 16 अगस्त को कोलकाता पहुंचेंगे और आयुष्मान भारत योजना के तहत बंगाल में स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब राज्य में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने वाले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 16 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित आयुष्मान भारत कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहने की संभावना है। राज्य सरकार 16 अगस्त को आयुष्मान दिवस के रूप में मनाएगी और इसी दिन लाभार्थियों के लिए योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, आयुष्मान भारत से जुड़ा एक दूसरा कार्यक्रम भी 17 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

भारत समेत कई देश रूस के आर्कटिक रूट में ले रहे दिलचस्पी : पुतिन

एजेंसी, मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि भारत और चीन समेत कई देश रूस के नॉर्दर्न सी रूट (एनएसआर) के विकास और इस पर सहयोग को लेकर सक्रिय रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच एशिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं रूस के साथ व्यापार और परिवहन संबंध मजबूत करने के नए रास्ते तलाश रही हैं। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि रूस को उन देशों की बढ़ती दिलचस्पी दिखाई दे रही है जो आर्कटिक शिपिंग रूट के विकास में उसके साथ जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने भारत और चीन को प्रमुख साझेदारों में शामिल बताते हुए कहा कि दोनों देशों के साथ इन मुद्दों पर सक्रिय बातचीत चल रही है। पुतिन इन दिनों रूस के सुदूर पूर्व और सखालिन क्षेत्र के दौरे पर हैं, जहां वह नौसैनिक अभ्यास की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने पैसिफिक फ्लीट के कर्मियों से मिसाइल क्रूजर 'वार्याग' पर बातचीत के दौरान आर्कटिक रूट पर सहयोग का उल्लेख किया। नॉर्दर्न सी रूट रूस के उत्तरी तट के साथ आर्कटिक महासागर से होकर गुजरता है और एशिया तथा यूरोप के बीच समुद्री संपर्क का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग बन सकता है। रूस इस मार्ग के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है और इसे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए प्रमुख मार्ग के रूप में विकसित करने की कोशिश कर रहा है। भारत के लिए यह मार्ग यूरोप के उत्तरी और पूर्वी बाजारों तक पहुंच का वैकल्पिक विकल्प उपलब्ध करा सकता है। इसके अलावा, मध्य पूर्व में जारी संघर्षों के कारण पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग पर बढ़ती असुरक्षा ने आर्कटिक रूट के रणनीतिक महत्व को और बढ़ा दिया है।

पेपर लीक मामले में सीबीआई की अगली जांच पर 14 अगस्त को फैसला सुनाएगा फास्ट ट्रैक कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

राऊज एवेन्यू फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पेपर लीक मामले की आगे जांच करने की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने इस मामले पर कल यानि 14 अगस्त को फैसला सुनाने का आदेश दिया। गुरुवार को आरोपितों की ओर से पेश वकीलों ने चार्जशीट और उससे संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की। उसके बाद कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई टाल दी। कोर्ट ने 12 अगस्त को सीबीआई की ओर से 13 आरोपितों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। सीबीआई ने जिन लोगों को आरोपित बनाया है, उनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं। ये सभी अभी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10 ,धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

एजेंसी, रांची

झारखंड के छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सांसदों ने छात्रों के साथ कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। भाजपा ने कहा कि छात्रों की न्याय की लड़ाई अब राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं है और पार्टी उनकी आवाज संसद तक पहुंचा रही है। इस दौरान साहू ने कहा कि झारखंड में पिछले 20 दिनों से छात्र आंदोलनरत हैं। यहां कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है और सात सालों से कांग्रेस, झामुमो द्वारा नौकरियों को बेचा जा रहा है। राहुल गांधी में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें दिल्ली से ट्वीट-ट्वीट खेलने की बजाय झारखंड आकर छात्रों-युवाओं से बात करनी चाहिए। साथ ही सीएम हेमंत सोरेन सरकार से उन्हें दो टूक बात करनी चाहिए कि छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को सरकार अविलंब पूरी करे। अगर सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें छात्रों के साथ अनशन पर बैठना चाहिए। साहू ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो झारखंड के युवाओं के हक अधिकार को छीनने का काम कर रही है। जबकि भाजपा छात्रों के अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल है कि झारखंड के छात्रों पर लाठियां बरसीं, फिर भी आपकी चुप्पी आखिर किसके पक्ष में है? दिल्ली और झारखंड के छात्रों के साथ आपका दोहरा रवैया क्यों ? उन्होंने कहा कि बंदर को सभी बंदर ही नजर आते हैं। यही हाल कांग्रेस पार्टी के नेताओं का है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के लिए राज्य सरकार से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की।

रूस से भारत तक सुरक्षित रेल रूट पक्का करेगा अफ़ग़ानिस्तान : तालिबान

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने रूस को भारत से जोड़ने वाले संभावित रेल मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भरोसा जताया है। तालिबान के आर्थिक मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल रहमान हबीब ने कहा कि अफगानिस्तान अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण इस परियोजना में अहम भूमिका निभा सकता है और इससे देश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) को दिए एक साक्षात्कार में हबीब ने कहा कि अफगानिस्तान ऐसे प्रोजेक्ट्स का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रेल परियोजना देश के लिए आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने और रोजगार पैदा करने का अवसर हो सकती है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने पिछले सप्ताह भारत तक रेल संपर्क विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा था कि इसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री परिवहन से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करना और रूस को हिंद महासागर तक वैकल्पिक पहुंच उपलब्ध कराना है। खुसनुलिन ने कहा था कि भारत तक पहुंच के लिए कई विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। इनमें

तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते संभावित रेलमार्ग शामिल हैं। अफगानिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं रखने वाला देश है। भारत और हिंद महासागर से रेल संपर्क बनने पर उसे क्षेत्रीय व्यापार और ट्रांजिट से अतिरिक्त आय हासिल करने का अवसर मिल सकता है। प्रस्तावित रेल लाइन से माल परिवहन, लॉजिस्टिक्स और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। साल 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद रूस ने अफगानिस्तान के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को बढ़ाया है। दोनों पक्षों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को लेकर बातचीत भी जारी है। मई में रूस और तालिबान सरकार के बीच एक सैन्य सहयोग समझौता हुआ था। इससे मध्य एशिया में रूस की रणनीतिक भूमिका और अफगानिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग को मजबूती मिलने की संभावना है। भारत और रूस के बीच लंबे समय से मजबूत रणनीतिक और रक्षा संबंध हैं। भारत रूसी कच्चे तेल का प्रमुख खरीदार भी है। समुद्री व्यापार के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच दोनों देशों के लिए वैकल्पिक परिवहन मार्गों की जरूरत बढ़ रही है। भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में रूस-अफगानिस्तान-भारत के बीच संभावित रेल कनेक्टिविटी भविष्य में व्यापार और परिवहन के लिए एक अहम विकल्प बन सकती है। हालांकि, इस परियोजना को जमीन पर उतारने के लिए सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, वित्तीय निवेश और क्षेत्रीय राजनीतिक परिस्थितियों से जुड़ी कई चुनौतियों का समाधान करना होगा। फिलहाल यह प्रस्ताव शुरुआती चरण में है।

पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेबल के विरोध पर सुप्रीम कोर्ट की एफएसएसएआई को फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के पैकेटों पर चेतावनी लेबल लगाने का विरोध करने पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) को फटकार लगाई है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो हम कर देंगे। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के मुताबिक कार्रवाई नहीं करते हुए एफएसएसएआई ने सभी पैकेट्स पर चीनी, नमक और फैट्स की रोजाना अनुशंसित मात्रा का जिक्र करने की वकालत की। इस पर कोर्ट नाराज हो गया और कहा कि हमने फरवरी में जो कहा था वो केवल सुझाव नहीं था, बल्कि एक आदेश था। कोर्ट ने एफएसएसएआई को दो हफ्ते में अपने प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने को कहा। कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस दलील को भी खारिज कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय मानकों को भारत में लागू नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और एफएसएसएआई से कहा कि ये मामला नागरिकों, खासकर बढ़ती उम्र के बच्चों से जुड़ा है और इससे जुड़े फैसले कारपोरेट घरानों के दबाव में प्रभावित नहीं होने चाहिए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

पड़रिया में सर्वे करने आए कर्मियों को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

बड़कागांव। सिरमा पंचायत के पड़रिया गांव में एयरोडायन इंडिया वॉचेज प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य को ग्रामीणों ने रोका एवं सर्वे कार्य के लिए आए लोगों को ग्रामीणों ने बंधक बनाया। मौके पर बड़कागांव थाना के पदाधिकारी ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों में आक्रोश है कि बिना बताए कोई भी कंपनी कैसे हमारे गांव में सर्वे कर रही है। वहीं सर्वे करने आए ड्रोन पायलट मनोज शर्मा ने बताया कि मेरे मैनेजर के द्वारा पड़रिया क्षेत्र में डीजीपीएस और ड्रोन सर्वे करने के लिए कहा गया था। वहीं एनटीपीसी पकरी बरवाडीह माइनस सीनियर मैनेजर मोहम्मद इफान अली ने बताया कि मेरे ही टीम के द्वारा सर्वे किया जा रहा है। अगर ग्रामीण का विरोध है तो आगे वहां सर्वे का काम नहीं किया जाएगा। आगे ग्रामीणों ने कहा कि कुछ दिन पहले पड़रिया में एनटीपीसी के द्वारा गढ़वाल का कार्य किया जा रहा था, जिसमें पड़रिया में भारी वाहन लाने से पुलिया टूट गई, जिसे एक सप्ताह के अंदर पुलिया बनाने की बात कही गई थी, जिसे अब तक नहीं बनाया गया है। वहीं सर्वे करने आए कर्मियों के द्वारा, सर्व नहीं करने का लिखित देने पर ग्रामीणों ने सभी को जाने दिया। मौके पर सिरमा पंचायत के उप मुखिया मनोज कुमार और मुखिया प्रतिनिधि मो असीम ने बताया कि एनटीपीसी के द्वारा बिना अंचल एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए सर्वे कार्य कर रही थी जिसे ग्रामीणों ने रोका और दोबारा सर्वे नहीं करने का हिदायत दी।

एसआईआर 2026 को लेकर गूगल मिट का आयोजन, 127 बीएलओ व पर्यवेक्षक हुए शामिल

बड़कागांव। एसआईआर 2026 दावा एवं आपत्ती तथा नोटिफिकेशन एवं वेरिफिकेशन से संबंधित बड़कागांव प्रखंड सभागार में बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का गूगल मीट के माध्यम से एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल संचालन प्रखंड निर्वाचि पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने किया। रामगढ़ जिला निर्वाचन कार्यालय से ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान 5 अगस्त से नए मतदाताओं का मतदाता सूची में नामांकन दर्ज करने की शुरू प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सभी बीएलओ को निर्देश दी गई। साथ ही 1 अक्टूबर 2026 को 18 साल पूर्ण हो रही है वैसे मतदाता इसके लिए फॉर्म 6 में जन्मतिथि एवं एड्रेस प्रूफ के साथ नामांकन करने की प्रक्रिया बताई गई।वहीं फार्म 8 में बिखरे हुए परिवार के मतदाताओं को एक साथ एक बुथ में मैचिंग करने, मृत्यु मतदाताओं को हटाने के लिए फार्म 7 को भरने की भीम बताई गई। इसके अलावा नजरिया नक्शा के माध्यम से नो मैपिंग का नोटिस सभी बीएलओ को घर-घर जाकर तामिला करने का भी निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण में संजय कुमार, कृष्ण कुमार, शशि चौधरी सहित प्रखंड के 127 बीएलओ एवं पर्यवेक्षक शामिल थे।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया फुटबॉल मैदान को स्टेडियम बनाने का ऐलान

बड़कागांव। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आंगो पंचायत के ग्राम उरेज में यूएफसी क्लब उरेज के द्वारा आयोजित नॉक आउट फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गुरुवार को खेला गया। मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, संरक्षक समाजसेवी कोलेश्वर गंझू ने फाइनल मैच का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि का स्वागत स्थानीय ग्रामीण बच्चियों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य एवं गीत गाकर से किया गया। फाइनल मुकाबला देवगढ़ फुटबॉल क्लब और जग्गू इलेवन उरोज के बीच खेल गया। जग्गू 11 उरेज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए देवगढ़ की टीम को 4-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। रामगढ़ जिला रेफरी एसोसिएशन के रेफरी निशा कुमारी, जतरु बेसरा, जुगेश हेंब्रम, प्रताप ठाकुर, सुरेश राम मैच में निर्णायक की भूमिका में रहे। फाइनल मैच के विजेता जग्गू 11 की टीम को समाजसेवी कोलेश्वर गंझू के द्वारा 50 हजार का पुरस्कार और ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया गया। उपविजेता देवगढ़ की टीम को मुखिया नीलम मिंज के द्वारा 30 हजार का पुरस्कार और ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया गया। साथ ही तृतीय और चतुर्थ टीम को 10- 10 हजार रुपये का पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया। मौके पर समाजसेवी कोलेश्वर गंझू ने उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए आदिवासी समाज से अपनी परम्परा और संस्कृति को बचाने का आह्वाहन किया। उन्होंने कहा के परम्परा और संस्कृति बचेगी तो आदिवासियों का पहचान बचा रहेगा। साथ ही उन्होंने विधायक रोशन लाल चौधरी से फुटबॉल मैदान के सुंदरीकरण करने की मांग की। मौके पर अपने संबोधन में विधायक रोशन लाल चौधरी ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा के ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के आयोजन से युवाओं के छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का मौका मिलता है। खेल हमें आपस में जोड़ने का काम करता है। हमारे शरीर को स्वास्थ्य रखने में खेल का महत्वपूर्ण योगदान है। जो मांग रखी गई है उसको पूर्ण करने का मैं पूरा प्रयास करूंगा। इस मैदान को अच्छे स्टेडियम के रूप में विकसित करने का मैं प्रयास करूंगा। इस क्षेत्र की जो भी समस्याएं है उसे धीरे धीरे मैं दूर करने के लिए प्रयासरत हूं। मौके पर मुखिया नीलम मिंज, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइयां, ने भी दर्शकों और खिलाड़ियों को संबोधित किया। मौके पर मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, संरक्षक कोलेश्वर गंझू, मुखिया नीलम मिंज, पंचायत समिति सदस्य संगीता कुमारी, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइयां, मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र कुमार, मुनेश्वर गंझू, महमूद खान, अध्यक्ष जयनंदन गंझू, उपाध्यक्ष संजय गंझू, सचिव बिरन गंझू, उपसचिव एल्विन टोप्पो, कोषाध्यक्ष विशाल कुमार, संरक्षक जागेश्वर गंझू, रमन गंझू, रामजीत गंझू, एतवा गंझू, टिकेंद्र गंझू, दिनेश करमाली, नागेश्वर गंझू, कृष्णा गंझू, महेश महतो, विमल टुडू, प्रेम गंझू, केदार महतो, राजेंद्र महतो, शिवनाथ गंझू, प्रेम गंझू, मंगल तूरी, महेश महतो सहित हजारों दर्शक उपस्थित थे।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक कर दिए दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में पठन-पाठन की स्थिति, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, विभागीय कार्रवाई, सेवा संपुष्टि, स्थानांतरण, पाठ्यपुस्तकों के वितरण सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने शिक्षकों के सेवा संपुष्टि से संबंधित सभी लंबित मामलों को शीघ्र प्रेषित करने, सर्विस बुक का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करने तथा विभागीय कार्रवाई से जुड़े मामलों का तय समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उन्होंने परीक्ष्यमान समाहर्ता पूर्वा अग्रवाल को किसी भी प्रखंड का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था के सभी पहलुओं की जांच करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी उच्च विद्यालयों के परीक्षा परिणामों में सुधार लाने हेतु आवश्यक कदम उठाने तथा विद्यार्थियों की नियमित टेस्ट परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्यान्ह भोजन की नियमित जांच एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों में धारा प्रवाह पढ़ने-लिखने की क्षमता तथा बुनियादी विषयों की समझ विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया कि कक्षा 1 से 8 तक में 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत एवं कक्षा 9 से 12 तक में 6 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया नियमानुसार प्रारंभ की जाए। बैठक के दौरान शिक्षा विभाग की स्थापना शाखा से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। आरोप-पत्र विधिवत प्रेषित नहीं किए जाने पर उपायुक्त ने कटकमसांडी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही स्थापना विभाग को शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को आरोप-पत्र तैयार करने की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित नियमों की जानकारी देने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारी को यह प्रमाणित नहीं किया जाता कि शिक्षकों की सेवा संपुष्टि से संबंधित कोई मामला शेष नहीं है, तब तक किसी भी शिक्षक की सेवा संपुष्टि पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने 25 अगस्त 2026 तक सेवा संपुष्टि के सभी शेष मामलों को प्रेषित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी निर्धारित स्कूल ड्रेस में ही विद्यालय आएं तथा शिक्षक भी ड्रेस कोड का अनिवार्य रूप से पालन करें। बैठक में उपायुक्त के अलावा परीक्ष्यमान समाहर्ता पूर्वा अग्रवाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

25 दिव्यांग लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग के द्वारा आज 25 दिव्यांग लाभुकों के बीच डीएमएफटी मद से उपलब्ध कराई गई बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। इस दौरान लाभुकों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराते हुए उनके सुगम आवागमन एवं आत्मनिर्भर जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्राप्त करने वाले लाभुकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक जीवन में काफी सुविधा होगी तथा आवागमन संबंधी कठिनाइयां कम होंगी। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा एवं अन्य लाभुकों को अपने दैनिक कार्यों के निष्पादन में इसका लाभ मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में पात्र दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

डीसी की अध्यक्षता में विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर एडवाइजरी कमिटी की बैठक का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में गुरुवार को विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर एडवाइजरी कमिटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विष्णुगढ़ स्थित ब्रॉन्ज क्लस्टर की प्रगति, आर्टिजंस के प्रशिक्षण, आधारभूत सुविधाओं एवं आगामी उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने ब्रॉन्ज क्लस्टर का उद्घाटन आगामी 17 सितंबर 2026 को कराने का निर्देश दिया। उन्होंने उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु संबंधित विभागों एवं समिति के सदस्यों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर में वर्तमान में 832 आर्टिजंस कार्यरत हैं, जिनमें से 63 आर्टिजंस को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। शेष आर्टिजंस को आवश्यक मशीनों की उपलब्धता के उपरांत प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा क्लस्टर में कार्यरत महिलाओं के लिए स्टोर रूम तथा क्लस्टर परिसर की चहारदीवारी निर्माण की आवश्यकता से उपायुक्त को अवगत कराया गया। इस पर उपायुक्त ने आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से उक्त कार्यों को यूनाइटेड फंड से कराने पर सहमति प्रदान की। बैठक में यह भी बताया गया कि राज्यांश मद की 16.50 लाख रुपये की राशि का प्रस्ताव लंबित है, जिसे मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2023 में उद्योग निदेशालय को भेजा गया था। इस संबंध में उपायुक्त ने जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के महाप्रबंधक श्री शंभू शरण बैठा को आवश्यक विभागीय पत्राचार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि ब्रॉन्ज क्लस्टर स्थानीय कारीगरों के कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं पारंपरिक धातु शिल्प के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्लस्टर के प्रभावी संचालन एवं आर्टिजंस को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया। बैठक में समिति के सदस्यगण एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठकः उपायुक्त ने पात्र एवं जरूरतमंद लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय खाद्य निगम एवं राज्य खाद्य निगम के गोदामों, खाद्यान्नों के प्रखंडवार उठाव, डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने राशन कार्ड डिलीशन कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि डिलीशन कार्य गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए ताकि अयोग्य लाभुकों का नाम हटाकर पात्र एवं जरूरतमंद लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने लाभुकों के शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे वास्तविक पात्र लाभुकों की पहचान सुनिश्चित होगी तथा अपात्र व्यक्तियों को लाभार्थी सूची से हटाने में सहायता मिलेगी। उपायुक्त ने दारू, डाडी एवं चौपारण प्रखंड में गोदाम निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए योग्य कार्यकारी एजेंसियों के माध्यम से गोदाम निर्माण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने आगामी धान अधिप्राप्ति की तैयारियों के संबंध में कहा कि पैक्स एवं लैम्प्स का चयन इस प्रकार किया जाए कि प्रत्येक टोला एवं गांव को प्रभावी रूप से कवर किया जा सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अगली बैठक तक पैक्स एवं लैम्प्स का चयन कर प्रस्ताव जिला स्तर पर भेजने का निर्देश दिया। चयनित संस्थाओं का आकलन जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी धान अधिप्राप्ति सत्र को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव ने आरसीएमएस, डोर स्टेप डिलीवरी, जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की स्थिति, चना, दाल, चीनी एवं नमक वितरण, गोदामों की उपलब्धता, सोना-सोबरन योजना, मिट्टी तेल वितरण तथा सफेद एवं ग्रीन राशन कार्ड की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उपायुक्त ने सभी योजनाओं एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त के अलावा जिला आपूर्ति पदाधिकारी, एजीएम, बीएसओ सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए विशेष शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय में गुरुवार को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं आगामी 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने तथा मतदाता पहचान-पत्र बनवाने हेतु आयोजित विशेष शिविर सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष शिविर में पात्र छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं मतदाता पहचान-पत्र बनवाने की प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर उन्हें मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने मताधिकार के महत्व, लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का बोध कराते हुए पात्र विद्यार्थियों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के फुल ड्रेस रिहर्सल का प्रमंडलीय आयुक्त ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के मद्देनजर गुरूवार को कर्ज़न मैदान में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। आयुक्त ने फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयुक्त ने पुलिस उपमहानिरीक्षक, हजारीबाग एवं सार्जेंट मेजर के साथ विभिन्न प्लाटूनों का निरीक्षण किया। उन्होंने परेड में शामिल जवानों एवं टुकड़ियों की तैयारियों, अनुशासन, वर्दी एवं कदमताल का जायजा लिया। इसके बाद राष्ट्रीय गीत वादन के पश्चात झंडोत्तोलन कर राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी। झंडोत्तोलन के उपरांत डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद विभिन्न प्लाटूनों द्वारा प्लाटून कमांडरों के नेतृत्व में अनुशासित एवं शानदार परेड प्रदर्शन किया गया।

समय का अक्षरशः पालन एवं सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देशः आयुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा कार्यक्रम के दौरान समय का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव एवं देशभक्ति का पर्व है, इसलिए समारोह की प्रत्येक व्यवस्था गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा समारोह के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार

» परेड प्रदर्शन एवं समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

सभी गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने नजारत शाखा को परेड में शामिल बच्चों के लिए आवश्यक खान-पान की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही स्वतंत्रता दिवस समारोह में सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

साफ-सुथरी वर्दी एवं अनुशासन पर दिया जोरः पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल जवानों एवं पुलिसकर्मियों की वर्दी साफ-सुथरी एवं व्यवस्थित रखने तथा परेड प्रदर्शन के दौरान अनुशासन एवं कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक, हजारीबाग, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सार्जेंट मेजर सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विभावि यूसेट में 'नशा मुक्ति जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित

» हमारे विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बनें, भविष्य में देश का दायित्व संभालें: कुलपति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (UCET), हजारीबाग में को नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो (डॉ) चंद्र भूषण शर्मा ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "आज जो विद्यार्थी है, उन्हें कुछ ही वर्षों के बाद राष्ट्र का दायित्व संभालना होगा।" इसलिए उन्हें सब के बारे में चिंतन करना होगा। ब्रह्मकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि बहन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक और डांस-ड्रामा की कुलपति ने खूब सराहना की। कहा कि इसका मंचन शहर के प्रमुख स्थलो पर भी होनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूसेट निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय इकाई की प्रमुख बहन हर्षा एवं बहन दीप्ति, बहन माधुरी एवं बहन जया ने विद्यार्थियों के साथ विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर अर्चना रीना धान के निर्देशन में विद्यार्थियों ने अर्थपूर्ण नुक्कड़ नाटक एवं प्रभावशाली डांस ड्रामा की प्रस्तुति की। इसके पश्चात ब्रह्मकुमारी बहन हर्षा के निर्देशन में ध्यान एवं मेडिटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक शांति, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच के महत्व से अवगत कराया गया। इसके पश्चात नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में रक्षाबंधन कार्यक्रम के द्वारा एक दूसरे को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति जागरूकता नोडल विभाग के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा एवं यूसेट एवं बीसीए के शिक्षक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। मंच संचालन अर्चना रीना धान ने किया। प्राध्यापक डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अन्नदा कॉलेज की छात्रा अंजली कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। अन्नदा कॉलेज की इतिहास विभाग की छात्रा अंजली कुमारी ने कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर महाविद्यालय के साथ-साथ हजारीबाग का नाम भी रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर अन्नदा कॉलेज परिवार में हर्ष का माहौल है। अंजली कुमारी की इस शानदार उपलब्धि पर अन्नदा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलमणि मुखर्जी ने उन्हें सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि अंजली की सफलता महाविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने अंजली को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। ज्ञात हो कि कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में 31 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में भारत के अलावा आठ अन्य देशों के खिलाड़ी भी शामिल हुए। ऐसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर अंजली द्वारा कांस्य पदक हासिल करना उनकी प्रतिभा, मेहनत और लगन को दर्शाता है। इस अवसर पर झारखंड के मुख्य प्रशिक्षक एवं प्रभारी शिहान उदय कुमार सहित अन्य प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे। अन्नदा कॉलेज के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी अंजली कुमारी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग, सांसद विद्युत वरण महतो सहित चार सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

नई दिल्लीः कुड़माली भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर सांसद विद्युत वरण महतो सहित चार सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सांसदों ने गृह मंत्री को मांग पत्र सौंपते हुए कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग रखी।

मुलाकात के दौरान सांसदों ने कहा कि कुड़माली भाषा पश्चिम बंगाल के विस्तृत जंगलमहल क्षेत्र की महत्वपूर्ण भाषा है। इसके अलावा झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी यह भाषा व्यापक रूप से बोली और समझी जाती है। सदियों से कुड़माली इन क्षेत्रों के लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक और लोक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा रही है।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर सहित कई क्षेत्रों में कुड़माली भाषी समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। वहीं झारखंड के रांची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, गिरिडीह, जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां तथा ओडिशा के मयूरभंज, क्योंझर और सुंदरगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी कुड़माली भाषा का व्यापक प्रचलन है।

सांसदों ने कहा कि कुड़माली केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित भाषा नहीं है, बल्कि कई राज्यों में फैली एक जीवंत भाषा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इसका अपना समृद्ध लोक-साहित्य, गीत, कविता, लोककथा और मौखिक परंपराओं का विशाल भंडार है। झुमर, टुसू, करम और छऊ जैसी लोक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से भी कुड़माली भाषा का गहरा संबंध है।

सांसदों ने गृह मंत्री के समक्ष कहा कि कुड़माली को आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने से भाषा और साहित्य के संरक्षण एवं विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा मिलेगा और कुड़माली भाषी समुदाय की भाषायी एवं सांस्कृतिक पहचान को संस्थागत सम्मान प्राप्त होगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने सांसदों की मांग को गंभीरता से सुना। सांसदों के अनुसार, गृह मंत्री ने कहा कि यह मांग जायज और व्यापक जनहित से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सभी भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कुड़माली भाषा के साथ कुछ अन्य भाषाओं का मामला भी लंबित है और सरकार जल्द ही कुड़माली सहित उन भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

सांसदों ने कहा कि कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाना जंगलमहल, झारखंड, बिहार और ओडिशा सहित विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लाखों कुड़माली भाषी लोगों की सांस्कृतिक पहचान और विरासत को सम्मान देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा।

इस मुलाकात में सांसद विद्युत वरण महतो के साथ पुरुलिया के सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो, गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और राज्यसभा सांसद खीरू महतो प्रमुख रूप से शामिल रहे।

हाथी के हमले में महिला की मौत, वन विभाग ने तत्काल पहुंचकर संभाली स्थिति

» वन विभाग ने मृतक के परिजनों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की प्रदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : गोला वन क्षेत्र के कोरांबे स्थित गुदेली खरेय गांव में गुरुवार सुबह हाथी के हमले में 55 वर्षीय बालो देवी की मौत हो गयी। मृतका रांची जिले के सेहदा गांव निवासी सदानंद महतो की पत्नी थीं। वह अपने मायके धान रोपने के लिए आयी थीं। खेत में धान रोपने की तैयारी के दौरान अचानक हाथी ने उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गयी। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश था और वे शव लेकर वन विभाग कार्यालय पहुंच गये। इसके बाद थाना प्रभारी,अभिषेक कुमार , दारोगा स्वामी रंजन ओझा, वन विभाग के मनीष शर्मा ,दीपक सिंहा,योगेंद्र कुमार सहित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के बीच वार्ता कर स्थिति को शांत कराया गया। ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार रात क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी की सूचना वन विभाग को दी गयी थी। वन विभाग की ओर से बताया गया कि हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी।

घटनास्थल पर हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह भी दी गयी थी। वार्ता के दौरान मृतका के परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध करायी गयी। वहीं आवश्यक कागजात पूरा होने के बाद सरकारी प्रावधान के तहत 9 लाख 75 हजार रुपये मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया। वन विभाग ने ग्रामीणों से हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए सावधानी बरतने और अकेले खेतों की ओर नहीं जाने की अपील की। साथ ही हाथियों की निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही गयी।

ज्ञान के प्रति भूख जरूरी, विद्यार्थी अपनी क्षमता निखारें : निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन

» आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

डीपीएस बोकारो में चार राज्यों के 45 सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी गणितीय कौशल के लिए सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारत आविष्कारकों की धरती रही है, जहां आर्यभट्ट जैसे महान गणितज्ञ व ज्योतिषविद हुए हैं। प्राचीन ज्योतिष व गणित विज्ञान आज की तुलना में काफी आगे था। उस दौर में आज की तरह मोबाइल, गूगल जैसी कोई सहायक तकनीक या सुविधा नहीं थी, फिर भी हमारे हमारे पुरोधा सोचते थे, खोज करते थे और लिखते थे। उनमें युवा ही सबसे अधिक थे। आज के विद्यार्थियों में भी उन्हीं की तरह वास्तविक ज्ञान के प्रति भूख जरूरी है। बच्चे अपनी क्षमता को पहचानें और उसे निखारकर आर्यभट्ट की तरह बनें, जिससे कि पूरा संसार उन पर गर्व कर सके। ये बातें बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने गुरुवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में आयोजित आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने दशमलव एवं बाइनरी सिस्टम की खोज सहित आर्यभट्ट के अन्य योगदानों तथा सभ्यतावार गणित के क्रमिक विकास की यात्रा पर भी प्रकाश डाला। पुरस्कृत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने डीपीएस बोकारो द्वारा वर्ष 1988 से लगातार आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना की।

उक्त सम्मान समारोह के तहत डीपीएस बोकारो द्वारा विगत 37 वर्षों से आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता (एएमसी) के विद्यालयवार एवं ओवरऑल 45 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें झारखंड-बिहार सहित पश्चिम बंगाल और ओडिशा के प्रतिभागी भी शामिल रहे। इन राज्यों के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 1400 विद्यार्थियों ने जूनियर, मिडिल और सीनियर कैटेगरी में भाग लिया था। ओवरऑल जूनियर में 15, मिडिल में 19 और सीनियर में 11 विद्यार्थी पुरस्कृत किए गए। तीनों ही कैटेगरी में डीपीएस बोकारो का ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, परंतु मेजबान विद्यालय होने के नाते खिताब प्रतियोगिता के निकटवर्ती प्रतिभागी विद्यालय को सुपुर्द किया गया। इसके तहत जूनियर और मिडिल कैटेगरी में हेम शीला मॉडल स्कूल, दुर्गापुर तथा सीनियर वर्ग में चिन्मय विद्यालय, बोकारो को विनर्स ट्रॉफी सुपुर्द की गई। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि प्रिय रंजन एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने ट्रॉफी एवं स्थानानुसार पारितोषिक राशि का चेक देकर पुरस्कृत किया गया।

आज के डेटा साइंस का आधार है गणित : डॉ. गंगवार- इसके पूर्व, आरंभ में सभी का स्वागत करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दीं तथा उत्कृष्टता का यह क्रम आगे भी बरकरार रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने डीपीएस बोकारो द्वारा गणित में बच्चों की तार्किक क्षमता और उनके कौशल को परखने के लिए साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से अनवरत आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के उद्देश्य व महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गणित आज के डेटा साइंस के पीछे की भाषा है। इस विषय के प्रति विद्यार्थियों में भय खत्म कर रुचि व आनंद जगाना इस प्रतियोगिता का ध्येय रहा है।

नृत्य-संगीत से विद्यार्थियों ने किया मंत्रमुग्ध- समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य-संगीत की अपनी मनोरम प्रस्तुतियों से सबकी भरपूर सराहना पाई। मुख्य अतिथि के हरित स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत सुमधुर स्वागत गान तथा विद्यालय गीत की सुरीली प्रस्तुति के बाद विद्यालय के जमुना सदन के छात्र-छात्राओं की टोली ने पूर्वोत्तर भारत के लोक-शास्त्रीय मणिपुरी नृत्य और रूस के कलिनका डांस का सुंदर सम्मिश्रण प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

कोशिश की महिला प्रशिक्षुओं में प्रमाणपत्र वितरित- समारोह के दौरान डीपीएस बोकारो की ओर से निःशुल्क संचालित महिला-स्वावलंबन केन्द्र- कोशिश में सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली कई महिलाओं एवं युवतियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डीआई श्री रंजन ने सामाजिक उत्थान एवं महिला सशक्तीकरण की दिशा में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट कर एवं शॉल अलंकृत कर सम्मानित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

महिला काव्य मंच की गोष्ठी में बही सावन की फुहार, देशभक्ति के गीतों से गूंजा पिंक हॉल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : महिला काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी बोकारो क्लब के पिंक हॉल में उत्साह और रचनात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुई। मंच के संस्थापक नरेश नाज़, राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण एवं प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा के मार्गदर्शन में आयोजित इस गोष्ठी की अध्यक्षता काजल भालोटिया ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ काजल भालोटिया के स्वागत भाषण और ज्योति वर्मा द्वारा प्रस्तुत सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। मंच का कुशल संचालन संजू गिरि ने किया।

काव्य पाठ की शुरुआत होते ही कवयित्रियों ने सावन की हरियाली, प्रकृति के सौंदर्य और आगामी स्वतंत्रता दिवस को समर्पित एक से बढ़कर एक रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवयित्रियों की प्रवाहमयी काव्य धारा ने जहां श्रोताओं को सावन के रंग में झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं देशभक्ति के गीतों ने हर हृदय में राष्ट्रप्रेम का जज्बा जगाया। काव्य पाठ करने वाली प्रमुख कलमकारों में काजल भलोटिया, अर्चना मिश्र अश्क, ज्योति वर्मा, अमृता शर्मा, करुणा कलिका, जयंती सिंह, स्मिता, गीता कुमारी गुस्ताख़, सोनी कुमारी, रीना यादव, ऋचा प्रियदर्शिनी, क्रांति श्रीवास्तव, शीला तिवारी, डॉ. आशा पुष्प, रेणुका सिन्हा, पद्मावत कोमल, माला, सुप्रिया कुमारी सरस, स्निग्धा बोस, रिंकू गिरी और नीलम झा शामिल रहीं।

गोष्ठी के दौरान महिला मंच की वरिष्ठ कवयित्री डॉ. आशा पुष्प द्वारा अपनी चर्चित पुस्तक मन के गीत के साथ प्रसिद्ध साहित्यकार ममता कालिया से हुई विशेष मुलाकात की जानकारी साझा की गई, जिसे बोकारो के साहित्यिक जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि और गर्व का विषय बताया गया। समारोह के अंत में ऋचा श्रीवास्तव ने उपस्थित सभी कवयित्रियों, अतिथियों और श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

डीपीएस चास में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित, विद्यार्थियों को मिला स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य और नेत्र सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) चास में 12 और 13 अगस्त 2026 को दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। संजीव नेत्रालय एलएलपी, बोकारो के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की आंखों की निःशुल्क जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

शिविर में शंकर नेत्रालय की फेलो व सीनियर कैटरैक्ट सर्जन डॉ. दीपिका सिंह एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से नेत्र परीक्षण किया। जांच के दौरान दृष्टि दोषों की पहचान के साथ-साथ डिजिटल स्क्रीन के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाले दुष्प्रभावों और नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के समय पर्याप्त रोशनी रखने, आंखों की स्वच्छता और डिजिटल स्क्रीन का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी।

विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि आज के डिजिटल युग में स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों की आंखों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस तरह के स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों में अपनी जीवनशैली के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव पैदा करते हैं। विद्यालय की निदेशिका व प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि समय रहते दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान होने से सही इलाज संभव हो पाता है। उन्होंने संजीव नेत्रालय की टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा कि डीपीएस चास केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के स्वस्थ और संतुलित व्यक्तित्व निर्माण के लिए भी प्रतिबद्ध है। वहीं, डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति सजगता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और यह शिविर इसी सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

सुरक्षा की दिशा में बीएसएल का ऐतिहासिक कदम, संविदा कर्मियों को मिलेंगे नियमित कर्मचारियों जैसे सुरक्षा उपकरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने अपनी समावेशी सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करते हुए एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की है। अब बीएसएल में कार्यरत संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) कर्मियों को भी नियमित कर्मचारियों के समान ही उच्च गुणवत्ता और निर्धारित मानकों वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) उपलब्ध कराए जाएंगे। बता दें कि इससे पहले संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण संबंधित ठेकेदारों द्वारा उपलब्ध कराए जाते थे। भारतीय इस्पात उद्योग तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के इतिहास में इस तरह की पहल करने वाला बोकारो स्टील प्लांट पहला संयंत्र बन गया है। मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने शीर्ष प्रबंधन की उपस्थिति में संविदा कर्मियों को सुरक्षा किट सौंपकर इस योजना का औपचारिक शुभारंभ किया।

बीएसएल की यह पहल प्रत्यक्ष पीपीई (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) प्रावधान और डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से संविदा कर्मचारियों की सुरक्षा में परिवर्तन लाने की परिकल्पना पर आधारित है। इसके तहत पीपीई किट के वितरण, ट्रैकिंग, रिकवरी और री-इश्यू की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल सिस्टम से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था से सुरक्षा किट के उपयोग और उपलब्धता की पारदर्शी व प्रभावी निगरानी संभव हो सकेगी। संविदा कर्मियों को दिए जाने वाले पीपीई किट में सेफ्टी हेलमेट, लाइट वेट पॉलीकार्बोनेट चश्मे, डिस्पोजेबल रेस्पिरेटर, सेफ्टी शूज, एफआर सूट (जैकेट और ट्राउजर), ईयर प्लग और कैनवस ग्लव्स जैसे उच्च गुणवत्ता वाले सुरक्षा उपकरण शामिल हैं।

सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि हमारा मुख्य मूल्यः निदेशक प्रभारी- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने कहा कि बीएसएल परिसर में काम करने वाला हर कर्मी- चाहे वह नियमित हो या संविदा, उसे सुरक्षित माहौल देना प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संगठन का मूल विचार है। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने इस डिजिटल व समावेशी सुरक्षा मॉडल की विस्तृत रूपरेखा साझा की। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधकगण और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्र आंदोलन के बीच यासी ब्रांड ने उपलब्ध कराया पेयजल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। जेपीएससी मुद्दे पर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच यासी ब्रांड की ओर से आंदोलनरत छात्र-छात्राओं सहित मौके पर मौजूद लोगों के लिए पेयजल एवं शीतल पेय उपलब्ध कराया जा रहा है। गुरुवार को ब्रांड की ओर से दो गाड़ियों के माध्यम से 500 एमएल की 1200 पानी की बोतलें आंदोलन स्थल पर पहुंचाई गईं। यह जानकारी देते हुए पेयजल वितरण के दौरान यासी ब्रांड के मैनेजमेंट डिपार्टमेंट से कमल किशोर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी।

उन्होंने विज्ञप्ति में कहा कि यासी ब्रांड की टीम ने मौके पर पहुंचकर छात्रों के बीच पानी की बोतलों का वितरण किया गया। पानी के अलावा छात्रों को एनर्जी ड्रिंक, जीरा और मोजिटो भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

ब्रांड की ओर से बीते मंगलवार से लगातार यह सेवा जारी रहने की बात कही गई है। टीम प्रतिदिन आंदोलन स्थल पर पहुंचकर आवश्यकता के अनुसार पानी और अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध करा रही है। यासी ब्रांड ने कहा कि आने वाले दिनों में भी यह सेवा जारी रखी जाएगी और छात्रों की जरूरत के अनुसार पेयजल एवं अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाएंगे।

बोकारो में रातभर पुलिस की निगरानी, गश्ती दलों का औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर 12/13 अगस्त की मध्यरात्रि पुलिस उपाधीक्षक, नगर ने बोकारो सिटी क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में तैनात रात्रिकालीन गश्ती दलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गश्ती दलों की तैनाती, सक्रियता, निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक, नगर द्वारा गश्ती पदाधिकारियों को अपने-अपने निर्धारित क्षेत्र में लगातार एवं प्रभावी रूप से गश्ती करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, रात्रि के समय सुनसान स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों, एटीएम, बैंक, पेट्रोल पंप, पार्किंग स्थलों, शराब दुकानों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया।

गश्ती के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच करने, बिना नंबर अथवा संदिग्ध नंबर वाले वाहनों पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यकता के अनुसार एंटी क्राइम चेकिंग एवं वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त असामाजिक तत्वों, अपराधियों एवं पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल वरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित थाना को सूचित करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।भौगोलिक संदर्भ

रात्रिकालीन गश्ती के दौरान पुलिस पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहें तथा किसी एक स्थान पर अनावश्यक रूप से लंबे समय तक रुके रहने के बजाय पूरे क्षेत्र में प्रभावी पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित करें। विशेष रूप से चोरी, लूट, छिनतई, वाहन चोरी एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए संवेदनशील स्थलों पर सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान गश्ती पदाधिकारियों को आम नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने हेतु भी निर्देशित किया गया। साथ ही, रात्रि के समय मुख्य मार्गों एवं संपर्क पथों पर नियमित गश्ती करते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतत निगरानी रखने को कहा गया।

पुलिस उपाधीक्षक, नगर द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि रात्रिकालीन गश्ती में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी अपने निर्धारित दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं तत्परता के साथ निर्वहन करें। इस प्रकार के औचक निरीक्षण का उद्देश्य रात्रिकालीन पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाना, अपराध की रोकथाम करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

आरपीएफ ने पांच सांप के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार

रांची। वन्य जीवों की अवैध तस्करी और उनके शोषण के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन वाइलेप के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। आरपीएफ की रांची पोस्ट की टीम ने नियमित जांच के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को पांच सांपों के साथ पकड़ा है। बरामद सांपों में दो लाल रेत बोआ (दोमुंहा सांप) और तीन चश्माधारी नाग शामिल हैं। रेल पुलिस की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 13 अगस्त को रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर आरपीएफ के पदाधिकारी और जवान नियमित जांच अभियान चला रहे थे। इसी दौरान टीम की नजर दो संदिग्ध व्यक्तियों पर पड़ी। संदेह के आधार पर दोनों को रोक कर पूछताछ की गई और उनके सामान की तलाशी ली गई। पूछताछ में दोनों की पहचान आनंद नाथ और अर्जू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के पास मौजूद बांस की टोकरियों की जांच की गई। टोकरियों के अंदर जीवित सांप मिलने से आरपीएफ के जवानों के होश उड़ गए। जांच में कुल पांच सांप बरामद किए गए। इनमें दो लाल रेत बोआ, जिन्हें आम बोलचाल में दोमुंहा सांप कहा जाता है और तीन चश्माधारी नाग शामिल थे। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने बताया कि इन सांपों को जंगल से पकड़ कर लाया गया था। कथित तौर पर इनका इस्तेमाल सार्वजनिक प्रदर्शन कर पैसे कमाने के लिए किया जाना था। वन्यजीवों को इस तरह पकड़ना, उनका परिवहन करना और प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना कानूनन गंभीर मामला है। आरपीएफ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बरामद सांपों को सुरक्षित रखा और दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों, पांचों सांपों और संबंधित दस्तावेजों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन परिक्षेत्र पदाधिकारी रांची के सुपुर्द कर दिया गया है।

भूमि संरक्षण योजनाओं में तेजी और पारदर्शिता लाने के निर्देश - मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को जेएमटीटीसी भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में भूमि संरक्षण निदेशालय के अधिकारियों को योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाब, पर्कोलेशन टैंक, डीप बोरिंग और BPCD जैसी योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं होगी। पिछले वर्ष की देनदारियों का भुगतान अगस्त अंत तक पूरा किया जाए। BPCD के लिए स्थल चयन और प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया अगले 15 दिनों में पूरी करने को कहा। मंत्री ने SMAM के तहत 100% लक्ष्य प्राप्ति, पिछले 5 वर्षों की योजनाओं का Social Impact Study और पूरा डाटा वेबसाइट पर दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। निगरानी के लिए राज्य स्तरीय डैशबोर्ड और जीओ-टैगिंग भी होगी। 15 अगस्त के बाद सभी जिलों में जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला और प्रत्येक जिले में लाभुक समितियों की बैठक आयोजित करने को कहा गया। कार्यशाला में तीन महिला समूहों के बीच ट्रैक्टर का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर विभागीय सचिव अबूबकर सिद्दीक़, निदेशक विकास कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संत जेवियर्स कॉलेज में "आत्मनिर्भर भारत" विषय पर स्वतंत्रता दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज, रांची में गुरुवार को एक्स्ट्रा करीकुलर समिति द्वारा "आत्मनिर्भर भारत के सार की खोज" विषय पर स्वतंत्रता दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने 'रिदम ऑफ ट्रेडिशन' पर स्वागत नृत्य और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर ने कहा कि छात्र देश की नींव हैं। छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे तभी देश आर्थिक रूप से उन्नति करेगा। स्टार्टअप और सरकारी योजनाएं इस दिशा में मददगार हैं। डीएसडब्ल्यू डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने संविधान, स्वशासन और नागरिकों की भूमिका पर विचार रखे। कार्यक्रम में चित्रकला, फोटोग्राफी और समूह नृत्य प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। चित्रकला का विषय "मेरी आत्मनिर्भरता की दृष्टि" था। विजेताओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और प्रो. सुधा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। रेक्टर डॉ. फादर सुधीर कुमार मिंज, उप-प्राचार्य डॉ. फादर अजय मिंज, तीनों संकायों के डीन और बड़ी संख्या में शिक्षक-विद्यार्थी उपस्थित थे।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने सीआईडी की विशेष अदालत में लगाई जमानत की गुहार

रांची। जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने जमानत के लिए गुहार लगाई है। उनके वकील ने सीआईडी की विशेष अदालत में गुरुवार को जमानत याचिका दाखिल की है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल खियांग्ते को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। इस केस में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में एल खियांग्ते पर परीक्षा से जुड़ी एजेंसियों से कथित तौर पर कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल, ड्रोन पर रोक

एजेंसी। रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। समारोह स्थल पर बिना अनुमति ड्रोन से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल अधिकृत विभागीय स्तर से ही ड्रोन के जरिए वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी कराई जा सकेगी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली सभी औपचारिक गतिविधियों का अभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 15 अगस्त को यहां ध्वजारोहण करेंगे। समारोह की सुरक्षा और संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे समय पर अपने निर्धारित स्थल पर पहुंचे और निर्धारित जिम्मेदारियों को निभाएं। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया और कहा कि समारोह में आने वाले सभी लोगों की सघन जांच की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक सामग्री के साथ कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। समारोह में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, ओडिशा पुलिस, झारखंड जगुआर, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची जिला पुलिस, झारखंड गृहरक्षा वाहिनी और एनसीसी के बालक-बालिका प्लाटून शामिल होंगे। जैप-1, जैप-10 और गृहरक्षा वाहिनी की बैण्ड पार्टियां भी समारोह में भाग लेंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में फर्स्ट इन कमांड 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी राघवेंद्र शर्मा होंगे, जो वर्तमान में रामगढ़ जिले में पदस्थापित हैं। सेकेंड इन कमांड परिचारी प्रवर द्वितीय अनिश मोमिन कुजूर होंगे। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अधिकारियों को अपने कार्य, दायित्व और प्रतिनियुक्ति स्थल की पूरी जानकारी रखने का निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य अतिथियों के आगमन की व्यवस्था समय पर पूरा करे।

गलत एडमिशन के आरोप पर डेंटल कॉलेज का ईसी रद्द करना अनुचित : उच्च न्यायालय

एजेंसी। रांची

अवध डेंटल कॉलेज एंड हास्पिटल, जमशेदपुर को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने राज्य सरकार द्वारा 68 छात्रों के बीडीएस में प्रवेश के मामले में कॉलेज का एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट (ईसी) रद्द करने के आदेश को गलत ठहराते हुए रद्द कर दिया है। साथ ही नेशनल डेंटल कमीशन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कॉलेज के सभी यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन पर रोक लगाने की कार्रवाई को भी गलत माना है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया और अधिवक्ता कुमार वैभव ने पक्ष रखा। मौजूदा मामले में ऐसा कोई आधार नहीं पाया गया। 19 जनवरी 2018 के एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट को रद्द करने का राज्य सरकार का आदेश टिकाऊ नहीं है। इसी तरह कॉलेज के सभी पाठ्यक्रमों में 2026-27 के दाखिले पर रोक लगाने की नेशनल डेंटल कमीशन की कार्रवाई भी गलत है। हालांकि कोर्ट ने 68 छात्रों के दाखिले की वैधता पर अदालत ने कोई अंतिम घोषणा नहीं की और इस मुद्दे को नेशनल डेंटल कमीशन की स्वतंत्र जांच के लिए छोड़ दिया।

सड़क किनारे लगे विज्ञापन बोर्डों पर उच्च न्यायालय सख्त, 12 फीट से कम ऊंचाई वाले होर्डिंग हटाने का निर्देश

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने सड़क किनारे और डिवाइडर पर लगे विज्ञापन होर्डिंग, यूनिपोल, मोनोपोल व प्लेकार्ड को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने रांची नगर निगम (आरएमसी) को निर्देश दिया है कि स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर लगे सभी विज्ञापन बोर्ड तत्काल हटाए जाएं या उन्हें 12 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगाया जाए। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले की सुनवाई की। झारखंड स्टेट आउटडोर एडवरटाइजिंग एसोसिएशन सहित दो रिट याचिकाओं की सुनवाई उच्च न्यायालय ने की। अदालत ने दोनों मामलों में प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले पर सुनवाई के लिए अगले सप्ताह निर्धारित की। निगम ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया कि डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से कम ऊंचाई पर लगाए गए सभी विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड हटाए जाएं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क के डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभों पर कोई विज्ञापन बोर्ड लगाया जाता है, तो उसका कोई भी हिस्सा सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान विज्ञापन एजेंसियों की ओर से कहा गया कि सभी होर्डिंग, मोनोपोल और यूनिपोल को हटाने का निर्देश दिया गया है। एजेंसियों का कहना था कि निगम को कम से कम यह बताना चाहिए कि कौन-कौन से होर्डिंग खतरा पैदा कर रहे हैं, क्योंकि सभी होर्डिंग को खतरे की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वहीं, रांची नगर निगम की ओर से कहा गया कि मोनोपोल, यूनिपोल, विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड आदि वाहन चालकों का ध्यान भटकाते हैं। इससे दुर्घटना, चोट और जान जाने जैसी घटनाओं का खतरा रहता है। अदालत ने कहा कि सड़क के बीच बिजली के खंभों पर कम ऊंचाई पर विज्ञापन बोर्ड लगाना निश्चित रूप से यात्रियों के लिए खतरा है। ऐसे बोर्ड ब्लाइंड स्पॉट भी पैदा करते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है।

झारखंड के मझगांव में सबसे अधिक 183 मिमी बारिश दर्ज

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची सहित राज्य भर में इन दिनों अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में 183.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। यह जानकारी गुरुवार को मौसम विभाग ने दी। विभाग के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री बोकारो में और सबसे कम न्यूनतम तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर बाद रांची के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 17 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। साथ ही 14 अगस्त को राज्य के ०6 जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की जानकारी दी गई है। विभाग ने जिन ०6 जिलों में भारी बारिश होने का अनुभव अनुमान व्यक्त किया है उनमें सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, लातेहार शामिल हैं। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 35.2 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी सहित पांच को ईडी का समन

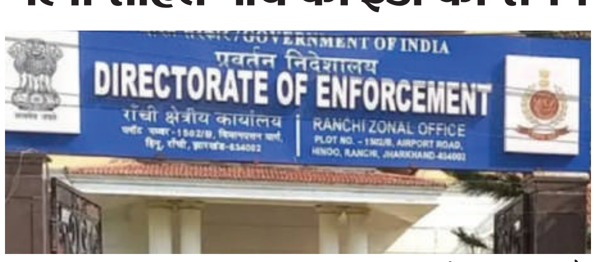

एजेंसी। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह सहित पांच लोगों को समन जारी किया है। ईडी ने जिन पांच लोगों के खिलाफ समन जारी किया है, उसमें एलबी सिंह के तीन रिश्तेदार और अनिल गोयल से जुड़े दो लोग शामिल है। ईडी ने समन जारी कर एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, भाई विश्वविजय सिंह और साले रंजीत कुमार सिंह को समन जारी किया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को समन जारी किया गया है। एलबी सिंह की पत्नी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में 20 अगस्त को बुलाया गया है। विश्वविजय सिंह के 14 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह को 17 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को भी अगले सप्ताह हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के खिलाफ दूसरे दौर की छापेमारी की थी। इसके दायरे में चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था। छापेमारी के दौरान एलबी सिंह से जुड़े 160 करोड़ रुपये के निवेश को फ्रीज कर दिया गया था। इसके अलावा विभिन्न ठिकानों से 200 से अधिक सेल डीड जब्त किये गये थे। छापेमारी में मिले सेल डीड की जांच जारी है।

देवेन्द्रनाथ को अस्पताल से जयपाल स्टेडियम लाए प्रशासन : मुकेश

एजेंसी। रांची

जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के तहत आंदोलनरत छात्र नेता देवेन्द्रनाथ महतो को सदर अस्पताल से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित सत्याग्रह स्थल पर वापस लाने की मांग गुरुवार को प्रशासन से छात्र-युवा प्रतिनिधियों ने की। इसे लेकर गुरुवार को छात्रों ने प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें मुकेश महतो, दीनबंधु मंडल और रामा अवतार महतो ने आंदोलन जारी रखने की बात कही। मौके पर मुकेश महतो ने कहा कि देवेन्द्रनाथ महतो का शरीर अस्पताल में इलाजरत है, लेकिन उनका संघर्ष और संकल्प सत्याग्रह स्थल पर आंदोलनरत छात्र-युवाओं के साथ है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 10 अगस्त 2026 को विधानसभा मार्च के दिन जानबूझकर छात्रों पर बेरहमी से लाठीचार्ज की गई है वह बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार हर हाल में आंदोलन को कुचलना चाहती है। इसलिए देवेन्द्रनाथ महतो को जल्द से जल्द से आंदोलन स्थल पर लाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि देवेन्द्रनाथ महतो ने अस्पताल से सत्याग्रह स्थल पर जाने की अनुमति के लिए अस्पताल प्रशासन को लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने प्रशासन से चिकित्सकीय स्थिति और सक्षम चिकित्सक की सलाह के आधार पर उन्हें सत्याग्रह स्थल पर आने की अनुमति देने की मांग की। वहीं दीनबंधु मंडल ने कहा कि सीबीआई जांच सहित अन्य मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं को लेकर राज्य के छात्र-युवा अभ्यर्थियों में आक्रोश है। रामा अवतार महतो ने कहा कि 10 अगस्त 2026 को विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस लाठीचार्ज और धक्का-मुक्की के बाद देवेन्द्रनाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 13वां दिन जारी है। इधर, छात्रों ने प्रेस वार्ता में चार प्रमुख मांगें रखी। इनमें अस्पताल से सत्याग्रह स्थल आने की अनुमति, आवश्यक प्रशासनिक सहयोग और सुरक्षा, रोकने की स्थिति में लिखित कारण एवं कानूनी आधार तथा चिकित्सकीय कारणों से रोकने पर संबंधित चिकित्सकीय रिपोर्ट या सक्षम प्राधिकारी की लिखित राय उपलब्ध कराने की मांगें शामिल हैं।

झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

एजेंसी। रांची

झारखंड के छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सांसदों ने छात्रों के साथ कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। भाजपा ने कहा कि छात्रों की न्याय की लड़ाई अब राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं है और पार्टी उनकी आवाज संसद तक पहुंचा रही है। इस दौरान साहू ने कहा कि झारखंड में पिछले 20 दिनों से छात्र आंदोलनरत हैं। यहां कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है और सात सालों से कांग्रेस, झामुमो द्वारा नौकरियों को बेचा जा रहा है। राहुल गांधी में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें दिल्ली से ट्वीट-ट्वीट खेलने की बजाय झारखंड आकर छात्रों-युवाओं से बात करनी चाहिए। साथ ही सीएम हेमंत सोरेन सरकार से उन्हें दो टूक बात करनी चाहिए कि छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को सरकार अविलंब पूरी करे। अगर सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें छात्रों के साथ अनशन पर बैठना चाहिए। साहू ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो झारखंड के युवाओं के हक अधिकार को छीनने का काम कर रही है। जबकि भाजपा छात्रों के अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल है कि झारखंड के छात्रों पर लाठियां बरसीं, फिर भी आपकी चुप्पी आखिर किसके पक्ष में है? दिल्ली और झारखंड के छात्रों के साथ आपका दोहरा रवैया क्यों ? उन्होंने कहा कि बंदर को सभी बंदर ही नजर आते हैं। यही हाल कांग्रेस पार्टी के नेताओं का है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के लिए राज्य सरकार से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में आदित्य साहू के अलावा सांसद निशिकांत दुबे, विद्युत वरण महतो, डॉ. प्रदीप वर्मा, बीडी राम, ढुल्लू महतो और मनीष जायसवाल सहित अन्य भाजपा सांसद उपस्थित रहे।

युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी। रांची

रांची जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लाइब्रेरी के पास गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस युवक की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगा रही है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार की सुबह युवक को लाइब्रेरी के पास बेसुध अवस्था में देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही मौत के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन

डुमरीः जामतारा पंचायत भवन में गुरुवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुरुवार को जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन कनीय अभियंता जयप्रकाश यादव के अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम में प्रखंड के सभी जल सहिया में बढ़-चढ़कर भाग लिया।जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक ने कहा कि पेयजल व्यवस्था केवल सरकार की नहीं है बल्कि ग्रामीण की संपत्ति है,इसलिए इसका संरक्षण भी हम सभी की

जिम्मेवारी है।वहीं जेई ने लोगों से पानी का दुरूपयोग रोकने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में जल अर्पण को लेकर प्रभात फेरी निकाली गई जो अनुमंडल कार्यालय सभागार से निकल कर जामतारा रोड के कुछ दूरी तक गया।इस दौरान पीएचईडी के जेई

जयप्रकाश यादव,विवेक कुमार शर्मा ट्रेनर अभय कुमार,निर्भय कुमार मोदी,प्रवीण कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर प्रभाकर कुमार मास्टर जलसहिया किरण रजक,देवंती देवी,मनोरमा देवी,रूपाली देवी,शाहीन प्रवीण,निशा देवी,माला पाण्डेय जल सहिया चमेली देवी,चांदो देवी,लीलावती देवी,सुनीता देवी,रईसा बानो, ललिता देवी,डेगनी देवी,देवंती देवी,सबीना खातुन, पार्वती देवी,नमिता मुर्मू,खगेश्वरी देवी आदि उपस्थित थे।

जेईई मेंस में पल्लवी कुमारी ने हासिल की सफलता, विद्यालय का बढ़ाया गौरव

पेटरवार। लीला जानकी पब्लिक स्कूल, रघुनाथपुरम पेटरवार की छात्रा पल्लवी कुमारी ने जेईई मेंस परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पल्लवी ने कॉमन रैंक लिस्ट में 83,096वीं रैंक हासिल कर परीक्षा उत्तीर्ण की। पल्लवी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार के साथ-साथ क्षेत्र में भी उत्साह का माहौल है। उनकी सफलता को उनकी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास का परिणाम बताया जा रहा है।

विद्यालय के निदेशक नीरज कुमार सिन्हा ने पल्लवी कुमारी को सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पल्लवी आगे भी इसी तरह अथक परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करें। साथ ही उन्होंने विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को पल्लवी की सफलता से प्रेरणा लेते हुए मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आजाद कुमार सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी पल्लवी कुमारी को उनकी सफलता पर शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने कहा कि पल्लवी की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है और इससे विद्यालय का गौरव बढ़ा है।

तिरंगे के रंग में रंगा गोला, भारत माता के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

गोला : भारतीय जनता पार्टी के रजरप्पा, बरलंगा एवं गोला मंडल के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा निकालकर क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया। रजरप्पा मंडल अध्यक्ष संतोष कुशवाहा के नेतृत्व में आरएस सेलिब्रेशन प्लेस से ब्लॉक चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। वहीं बरलंगा मंडल अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद एवं गोला मंडल अध्यक्ष जितेंद्र साहू के नेतृत्व में भी दर्जनों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। भारत माता की जय और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने लोगों को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। यात्रा में भाजपा जिला मंत्री बबलू साव, गोला उपप्रमुख विजय ओझा, प्रीतम झा, ललन कुशवाहा, नंदकिशोर महतो, चंद्रशेखर उपाध्याय, उत्तम कुशवाहा, सुधीर महतो, सुलेखा देवी, अनीता देवी, सुधा देवी, संतोष साव, अंबुज कुमार, रॉकी करमाली, हलधर सिंह, मदन शर्मा एवं प्रदीप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक शामिल हुए। मौके पर मंडल अध्यक्ष संतोष कुशवाहा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति समर्पण की भावना सदैव मजबूत रहनी चाहिए। तिरंगा यात्रा के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया।

खेल खुद को बढ़ावा देने के लिए इनलैंड पावर प्लांट ने स्कूली बच्चों के बीच किया जर्सी का वितरण

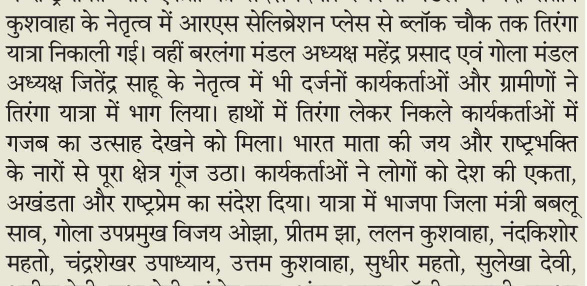

गोलाः खेल खुद को बढ़ावा देने के लिए पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातु में गुरुवार को इंलैंड पॉवर लिमिटेड व इंलैंड ग्रीन एनर्जी प्लांट के तरफ से इंलैंड पॉवर प्लांट के सीएसआर प्रबंधक मितेन मुखर्जी ओर सीएसआर उपप्रबंधक रमेश कुमार के द्वारा विद्यालय के फुटबॉल टीम के जूनियर बच्चों एवं बच्चियों को फुटबॉल जर्सी दिया गया।इस दौरान बताया गया कि सीएसआर फंड के तहत कई जनकल्याणकारी कार्य किया जा रहा है।साथ ही आगे भी इस तरह का कार्य किया जाएगा।मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जीतेन्द्र महतो, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शीतल महतो, व शिक्षक रुपनाथ महतो भागवत तिवारी,लालमोहन बेदिया ,पी टी शिक्षक आदित्य कुमार, अजय कुमार मिश्रा,राधेश्याम साहू, प्रदीप महतो , मनोज कुमार, बिनोद सोनी, शिक्षिका दीप्ती रानी, तेरेसा पुस्पिका टोप्पो, रीता करमाली उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : गांधी मैदान जामताड़ा में विगत 08 अगस्त से स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 के मद्देनजर चल रहे पैरेड पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया।

पैरेड पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी।आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह के द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत गांधी मैदान, जामताड़ा में आगमन के पूर्व निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवासीय कार्यालय से होते हुए शहर में अवस्थित महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों यथा वीर कुंवर सिंह प्रतिमा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, डॉ भीमराव अंबेडकर, भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा के उपरांत सिदो कान्हो प्रतिमा पर माल्यार्पण का पूर्वाभ्यास करते हुए गांधी मैदान पहुंचे एवं शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित कर सलामी मंच पर पहुंचे एवं पैरेड की सलामी ली। तत्पश्चात उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक पैरेड निरीक्षण वाहन में सवार होकर पैरेड का निरीक्षण किया। इसके उपरांत गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निदेशानुसार राष्ट्रगीत तत्पश्चात उपायुक्त द्वारा राष्ट्रध्वज को फहराया गया एवं तिरंगे को सलामी दी गई।

परेड निरीक्षण एवं पूर्वाभ्यास के उपरांत उपायुक्त आलोक कुमार ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सभी जिलेवासियों से स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाने हेतु अपील किया। वहीं निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने गांधी मैदान की व्यवस्थाओं यथा साफ-सफाई, साज-सज्जा, मेडिकल व्यवस्था, पेयजल, एम्बुलेंस, अग्निशामक वाहन, आगन्तुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था, वीआईपी प्रोटोकॉल का अनुपालन, साउंड सिस्टम सहित अन्य सभी बिंदुओं पर जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत को निर्देश दिया कि मैदान में कार्यक्रम के दौरान आवारा पशुओं का प्रवेश नहीं हो, इसके लिए कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करेंगे।

वहीं पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने सभी सार्जेंट मेजर एवं प्लाटून कमांडर को कई बिंदुओं पर जरूरी दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने गृह मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में मुख्य अतिथि के राष्ट्रध्वज फहराये जाने के पूर्व राष्ट्रगीत गायन को लेकर प्लाटून को ब्रीफ किया एवं कोई चूक नहीं होने पाए इसके लिए रिहर्सल करने का निर्देश दिया।

उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर जिले के मुख्य समारोह स्थल गांधी मैदान में माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग तथा उपभोक्ता मामले विभाग झारखण्ड, डॉ इरफान अंसारी के द्वारा राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा।

इस मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए, जुगनू मिंज, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, पंकज कुमार रवि, पुलिस उपाधीक्षक मु० नीलम कुजूर, एसडीपीओ, जामताड़ा, प्रभारी नजारत उप समाहर्ता श्री विकेश कुणाल प्रजापति, अंचल अधिकारी जामताड़ा अविश्वर मुर्मू, कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय सोमा खंडेत, नगर थाना प्रभारी के अलावा अन्य पुलिस पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

एनएच-2 पर बाइक हादसे में रेलकर्मी की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः निमियाघाट थाना क्षेत्र में एनएच-2 पर अरगाघाट रोड के पास बुधवार रात हुए सड़क हादसे में बगोदर थाना क्षेत्र के बेको अखरा टोला निवासी 27 वर्षीय तुलेश्वर महतो की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक स्वर्गीय भुनेश्वर महतो के पुत्र थे।जानकारी के अनुसार, तुलेश्वर पारसनाथ रेलवे स्टेशन में इलेक्ट्रिशियन के पद पर कार्यरत थे। बुधवार रात करीब 11 बजे वे ड्यूटी पर जाने के लिए बाइक से घर से स्टेशन जा रहे थे। इसी दौरान उक्त स्थान पर स्थित पुल के पास किसी वाहन द्वारा ओवरटेक करने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव और बाइक को कब्जे में लेकर थाना ले गई। सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरुवार को गिरिडीह भेज दिया गया।हादसे के बाद परिजनों में शोक की लहर है। घर में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : मिहिजाम पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चित्तरंजन रोड स्थित एक नंबर गेट के पास से दो संदिग्ध युवकों को भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजा कुमार और विष्णु पंडित के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं।

मिहिजाम थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम को सतर्क कर स्टेशन रोड इलाके में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया था। इसी दौरान गेट संख्या-1 के पास संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे इन दोनों युवकों को रोका गया।

जब पुलिस ने दोनों युवकों से पूछताछ की और उनके पास मौजूद बैग की तलाशी ली, तो उसमें से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। शराब मिलते ही पुलिस ने दोनों को तुरंत हिरासत में ले लिया और थाने ले आई।

थाना प्रभारी ने बताया कि मिहिजाम थाने में शराब तस्करी की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि बरामद शराब कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ सप्लाई किया जाना था। इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने साफ किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई तेज, 15 अगस्त को ड्राई डे का सख्ती से होगा पालन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में उत्पाद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्षिक राजस्व लक्ष्य के अनुरूप संग्रहण की समीक्षा, अवैध शराब के विरुद्ध कृत कार्रवाई के अलावा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ड्राई डे का सख्ती से पालन सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उत्पाद अधीक्षक ने उपायुक्त को जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2026-27 में माह जुलाई में 22 एवं इस वित्तीय वर्ष में कुल 94 अभियोग दर्ज किए बिकगए हैं, जिसमें माह जुलाई 2026 में अवैध चुलाई शराब 151 लीटर, अवैध जावा महुआ 2700 किलो, अवैध विदेशी शराब 7.035 लीटर, बीयर 27.250 लीटर जब्त किए गए हैं, जबकि जुलाई माह तक में 685.10 लीटर अवैध चुलाई शराब, 5805 किलो अवैध जावा महुआ, 121.600 लीटर अवैध विदेशी शराब, बीयर 186.880 लीटर एवं 60 किग्रा० पंचवई सहित 45 लीटर सुषव की जब्ती की गई है। इसके अतिरिक्त संधानित अभियोग, जेल भेजे गए अभियुक्त, फरार, अज्ञात अभियोग की जानकारी ली एवं कई बिंदुओं पर जरूरी दिशा निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने जिले में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई को जारी रखने एवं नियमिति रूप से औचक छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसके अलावा हॉटस्पॉट एवं सार्वजनिक स्थलों में अवैध शराब की बिक्री पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है।। इसके अलावा उन्हें जिले में संचालित सभी शराब दुकानों के संचालन, राजस्व लक्ष्य आदि बिंदुओं पर समीक्षा किया। बताया गया कि सभी दुकानें संचालित की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने अनुज्ञप्तिधारी दुकानों में निर्धारित ब्रांड के अनुरूप स्टॉक मेंटेन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि शराब की कीमत एमआरपी से अधिक कीमत नहीं रहे। वहीं उन्होंने गोदाम मरम्मती के अलावा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 15 अगस्त को ड्राई का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने सहित अन्य विभिन्न बिंदुओं पर जरूरी दिशा निर्देश दिया।

इस मौके पर अधीक्षक, उत्पाद एवं अन्य संबंधित मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास, डीसी-एसपी ने लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के तहत सिद्धो-कान्हू स्टेडियम में अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया और विभिन्न टुकड़ियों की सलामी ली। पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार मार्च-पास्ट का पूर्वाभ्यास किया।

रिहर्सल से पहले उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान का भी पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त ने समारोह स्थल पर सुरक्षा, यातायात, मंच, पंडाल, अतिथियों एवं आम नागरिकों के बैठने सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को समय पर सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने सुरक्षा और विधि-व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम में सुबह 9:15 बजे ध्वजारोहण होगा। इसके बाद समाहरणालय में 10:35, विकास भवन में 10:55, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 11:15, पुलिस लाइन में 11:25 और अनुमंडल कार्यालय में 11:45 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।

विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन, ग्रामीणों ने चित्रगुप्त महतो का किया स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत चीनीगढ़ा गांव में बुधवार देर शाम को विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। झामुमो केंद्रीय सदस्य एवं मंत्री योगेंद्र प्रसाद के अनुज चित्रगुप्त महतो ने फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया।।इस दौरान गांव पहुंचे चित्रगुप्त महतो का ग्रामीणों ने फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने विद्युत सुविधा से जुड़ी समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया।

मौके पर चित्रगुप्त महतो ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान कर लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सहित आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

पेटरवार में एसआईआर को लेकर अधिकारियों की बैठक, अपर समाहर्ता ने दिए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय पेटरवार के सभागार में गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोकारो के अपर समाहर्ता सुनील चंद्रा मुख्य रूप से शामिल हुए।

बैठक में गोमिया, पेटरवार एवं कसमार के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान एसआईआर के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर समाहर्ता सुनील चंद्रा ने अधिकारियों को एसआईआर के तहत किए जा रहे कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निष्पादन करने तथा मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में विशेष सावधानी बरतने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखना आवश्यक है। पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा गलत प्रविष्टियों का नियमानुसार सुधार किया जाए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की है।

बैठक में एसआईआर से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली गई। साथ ही कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया गया।

उत्साह के साथ निकली तिरंगा यात्रा, हरिमोहन मिश्रा ने कहा—देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है तिरंगा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : जिले में भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी कार्यक्रम के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन पूरे उत्साह और जोश के साथ किया गया। इसी क्रम में गोराई नाला मंडल में मंडल अध्यक्ष गिरधारी मंडल के अध्यक्षता में तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरिमोहन मिश्रा शामिल हुए। और कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। मंडल अध्यक्ष के द्वारा हरिमोहन मिश्रा को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। यात्रा में स्कूली बच्चों, ग्रामीण महिलाओं, पुरुषों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सैंकड़ों की संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर भाजपा नेता हरिमोहन मिश्रा ने कहा कि तिरंगा यात्रा किसी पार्टी विशेष का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे देश का आयोजन है। हमारा तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी जाति और धर्म के लोग उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहे हैं, जो देश की एकता और अखंडता के लिए सकारात्मक संदेश है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर इस तरह के आयोजन से देशभक्ति की भावना मजबूत होती है। तिरंगा यात्रा में लोगों का उत्साह देखकर काफी अच्छा अनुभव हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही।

मौके पर असलम अंसारी, विश्वजीत भंडारी, कृष्णा मण्डल, मानिक राय, कमल बाउरी, गीतांजलि मुर्मू, चंपापाल, नीलिमा डे, गौरी देवी, विश्वजीत पाल आदि उपस्थित थे।

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

संसद का तीसरा सप्ताह भी हंगामे की भेंट, जनता पूछ रही-आखिर कब होगी मुद्दों पर चर्चा?

कांतिलाल मांडोत

संसद का मानसून सत्र अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है, लेकिन जिस उम्मीद के साथ देश की जनता ने जनप्रतिनिधियों को संसद भेजा था, वह उम्मीद लगातार कमजोर होती जा रही है। मंगलवार को एक बार फिर संसद परिसर से लेकर लोकसभा और राज्यसभा तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। संसद के बाहर एनडीए सांसदों ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तो विपक्षी सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए। दोनों पक्षों के सांसद आमने-सामने आए और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया। परिणाम यह हुआ कि सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही समय बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ था और अब इसके समाप्त होने में केवल कुछ दिन शेष हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या बचे हुए समय में संसद अपने वास्तविक कामकाज की ओर लौट पाएगी? संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां देश के करोड़ों लोगों से जुड़े मुद्दों पर बहस, सवाल और समाधान की उम्मीद की जाती है। लेकिन लगातार हंगामे और नारेबाजी के कारण सांसदों को अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाने और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है। मंगलवार को संसद परिसर में एनडीए सांसदों ने मकर द्वार तक विरोध मार्च निकाला। उनके हाथों में राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर थे और वे झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी से जवाब मांग रहे थे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए। इसी दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वहां पहुंचीं। भाजपा सांसदों की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए जा रहे थे। प्रियंका गांधी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल भी चुके हैं। यह घटनाक्रम संसद के भीतर चल रहे राजनीतिक टकराव का विस्तार ही नजर आया। विपक्ष झारखंड में छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई और 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज के मामले में गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांग रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि गृह मंत्री इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। वहीं राहुल गांधी का कहना है कि विपक्ष केवल गृह मंत्री की राय सुनना नहीं चाहता, बल्कि यह जानना चाहता है कि छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और गोलीबारी का आदेश किसने दिया।कांग्रेस की ओर से भी सरकार पर लगातार निशाना साधा जा रहा है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के तुरंत बाद उसकी निंदा की थी। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दे पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पास तथ्य नहीं हैं और विपक्ष सरकार का जवाब सुनने के बजाय केवल आरोप लगाना चाहता है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी राहुल गांधी पर सदन चलने देने से बचने का आरोप लगाया और कहा कि जब गृह मंत्री चर्चा के लिए तैयार हैं तो विपक्ष को सदन चलने देना चाहिए।राजनीतिक दलों के बीच इस आरोप-प्रत्यारोप का सबसे बड़ा नुकसान संसद के कामकाज को हो रहा है। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, जबकि विपक्ष का आरोप है कि सरकार महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने से बच रही है। लोकतंत्र में दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हो सकते हैं, लेकिन संसद का उद्देश्य केवल एक-दूसरे पर राजनीतिक आरोप लगाना नहीं है। सत्ता पक्ष के पास सरकार चलाने की जिम्मेदारी है तो विपक्ष के पास सरकार से सवाल पूछने और उसकी नीतियों की जांच करने की जिम्मेदारी है। दोनों भूमिकाएं लोकतंत्र के लिए समान रूप से जरूरी हैं। विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने, विरोध दर्ज कराने और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने का पूरा अधिकार है। इसी तरह सरकार को भी विपक्ष के सवालों का जवाब देने और अपनी नीतियों का पक्ष रखने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन सदन की कार्यवाही को लगातार बाधित करने का माध्यम बन जाता है, तब लोकतांत्रिक बहस कमजोर पड़ती है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि किस दल ने ज्यादा नारे लगाए या किसने किसके खिलाफ पोस्टर दिखाए। असली सवाल यह होना चाहिए कि देश की जनता के लिए संसद ने क्या काम किया। संसद में एक दिन की कार्यवाही पर सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा खर्च होता है। सांसदों के वेतन और भत्तों से लेकर संसद की सुरक्षा, प्रशासन, कर्मचारियों और अन्य व्यवस्थाओं तक जनता के कर से प्राप्त धन खर्च होता है। इसलिए संसद का प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण है। जब सदन लगातार स्थगित होता है तो नुकसान केवल सरकार या विपक्ष का नहीं होता, बल्कि सीधे जनता का होता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से चुनकर आए सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याएं संसद में उठाने का अवसर खो देते हैं। देश में इस समय रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएं, युवाओं के भविष्य, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था जैसे अनेक मुद्दे हैं। अलग-अलग राज्यों के सांसद अपने क्षेत्र की सड़क, पानी, बिजली, रेल, उद्योग, सिंचाई और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को संसद के सामने रखना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक टकराव के कारण उनका समय हंगामे में निकल जाता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। यह भी सही है कि केवल विपक्ष को संसद ठप होने के लिए जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए गंभीर मुद्दों को पर्याप्त महत्व दे और संवाद का रास्ता खुला रखे। विपक्ष के सवालों का जवाब देना सरकार की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह सरकार के जवाब को सुने और असहमति होने पर संसदीय तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराए। संसद में बहस हो, तीखी बहस हो, सरकार की आलोचना हो, लेकिन चर्चा का मंच बंद नहीं होना चाहिए। संसद में हंगामा कोई नई बात नहीं है। लोकतांत्रिक राजनीति में विरोध प्रदर्शन और असहमति स्वाभाविक हैं। कई बार विपक्ष को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सदन में विरोध का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन जब लगातार कई दिन तक कामकाज बाधित हो और महत्वपूर्ण विधेयक तथा जनहित के विषय चर्चा से बाहर हो जाएं, तब पूरे संसदीय तंत्र पर सवाल खड़े होते हैं। मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह भी इसी राजनीतिक खींचतान में निकलता दिखाई दे रहा है। इससे पहले राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े कथित मामले को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ सरकार और एनडीए सांसद विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते रहे हैं। कुछ विधेयक सदन में पारित जरूर हुए हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर बहस और चर्चा का वातावरण नहीं बन पाया है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि संसद में जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा का अवसर नहीं मिलेगा तो फिर लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था की उपयोगिता कैसे सुनिश्चित होगी? देश की जनता पक्ष और विपक्ष दोनों से जवाब चाहती है। जनता यह नहीं देखना चाहती कि संसद के बाहर किसने किसके खिलाफ नारे लगाए। वह यह देखना चाहती है कि उसके सांसद उसके जीवन से जुड़े सवाल कब उठाएंगे। किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है, युवा रोजगार और शिक्षा के अवसर चाहता है, व्यापारी बेहतर आर्थिक माहौल चाहता है और आम नागरिक महंगाई तथा सुविधाओं से जुड़े सवालों का जवाब चाहता है। इन सभी सवालों का सबसे बड़ा मंच संसद ही है। इसलिए अब समय आ गया है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक टकराव से ऊपर उठकर संसद को चलाने की जिम्मेदारी निभाएं। सरकार को विपक्ष के गंभीर सवालों का जवाब देना चाहिए और विपक्ष को भी चर्चा के दौरान अपनी बात रखने के बाद सरकार का पक्ष सुनना चाहिए।

(वरिष्ठ पत्रकार ,साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।
-अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है। -मैक्स लर्नर

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीयाः 13 अगस्त रात 08:41 बजे से 14 अगस्त शाम 06:47 (18:47) बजे तक। दिन का शुभ चौघड़ियाः दोपहर 12:26 बजे से दोपहर 02:05 बजे तक। राहुकालः सुबह 10:46 बजे से दोपहर 12:25 बजे तक (इस दौरान कोई नया/शुभ कार्य शुरू करने से बचें)।

आज जन्म लिए बालक का फल...

सूर्य और सिंह राशि के प्रभाव से बच्चा जन्मजात साहसी, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला होगा। उसमें बचपन से ही नेतृत्व के गुण दिखाई देंगे। मघा या पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र (जन्म के सटीक समय के अनुसार नक्षत्र परिवर्तित होता है)

मेष राशिः आज दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहने से बचेंगे तो आप अपने काम में बढ़िया परफॉर्म कर पाएंगे।

वृष राशिः दूसरों से आगे जाने की आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि करेगी।

मिथुन राशिः आज प्रॉपर्टी के बिजनेस के लिए भी लाभदायक स्थिति बनी हुई है।

कर्क राशिः बदलाव के कारण आज परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश होंगे।

सिंह राशिः आज युवा वर्ग व्यर्थ के कामों में पड़कर समय नष्ट न करें।

कन्या राशिः आज जीवनसाथी व परिवार का सहयोग आपके आत्मबल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा।

तुला राशिः वैवाहिक जीवन में खुशियों के साथ-साथ नन्हें मेहमान का आगमन होगा।

वृश्चिक राशिः धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति की तरफ भी आपका ध्यान केंद्रित होगा।

धनु राशिः आज आप घर शिफ्ट करने से पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें।

मकर राशिः उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्यक्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों, आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहेगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों, आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।

तिरंगाः भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज़ का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दर्शाता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दर्शाता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दर्शाता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है। भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा। भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ़ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है।

लाश लेकर जा रहे परिजन खुद लाश बन गए

नरेंद्र भारती

चारों तरफ चीत्कार, करुण क्रंदन और हर आंख नम। अपने बिछड़ गए, जीते-जाते परिवार खत्म हो गए और पूरे इलाके में मातम पसर गया। काला मंगलवार काल बनकर आया और पांच लोगों को लील गया। आनी में भाग्य से लोग बच गए, लेकिन सिरमौर, आनी और भराड़ीघाट में हुए हादसों ने पूरे हिमाचल को झकझोर कर रख दिया है। बरसात के इस मौसम में पहाड़ फिर चीखा है और उसने बता दिया है कि यहां जिंदगी कितनी नाजुक डोर से बंधी है। यहां एक गलती, एक मिनट की लापरवाही, एक जिद, पूरे घर का चिराग बुझा देती है।सिरमौर की घटना सबसे ज्यादा दिल दहला देने वाली है। यहां एक परिवार पहले ही गम में था। घर में मातम था, आंगन में अर्थी सजनी थी। इसी बीच किसी अपने की लाश लेकर चार लोग गाड़ी में घर लौट रहे थे। आंखों में आंसू थे, मन में सन्नाटा था। रास्ते में सन्नाटे को चीरती हुई चीख आई और एक और हादसा हो गया। गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई और लाश ले जा रहे चारों लोग खुद लाश बन गए। सोचिए उस घर की क्या हालत होगी जहां एक मय्यत के लिए लोग निकले थे और वहां अब दोहरी मय्यत पहुंची। चूल्हा जलना था, वहां मातम का धुआं उठ रहा है। जो लोग ढांढस बंधाने गए थे, आज उन्हीं के घर में कफन बिछे हैं। एक ही झटके में एक पूरा परिवार खत्म। दादा, दादी, चाचा, ताऊ, सबके चेहरे पर एक ही सवाल। पहले किसका अंतिम संस्कार करें। गांव में मातम नहीं, कोहराम है। महिलाएं बेहोश हो रही हैं। बच्चे समझ नहीं पा रहे कि अब कौन उन्हें गोद में उठाएगा। रिश्तेदार दूर-दूर से आ रहे हैं, पर आंसू पोंछने वाला कोई नहीं बचा।भराड़ीघाट के दसेरन में भी पहाड़ ने रहम नहीं किया। यहां एक परिवार अपनी कार से जा रहा था। पति ड्राइव कर रहा था, पत्नी साथ में बैठी थी और पीछे मासूम बेटा खिड़की से बाहर देख रहा था। अचानक ऊपर से एक बड़ी चट्टान लुढ़कती हुई सीधी कार पर आ गिरी। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग भी सहम गए। कार के परखच्चे उड़ गए। शीशे चकनाचूर हो गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसका सिर चट्टान से टकराया और उसने वहीं दम तोड़ दिया। उसकी पत्नी और छोटा बेटा गंभीर रूप से घायल हैं। अस्पताल में दोनों जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। डॉक्टर कह रहे हैं हालत नाजुक है। कुछ मिनट पहले जो परिवार हंसते-खेलते घर से निकला था, उसकी दुनिया पल में उजड़ गई। पत्नी अपने पति को खून से लथपथ देखती रही और बेटा मां को आवाज देता रहा। पड़ोसियों ने जैसे-तैसे कार का दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पहाड़ों में ऐसे मंजर आम हो गए हैं, पर हर बार दिल उतना ही दुखता है। बरसात में ढीली मिट्टी और ऊपर से गिरते पत्थर मौत बनकर आते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता। लोग कहते हैं यहां पिछले साल भी एक हादसा हुआ था, तब भी प्रशासन ने सर्वे का वादा किया था।

आनी में भी मौत ने दस्तक दी, लेकिन इस बार भगवान ने बचा लिया। यहां भी एक चलती कार पर पहाड़ का मलवा और बड़े-बड़े पत्थर गिरे। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। बोनट हवा में उड़ गया। लेकिन इस बार किस्मत ने साथ दिया। कार में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए। ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाई और गाड़ी को किनारे कर लिया। अगर दो सेकंड का फर्क होता तो आनी में भी मातम होता। हादसे के बाद लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन डर अब भी आंखों में है। लोग कह रहे हैं कि भगवान ने आज हमें नई जिंदगी दी है। कार सवार एक बुजुर्ग ने कहा बेटा अब बरसात में घर से नहीं निकलूंगा। चाहे कुछ भी हो जाए।

तीन जगह, तीन हादसे, एक ही दर्द। सवाल ये है कि हर साल बरसात आते ही ये सिलसिला क्यों शुरू हो जाता है। हिमाचल की सड़कें पहाड़ों को काटकर बनाई गई हैं। ऊपर से मिट्टी और पत्थर गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। सड़क के किनारे न तो पुख्ता सुरक्षा दीवारें हैं, न ही क्रैश बैरियर। कई जगह तो सड़क के एक तरफ खाई है और दूसरी तरफ सीधा पहाड़। जरा सी चूक और गाड़ी सीधे खाई में। प्रशासन हर बार कहता है कि संवेदनशील स्थानों की पहचान की जाएगी, क्रैश बैरियर लगाए जाएंगे, सुरक्षा दीवारें बनेंगी। लेकिन कागजों पर बनी फाइलें जमीन पर नहीं उतरतीं। जब तक हादसा नहीं होता, तब तक कोई नहीं जागता। और हादसे के बाद सिर्फ श्रद्धांजलि और मुआवजे की बात होती है। मुआवजा क्या करेगा। जो चला गया वो तो वापस नहीं आएगा।

स्थानीय लोग कहते हैं कि हमें मजबूरी में सफर करना पड़ता है। बीमार को अस्पताल ले जाना है, सामान लाना है, बच्चों को स्कूल छोड़ना है, किसी की मय्यत में जाना है। ऐसे में सड़क ही एकमात्र सहारा है। पर यही सड़क कई बार काल बन जाती है। मौसम विभाग पहले ही चेतावनी देता है। रेड अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट, येलो अलर्ट। पर रोजी-रोटी के आगे चेतावनी बौनी पड़ जाती है। दुकानदार कहता है सामान नहीं आया तो ग्राहक नाराज हो जाएंगे। मजदूर कहता है काम पर नहीं गया तो दिहाड़ी कट जाएगी। और यही मजबूरी कई बार जान ले लेती है।

इसी लापरवाही, जिद और खुद जोखिम उठाने की आदत की वजह से हम बार-बार अपनों को खोते हैं। हम मौसम की परवाह नहीं करते। मोबाइल पर अलर्ट आता है भारी बारिश, भूस्खलन का खतरा फिर भी हम कहते हैं कुछ नहीं होगा, पहुंच ही जाएंगे। ये जिद सबसे खतरनाक है। बरसात के मौसम में पहाड़ों पर अनावश्यक यात्रा सबसे बड़ा खतरा है। बाजार का सामान दो दिन बाद भी आ सकता है, रिश्तेदार से मिलना एक हफ्ते बाद भी हो सकता है, पर्यटन की फोटो दो महीने बाद भी खींची जा सकती है। लेकिन जान एक बार गई तो वापस नहीं आती। इसलिए मौसम को देखिए। अगर आसमान में बादल हैं, पहाड़ों से पानी गिर रहा है, सड़क पर मिट्टी दिख रही है तो यात्रा टाल दीजिए। दो घंटे रुक जाना, एक दिन घर बैठ जाना, किसी जरूरी काम को स्थगित कर देना, ये कमजोरी नहीं समझदारी है। बरसात के मौसम में अनावश्यक यात्रा रोक दीजिए। रात के सफर से बचिए। पहाड़ों में रात को भूस्खलन का पता नहीं चलता और बचाव में भी देर हो जाती है। गाड़ी चलाते समय फोन पर बात न करें, ओवरस्पीड न करें और संवेदनशील जगहों पर गाड़ी रोककर सेल्फी का शौक भी छोड़ दें। याद रखिए, एक फोटो के चक्कर में पूरा परिवार उजड़ सकता है। पहाड़ की खूबसूरती देखनी है तो सुरक्षित जगह से देखिए। किनारे पर खड़े होकर पत्थर गिरने का इंतजार मत कीजिए। गाड़ी में बच्चों को अकेला मत छोड़िए। और सबसे जरूरी, अगर रास्ते में आपको मलबा दिखे, दरार दिखे, पानी रिसता दिखे तो तुरंत प्रशासन को सूचना दीजिए। आपकी एक कॉल कई जानें बचा सकती है। तभी ऐसे हादसों से बचा जा सकता है। जब तक हम खुद सतर्क नहीं होंगे, तब तक सरकार की योजनाएं भी अधूरी रह जाएंगी।

आज सिरमौर में जिस घर में मातम था, वहां अब दो घरों का मातम है। भराड़ीघाट में एक महिला विधवा हो गई, एक बच्चा अनाथ हो गया। अस्पताल में वो बार-बार पूछ रहा है पापा कहां हैं। उसे कौन बताएगा कि पापा अब कभी वापस नहीं आएंगे। आनी वाले भले बच गए हों, पर उनकी नींदें उड़ गई हैं। रात को आंख बंद करते ही उन्हें पहाड़ गिरता हुआ दिखाई देता है। हर हादसा सिर्फ आंकड़ा नहीं होता। हर लाश के पीछे एक घर, एक कहानी, कुछ सपने दफन होते हैं। कोई बेटी की शादी के लिए पैसे जोड़ रहा था। कोई बेटे को इंजीनियर बनाना चाहता था। कोई बुढ़ापे में तीर्थ करना चाहता था। सब मलबे में दब गया।सरकार और प्रशासन से मांग है कि अब सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस कदम उठाए जाएं। (वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नेहरू-पटेल ने आजादी की जल्दी क्यों दिखाई?

एल एस हरदेनिया

- आजादी में विलंब अराजकता पैदा करता

भारतीय जनता पार्टी हमेशा से कहती आई है कि भारत का विभाजन इसलिए हुआ क्योंकि नेहरूजी समेत सभी कांग्रेस नेता सत्ता का भोग करने को उतावले थे। यह कथन पूरी तरह से बेबुनियाद तो है ही, साथ ही इस बात का प्रतीक भी है कि जो लोग ऐसी बातें कहते हैं वे उस समय के घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत नहीं हैं।

पहली बात यह है कि देश के आजाद होने के बाद जो पहली मंत्रिपरिषद बनी उसमें कांग्रेस नेताओं के अलावा अनेक गैर-कांग्रेसी भी शामिल किए गए थे। इनमें भाजपा के पूर्व अवतार जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे जो उस समय हिन्दू महासभा के प्रमुख नेता थे। मुखर्जी के अलावा डॉ अम्बेडकर को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था। चूंकि मंत्रिपरिषद का स्वरूप पूरी तरह से राष्ट्रीय था इसलिए यह कहना अनुचित है कि विभाजन इसलिए स्वीकार किया गया क्योंकि नेहरू को सत्ता हासिल करने की जल्दी थी।

मूल रूप से जून 1948 में अंग्रेज भारत छोड़कर जाने वाले थे। इस बीच तत्कालीन वाईसराय माउंट बेटन लंदन गए। वे वहां से 3 जून 1947 को वापिस आए। वापिस आने के तुरंत बाद उन्होंने आल इंडिया रेडियो पर विभाजन की योजना घोषित की। अगले दिन माउंट बेटन ने पत्रकार वार्ता आयोजित की। पत्रकार वार्ता में उन्होंने घोषणा की कि अब ब्रिटेन जून 1948 के स्थान पर 15 अगस्त 1947 को भारत को आजाद कर देगा। यह भी ज्ञात हुआ कि आजादी देने की तिथि में परिवर्तन करने का फैसला स्वयं माउंटबेटन का था। इस तरह यह स्पष्ट है कि भारत के विभाजन की तिथि का निर्णय ब्रिटेन का था न कि नेहरू व अन्य कांग्रेस नेताओं का। माउंटबेटन की सोच थी चूंकि विभाजन का फैसला हो चुका है इसलिए उसका क्रियान्वयन करने में देरी न हो। यदि देरी होती है तो पूरे देश में साम्प्रदायिक हिंसा की आग फैल जाएगी। देरी के चलते लाखों लोग मारे जा सकते हैं। शीघ्र आजाद करने का एक और प्रमुख कारण था। जैसा कि ज्ञात है कि हिन्दुस्तान के कुछ हिस्सों पर ब्रिटेन पर सीधा शासन था। वहीं कुछ हिस्सों पर ब्रिटेन ने राजा-महाराजाओं के माध्यम से शासन किया था।

अब चूंकि ब्रिटेन अपना शासन समाप्त कर रहा था इसलिए देश के उन हिस्सों की सत्ता हिन्दुस्तान में कांग्रेस को सौंपी जाएगी और पाकिस्तान में मुस्लिम लीग को सौंपी जाएगी जहां ब्रिटेन का सीधा शासन था। और जहां तक उन क्षेत्रों का सवाल है जहां राजा-महाराजा और नवाबों का शासन था, 15 अगस्त 1947 के बाद वे स्वतंत्र हो जाएंगे। यदि वे स्वतंत्र नहीं रहना चाहते तो वे भारत या पाकिस्तान में शामिल हो सकते हैं। यदि वे स्वतंत्र रहने का फैसला करते हैं तो आजाद भारत में सैकड़ों छोटे-छोटे देश अस्तित्व में आ जाएंगे। विभाजन को शीघ्र करने का एक और कारण देश का बालकेनाईजेशन रोकना था। ऐसे राजे-रजवाड़ों की संख्या 500 से ज्यादा थीं यदि ये सब आजाद होने का फैसला कर लेते तो भारत एक देश के रूप में अस्तित्व ले ही नहीं पाता। गांधी, नेहरू और पटेल इस बारे में पुख्ता निर्णय लेना चाहते थे। वे इस मामले में ठोस निर्णय चाहते थे। इसलिए इस गंभीर प्रश्न को लेकर नेहरू व पटेल 9 जुलाई 1947 को माउंटबेटन से मिले। उन्होंने माउंटबेटन से कहा कि वे इन राज्यों के भारत से संबंध के मुद्दे की समस्या को हल करने में क्या निर्णायक पहल कर सकते हैं। माउंटबेटन ने कहा कि वे स्वयं इस मामले को सुलझाना चाहते हैं और यह उनके उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में शामिल है।

उसी दिन इस मामले पर चर्चा के लिए गांधीजी भी माउंटबेटन से मिले। माउंटबेटन ने गांधीजी से हुई वार्ता को स्वयं रिकार्ड किया। गांधीजी ने कहा कि वे पूरी गंभीरता और दृढ़ता ये इस मामले में निर्णय लें। वे यह सुनिश्चित करें कि राजे-महाराजे और नवाब स्वयं को आजाद घोषित न कर पाए। माउंटबेटन ने इस संबंध में पूरी दृढ़ता से निर्णय लिया।

उन्होंने दिनांक 25 जुलाई को चेम्बर ऑफ़ प्रिन्सेस की बैठक बुलाई। माउंटबेटन ने कहा कि ब्रिटेन ने भारत की स्वतंत्रता के संबंध में बनाए गए कानून के द्वारा राजे-रजवाड़ों को ब्रिटेन से हर प्रकार से मुक्त कर दिया है। वे तकनीकी दृष्टि से पूरी तरह से आजाद हैं। ब्रिटेन से उनके सभी संबंध टूट गए हैं। यदि उनके स्थान पर नए संबंध नहीं बनाए जाते तो उसका नतीजा पूरी तरह अव्यवस्था और अराजकता होगा। इस अव्यवस्था का सीधा प्रभाव राज्यों पर पड़ेगा। माउंटबेटन ने उन्हें सलाह दी कि वे नव निर्मित होने वाले उस देश से अपने संबंध स्थापित कर लें जिसके वे भौगोलिक दृष्टि से सबसे ज्यादा नजदीक हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सोनपुर रेल मंडल में निकली तिरंगा यात्रा, रेलकर्मियों ने दिया राष्ट्रभक्ति का मैसेज, हर घर तिरंगा फहराने की अपील

हाजीपुर। सोनपुर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय रेल द्वारा चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को सोनपुर रेल मंडल में तिरंगा यात्रा और प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर, श्री अमित सरन ने किया। इस तिरंगा यात्रा में सोनपुर मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथों में लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। रेलकर्मियों ने इस दौरान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। उन्हें और उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों, कार्यालयों तथा प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्र के प्रति सम्मान, जिम्मेदारी और एकजुटता की भावना व्यक्त करने का अवसर है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, गौरव और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है। सोनपुर मंडल ने अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों से इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। साथ ही, आसपास के लोगों को भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। तिरंगा यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव और देशभक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सोनपुर मंडल ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे इस स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाएं। इससे राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता व्यक्त होगी।

चोरी की बाइक के साथ 2 चोर गिरफ्तार, हाजीपुर में स्थानीय लोगों ने दोनों को मारपीट कर किया घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र स्थित सदुल्लापुर चांदनी स्कूल के पास स्थानीय लोगों ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पटना जिले के दो युवकों को पकड़ा। भीड़ ने दोनों की पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पटना के पत्रकार नगर थाना क्षेत्र स्थित राजेंद्र नगर डॉक्टर कॉलोनी निवासी सूरज कुमार और अभय कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है। गंगाब्रिज थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज की। इसके उपरांत उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। यह मोटरसाइकिल सदुल्लापुर निवासी धर्मेंद्र कुमार के दरवाजे से 8 अगस्त को चोरी हुई थी। धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह गाड़ी उनके रिश्तेदार अमित कुमार की थी, जिसका उपयोग वह स्वयं कर रहे थे। मोटरसाइकिल के आवश्यक कागजात अमित कुमार से मिलने में देरी के कारण चोरी की तत्काल प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई जा सकी थी। धर्मेंद्र कुमार के अनुसार, 11 अगस्त की सुबह जब वह अपने खेत सादुल्लापुर दियारा में जनेरा लाने गए थे, तो उन्होंने सदुल्लापुर चांदनी स्कूल के पास दो व्यक्तियों को उसी मोटरसाइकिल पर करणपुरा की ओर आते देखा। उन्हें देखते ही दोनों युवक घबराकर भागने लगे। धर्मेंद्र ने दौड़कर उन्हें रोका और पूछताछ की, जिस पर उन्होंने स्वीकार किया कि यह मोटरसाइकिल चोरी की है और उनके दरवाजे से ही चुराई गई थी। बाद में अमित कुमार को बुलाकर मोटरसाइकिल की पहचान सुनिश्चित की गई। पकड़े जाने के दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने दोनों चोरों की पिटाई कर दी। इस मारपीट में सूरज की आंख के नीचे चोट आई, जबकि अभय कुमार उर्फ गोलू के पैर और शरीर पर चोटें लगीं। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को दोनों आरोपियों को सौंप दिया गया।

स्कूल से लौट रही छात्रा से छेड़खानी-मारपीट, विरोध करने पर सिर पर किया हमला, आरोपी फरार

हाजीपुर। लालगंज के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-05 में स्कूल से घर लौट रही एक छात्रा से छेड़खानी और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि भगवान शंकर उच्च विद्यालय से छुट्टी के बाद लौट रही छात्रा से एक युवक ने छेड़खानी की। छात्रा के विरोध करने पर आरोपी ने उससे मारपीट की। साथ जा रही सहेलियों ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी हमला किया गया। इसी दौरान एक राहगीर ने बीच-बचाव कर छात्रा को बचाया। मारपीट में छात्रा के सिर में चोट लगी है। उसे लालगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया। सिर की चोट की गंभीरता को देखते हुए वहां सीटी स्कैन कराया जाएगा। आरोपी युवक की पहचान नीतीश के रूप में हुई है, जो घटना के बाद से फरार है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी आसपास के इलाके का निवासी है और अक्सर लड़कियों पर फब्तियां कसता था। छात्रा की सहेली, जो घटना की चश्मदीद है, ने बताया कि आरोपी की हरकतों का पहले भी कई बार विरोध किया गया था। गुरुवार को छात्रा ने हिम्मत दिखाते हुए उसका विरोध किया तो युवक ने गुस्से में आकर उससे मारपीट की और उसके सिर पर मुक्के व थप्पड़ से कई वार किए। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि घटना की सूचना देने के करीब 45 मिनट बाद पीसीआर वाहन मौके पर पहुंचा। लोगों का कहना है कि स्कूल की छुट्टी के समय पुलिस गश्ती या पीसीआर वाहन की व्यवस्था होने से असामाजिक तत्व ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की हिम्मत नहीं करेंगे। स्थानीय लोगों ने लालगंज में बढ़ते नशे और इससे जुड़ी असामाजिक गतिविधियों पर भी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पुलिस से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और स्कूल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले ठेकेदार की हत्या, जान बचाने के लिए भागे तो पीछा कर अपराधियों ने मारी 4 गोली

हाजीपुर। वैशाली में गुरुवार को मॉर्निंग वॉक के दौरान ठेकेदार की 4 गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ठेकेदार की पहचान रामनरेश राय के तौर पर हुई है। हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें रामनरेश राय सड़क पर टहलते दिख रहे हैं। इसी दौरान 2 बाइक से 4 अपराधी आते हैं, उनके सामने बाइक रोकते हैं। अपराधियों को देख रामनरेश राय बचने के लिए कच्चे रास्ते से भागते हैं। तभी 2 अपराधी उनके पीछे भागते हैं और करीब से गोली मारकर वापस आ जाते हैं। महज 30 सेकेंड में वारदात को अंजाम देखकर अपराधी बाइक से फरार हो गए। घटना हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी गांव की है। रामनरेश राय एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में ठेकेदारी करते थे। वो आज सुबह 5.15 बजे वॉक के लिए निकले थे। वो घर से करीब 200 मीटर दूर तालाब के पास पहुंचे ही थे तभी 2 अपाचे बाइक पर सवार होकर 4 बदमाश आए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। रामनरेश राय को 4 गोली लगी। वो जमीन पर गिर पड़े। फायरिंग की आवाज पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने रामनरेश राय को हिलाया-डुलाया, लेकिन तब तक ठेकेदार ने दम तोड़ दिया था। रामनरेश राय अपने माता-पिता के साथ दिग्घी स्थित घर में रहते थे। उनकी पत्नी पटना में रहकर अपने बच्चे की पढ़ाई कराती थीं। उनका एक बेटा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामनरेश ने अपनी दुकान लीज पर दी थी, उसकी सड़क मुकेश राय की जमीन से होकर जाती थी। मुकेश राय का कहना था कि रास्ते से आना-जाना है तो रंगदारी दो, नहीं तो रास्ते से जाने नहीं देंगे। 50 लोगों के सामने आरोपी और उसके परिजनों ने धमकी देते हुए कहा था- छोटे-मोटे ठेकेदार हो, मेरे सामने टिक नहीं पाओगे। वैशाली SP शुभांक मिश्रा ने घटना की पुष्टि की है। एसपी ने बताया, गुरुवार सुबह घर के पास ठेकेदार मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। इसी दौरान 2 बाइक से 4 लोग आए और फायरिंग करके फरार हो गए। रामनरेश राय की 4 गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। FSL की टीम जांच के लिए पहुंची है, घटनास्थल से सबूत जुटाए गए हैं।

अवैध बालू खनन, शराब और मारपीट मामले में 6 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस ने अवैध बालू खनन, शराब कारोबार और मारपीट के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बिहटा थाना पुलिस ने अवैध बालू खनन और कारोबार के मामले में फरार चल रहे तीन ट्रैक्टर चालकों को पकड़ा है। वहीं, शराब और मारपीट के मामलों में वर्षों से फरार तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तनु कुमार, जितेंद्र कुमार, शैलेश कुमार, सुरेंद्र यादव, देवसहाय राय और अमरजीत कुमार के रूप में हुई है।

छापेमारी में 3 ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार हो गए थे: दो दिन पहले जिला खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बिहटा थाना क्षेत्र के केल्हनपुर गांव स्थित बालू घाट पर छापेमारी की थी। इस दौरान अवैध बालू खनन और कारोबार में इस्तेमाल किए जा रहे तीन ट्रैक्टर जब्त किए गए थे। कार्रवाई के दौरान तीनों ट्रैक्टरों के चालक मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

2014 से शराब मामले में फरार था सुरेंद्र यादव: पुलिस ने शराब कारोबार से जुड़े एक मामले में वर्ष 2014 से फरार चल रहे सुरेंद्र यादव को भी गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। सुरेंद्र यादव पर अवैध शराब कारोबार का आरोप था। इसके अलावा, मारपीट के एक मामले में वर्षों से फरार चल रहे दो आरोपियों को

बिहटा में 3 ट्रैक्टर चालक, 2014 से फरार शराब कारोबारी, 2 अन्य अपराधी भी पकड़े गए

बिहटा थाना क्षेत्र के रामनगर गांव से पकड़ा गया है। इनकी पहचान देवसहाय राय और अमरजीत कुमार के रूप में हुई है।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम कर रही छापेमारी: बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में शराब और मारपीट के मामलों में वर्षों से फरार तीन आरोपियों को बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध बालू खनन और कारोबार के खिलाफ कार्रवाई के दौरान फरार हुए तीन ट्रैक्टर चालकों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हाइड्रा ने बस को मारी टक्कर, नीचे गिरे 2 यात्री, खुसरूपुर में एक की मौत

एजेंसी, पटना

पटना में गुरुवार को NH-30 पर तेज रफ्तार हाइड्रा गाड़ी (क्रेन) ने एक बस में टक्कर मार दी। इस दौरान चलती बस के उपर बैठे दो लोग नीचे आ गिरे। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल, घायल की पहचान नहीं हो सकी है। घटना खुसरूपुर थाना क्षेत्र में हुई है। जानकारी के मुताबिक, बस से बाबा धाम से छपरा की ओर सभी जा रहे थे। तभी खुसरूपुर थाना क्षेत्र के पंगत होटल के पास पीछे से आ रही एक हाइड्रा चलती बस से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के ऊपर बैठे दो यात्री नीचे गिर गए, जिसमें एक व्यक्ति ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे व्यक्ति को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

दूसरा एनएमसीएच रेफर, गुस्साए लोगों ने किया हंगामा

हादसे के बाद स्थानीय लोगो और परिजनों ने रोड को ब्लॉक कर हंगामा शुरू कर दिया, जिससे NH-30 पर दोनों तरफ गाड़ियों की लम्बी कतार लग गई। पुलिस मौके पर पहुंच यातायात व्यवस्था संभाली। पुलिस ने गुस्साए लोगों को समझाइश देकर शांत कराया और दुर्घटनाग्रस्त हाइड्रा को सड़क से हटवाकर आवागमन सामान्य कराया। घटना की सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (NMCH), पटना भेज दिया।

रौशन आनंद की गिरफ्तारी पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने कोचिंग संचालक रौशन आनंद की गिरफ्तारी के मामले में पटना पुलिस की कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा को मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट 3 सितंबर 2026 तक हर हाल में सौंपने का निर्देश दिया है।आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के भीतर रिपोर्ट नहीं मिलने पर जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सकती है। मामला पटना के चर्चित कोचिंग संचालक रौशन आनंद की गिरफ्तारी से जुड़ा है। रौशन आनंद ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के निदेशक हैं। जून 2026 की शुरुआत में मुसल्लापुर हाट स्थित खान ग्लोबल स्टडीज परिसर में तोड़फोड़, मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई थी। इस घटना के बाद कदमकुआं थाना पुलिस ने रौशन आनंद को गिरफ्तार किया था। रौशन आनंद की गिरफ्तारी

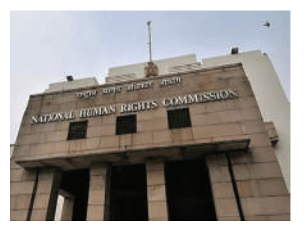

पटना एसएसपी से मांगी विस्तृत जांच रिपोर्ट

के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि पुलिस ने पर्याप्त जांच किए बिना उन्हें मामले का मुख्य आरोपी या सूत्रधार मानते हुए गिरफ्तार कर लिया। यह भी आरोप लगाया गया कि गिरफ्तारी के दौरान उनकी किडनी की बीमारी को भी ध्यान में नहीं रखा गया और उन्हें जेल भेज दिया गया। इसी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ता विशाल रंजन ने 10 जून 2026 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई। वे ह्यूमन राइट्स अम्ब्रेला फाउंडेशन के चेयरमैन हैं।

पटना कॉलेज में छात्र से मारपीट, यूजीसी पहुंचा रैगिंग मामला, मिंटो हॉस्टल के छात्र पर मारपीट का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के पटना कॉलेज में जूनियर छात्र के साथ रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। मनोविज्ञान विभाग के सत्र 2025-29 के एक छात्र ने सीनियर छात्रों पर परीक्षा हॉल के पास मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उसने राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। मारपीट करने वाले छात्र मिंटो हॉस्टल के बताए जा रहे हैं।

UGC की शिकायत के बाद कॉलेज ने दर्ज कराई FIR: छात्र की शिकायत मिलने के बाद UGC की राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन ने पटना विश्वविद्यालय को मामले में जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए। UGC के निर्देश के बाद पटना कॉलेज प्रशासन की ओर से पीरबहोर

थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले में आरोपित छात्रों की पहचान और घटना की पूरी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

परीक्षा हॉल के पास मारपीट का आरोप: शिकायत के मुताबिक परीक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान परीक्षा हॉल के आसपास जूनियर छात्र के साथ कुछ सीनियर छात्रों ने मारपीट की। छात्र ने इसे रैगिंग और शारीरिक हिंसा का मामला बताते हुए UGC से शिकायत की। उसने अपने साथ दोबारा किसी तरह की घटना होने की आशंका जताते हुए सुरक्षा की भी मांग की है।

कैंपस और हॉस्टल की सुरक्षा पर उठाए सवाल: शिकायतकर्ता ने पटना विश्वविद्यालय के कैंपस और हॉस्टलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। छात्र का कहना है कि पर्याप्त CCTV कैमरे और निगरानी व्यवस्था नहीं होने से ऐसी घटनाओं के साक्ष्य जुटाने में परेशानी हो सकती है। उसने विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। UGC ने शिकायतकर्ता छात्र की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का निर्देश दिया है। साथ ही उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और काउंसिलिंग कराने को कहा गया है, ताकि शिकायत के बाद छात्र पर किसी तरह का दबाव या प्रताड़ना न हो। UGC ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच विश्वविद्यालय

कॉलेज ने एफआईआर दर्ज करने के लिए दिया आवेदन

या कॉलेज की आधिकारिक एंटी-रैगिंग कमेटी के माध्यम से की जाएगी। कमेटी शिकायत में लगाए गए आरोपों, संबंधित छात्रों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करेगी।

पुलिस की FIR के साथ कॉलेज स्तर पर भी जांच आगे बढ़ेगी। पटना कॉलेज में सामने आए मामले के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों को रैगिंग रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। नए सत्र की शुरुआत को देखते हुए कॉलेजों को अपने एंटी-रैगिंग सेल की समीक्षा और पुनर्गठन करने को कहा गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कॉलेजों को नामांकन लेने वाले प्रत्येक छात्र से एंटी-रैगिंग को लेकर शपथ पत्र लेने का निर्देश दिया है। इसके अलावा कॉलेजों में एंटी-रैगिंग स्क्वायड को सक्रिय रखने और कैंपस में लगातार निगरानी करने को कहा गया है।

सफाईकर्मियों की हड़ताल खत्म, फिर भी ऑनलाइन 163 कंम्पलेन, सबसे ज्यादा पाटलिपुत्र अंचल में आए फोन

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के सफाई कर्मियों की आठ दिनों तक हड़ताल चली थी। विभाग से मांगों पर सहमति बनने के बाद इस हड़ताल को टूटे अब एक हफ्ता होने जा रहा है, मगर फिर भी कई इलाकों में कचरा उठाव की समस्या बनी हुई है। पटना नगर निगम को ऑनलाइन काफी शिकायतें आयी हैं। नगर निगम को कचरा उठाने वाली गाड़ी नहीं आने और जगह-जगह पर कूड़ा जमा होने की 88 शिकायतें मिली हैं। इसमें से सबसे ज्यादा पाटलिपुत्र अंचल में है। वहीं, वाट्सएप चैटबॉट पर 163 कंम्पलेन आयी है।

निगम की ओर से इन शिकायतों का निपटारा कराया जा रहा: हड़ताल 30 जुलाई से 6 अगस्त तक चली थी। 7 अगस्त से सफाई कर्मी नियमित रूप से अपने काम पर आ रहे हैं। बारिश हो जाने के कारण कचरा उठाव में समस्या आ रही है, इस कारण कई इलाकों में देरी हो रही है। निगम की ओर से इन शिकायतों का निपटारा कराया जा रहा है। निगम का प्रयास है कि हड़ताल के दौरान जमा हुए कचरे को जल्द से जल्द उठाकर सफाई व्यवस्था को पूरी तरह पटरी पर लाया जाए। ये शिकायतें मिलने के बाद संबंधित क्षेत्र में कचरा उठाव और सफाई की व्यवस्था कराने का प्रयास किया जा रहा है।

निगम को कचरा गाड़ी और कूड़ा डंप की 88 शिकायतें मिली

हड़ताल के दौरान मिली थीं 362 शिकायतें: पटना नगर निगम के अनुसार, आठ दिनों तक चली हड़ताल के दौरान कचरा उठाव और सफाई व्यवस्था को लेकर 362 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाली गाड़ियों के नहीं पहुंचने, जगह-जगह कूड़ा जमा होने और नियमित सफाई नहीं होने जैसी शिकायतें शामिल थीं।

पटना नगर निगम ने इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित स्तर पर कार्रवाई की। वहीं, इस साल 1 जनवरी से 29 जुलाई के बीच नगर निगम को कचरा उठाव और सफाई व्यवस्था से जुड़ी कुल 4,310 शिकायतें मिलीं। इनमें घरों से कचरा उठाव और सार्वजनिक स्थानों की सफाई से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं।

पटना-बेतिया समेत 4 जिलों में तेज बारिश, 15 में अलर्ट

अगले 24 घंटे में हैवी रेन की चेतावनी 40°C के करीब 6 जिलों का तापमान

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। गुरुवार को राजधानी पटना के कई इलाकों में बारिश हुई। दोपहर होते-होते बेतिया, बक्सर और समस्तीपुर में तेज बारिश हुई। वहीं खगड़िया समेत कई जिलों में काले बादल छाए हैं। बारिश होने की संभावना है।

हालांकि मौसम विभाग ने आज बिहार के 15 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 14 से 18 अगस्त को पटना समेत कई जिलों में तेज बारिश की संभावना है।

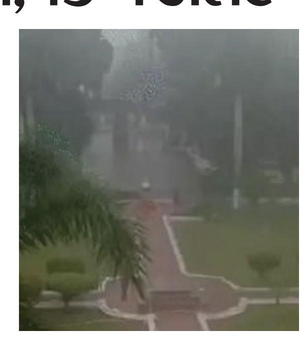

आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष चेतावनी जारी की गई है।

बिहार में अब तक सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। 12 अगस्त तक राज्य में 602.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन इसके मुकाबले केवल 375.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है। यानी राज्य में अब तक करीब 38% कम बारिश हुई है।

पटना- 29 वार्डों के 400 योजनाओं को मिली प्रशासनिक मंजूरी

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए 'एक करोड़ पार्षद निधि योजना 4.0' के तहत करीब 950 योजनाओं की अनुशंसा की गई है। इनमें सड़क और नाला निर्माण, पुराने सड़क-नाले का जीर्णोद्धार, सामुदायिक भवन, सबमर्सिबल, पेवर ब्लॉक और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े काम शामिल हैं।

29 वार्डों की करीब 400 योजनाएं स्वीकृत: नगर निगम मुख्यालय ने अब तक 29 वार्डों की करीब 400 योजनाओं को प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इन योजनाओं के पूरा होने के बाद अलग-अलग इलाकों में सड़क, नाला, जलापूर्ति और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं में सुधार की उम्मीद है।

वार्ड 3 से 72 तक कई इलाकों में होंगे विकास कार्य: वार्ड 3 में पीसीसी सड़क और भूगर्भ नाला निर्माण की 16 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। वार्ड 4 में सड़क निर्माण, जीर्णोद्धार और सबमर्सिबल से जुड़ी 11 योजनाओं को मंजूरी मिली है।

वार्ड 7 में सड़क और नाला निर्माण की 9 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। वार्ड 10 में पेवर ब्लॉक, सीसीटीवी कैमरा, सामुदायिक भवन और पीसीसी सड़क से जुड़े 7 काम होंगे। वहीं, वार्ड 12 में सड़क जीर्णोद्धार और भूगर्भ नाला निर्माण की 16 योजनाओं को मंजूरी मिली है। वार्ड 31 में सड़क व भूगर्भ नाला निर्माण तथा जीर्णोद्धार की 16, वार्ड 33 में 14 और वार्ड 35 में 13 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं।

वार्ड 36 में 13, वार्ड 44 में 21 और वार्ड 51 में 18 योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। वार्ड 47 में सड़क, नाला और मैनहोल मरम्मत की 16 योजनाएं, जबकि वार्ड 49 में 12 और वार्ड 50 में 14 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। कुछ वार्डों में सड़क-नाला के अलावा सामुदायिक भवन, हॉल, पार्क और अन्य सुविधाओं से जुड़े काम भी किए जाएंगे।

बिक्रम में 1000 से ज्यादा बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा, 300 छात्राएं भी हुईं शामिल

एजेंसी, पटना

पटना के बिक्रम प्रखंड मुख्यालय में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। पार्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर बिक्रम बाजार की सड़कों पर मार्च किया। यात्रा में एक हजार से अधिक बच्चे शामिल हुए, जिनमें करीब 300 छात्राएं थीं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में निकली यात्रा के दौरान पूरा बिक्रम बाजार देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। बच्चों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। सड़क किनारे खड़े स्थानीय लोगों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

हाथों में तिरंगा लेकर बाजार में निकले बच्चे: तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्र के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित करना था। बच्चे पूरे अनुशासन के साथ हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर आगे बढ़ रहे थे। यात्रा को लेकर बाजार में जगह-जगह लोगों की भीड़ नजर आई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की।

40 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संभाली व्यवस्था: तिरंगा यात्रा को सफल और अनुशासित बनाने में विद्यालय के करीब 40 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें फिजिकल टीचर सुनीता कुमारी, हरेंद्र कुमार, पुष्पा कुमारी, रीता कुमारी, रेशमी रानी, बिपिन कुमार और अजीत कुमार समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधन के मुताबिक,

भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंजा बाजार

बच्चों के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी यात्रा में शामिल हुए।

9 से 17 अगस्त तक चल रहा हर घर तिरंगा अभियान: विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि भारत सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से 9 अगस्त से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत स्वतंत्रता दिवस से पहले विद्यालय के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाली।

उन्होंने कहा कि यात्रा में शामिल सभी बच्चों के हाथों में तिरंगा था और देशभक्ति के नारों के साथ पूरे इलाके में यात्रा निकाली गई। इसका उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ संभावित गांवों में तहसीलदार ने लिया जायजा, ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते अजीतमल तहसील क्षेत्र से होकर गुजरने वाली यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। जलस्तर में वृद्धि से यमुना किनारे बसे गांवों के ग्रामीणों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि प्रशासन ने स्थिति सामान्य बताते हुए ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। गुरुवार सुबह तहसीलदार अविनाश कुमार ने बाढ़ संभावित क्षेत्र के गोहानी, सिकरोड़ी और जूहीखा आदि गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर बाढ़ से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। साथ ही जलस्तर पर लगातार नजर रखने और किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरतने की अपील की। तहसीलदार ने ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा और पानी सुरक्षित स्थानों पर रखने तथा जरूरी सामान को ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में किसी तरह की परेशानी न हो।

प्रशासन के अनुसार बुधवार को यमुना का जलस्तर 104 सेंटीमीटर से अधिक दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 113 सेंटीमीटर है। वर्तमान में जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है।

पुलिस चौकी के सामने किन्नरों ने किया नग्न प्रदर्शन

बांदा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में इलाके की लड़ाई को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच चार दिन पहले शुरू हुई लड़ाई बुधवार को देर शाम सड़क पर आ गई। विपक्षी गुट के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने से नाराज किन्नरों ने पुलिस चौकी के सामने नग्न होकर शर्मनाक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सड़क के दोनों और जाम लग गया और पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। आधा घंटे तक चले नाटकीय घटनाक्रम में उस समय हड़कंप मच गया जब एक किन्नर ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर अपने आप को जिंदा जलाने की धमकी दी। आधा घंटे बाद आखिरकार पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे किन्नरों को समझा बुझाकर शांत किया।

बांदा में किन्नरों के दो गुट हैं। अलीगंज मोहल्ले में कोदउवा को गुरु मानने वाले बन्नों का आरोप है की 4 दिन पहले गायत्री नगर मोहल्ले में रहने वाली मधु के साथियों ने हमारे इलाके में आकर वसूली की है। जब उसका विरोध किया तो हमारे साथियों के साथ मारपीट की गई। इस पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। हम लोग रेलवे लाइन के इस तरफ शादी विवाह में नेग मांगते हैं। जबकि मधु और उनके साथियों का इलाका रेल लाइन के उस पार है। बताया कि चार दिन पहले भी गाली-गलौज व धमकी देने को लेकर शिवानी व उसके सहयोगियों ने कोतवाली नगर में शिकायत की थी। जिसमें कोतवाली प्रभारी ने दोनों के बीच सुलह कराने का प्रयास किया था। किन्नरों ने विवाद का मामला महोबा में रह रहे अपने गुरु के सामने रखने को कहा था।

शत्रु संपत्तियां अब किराये पर नहीं दी जाएंगी, सरकार करेगी नीलामी

लखनऊ,एजेंसी। शत्रु संपत्तियों को अब सरकार न किराये पर देगी और न ही लीज पर। लीज का नवीनीकरण भी नहीं होगा। किरायेदारी अथवा लीज का अनुबंध खत्म होने पर गृह मंत्रालय इन संपत्तियों को कब्जे में लेकर नीलाम करेगा। जिन संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं उनको 15 दिन में खाली करने का समय दिया जाएगा। तय समय में अवैध कब्जा न हटाने पर बेदखली की कार्रवाई होगी। गृह मंत्रालय के निर्देश पर अभिरक्षा कार्यालय लखनऊ ने संबंधित जिलों के डीएम को इस संबंध में पत्र लिखा है। यूपी और उत्तराखंड में करीब 5600 शत्रु संपत्तियां हैं। बेशकीमती इन संपत्तियों पर ज्यादातर अवैध कब्जे हैं। जो किराये या लीज पर हैं उनसे सरकार को नाममात्र का किराया मिल रहा है। उदाहरण के तौर पर राजधानी के हजरतगंज स्थित हलवासिया मार्केट जो 10 हजार वर्गमीटर में बना है और इसका महीने का किराया मात्र 700 रुपये है। इसे देखते हुए गृह मंत्रालय ने यह निर्देश दिया है।

यूपी में महिलाओं को मिलेंगे 50-50 हजार रुपए

चुनाव से पहले 20 हजार की किस्त, फिर 10-10 हजार; योगी सरकार की तैयारीयूपी में महिलाओं को मिलेंगे 50-50 हजार रुपए:चुनाव से पहले 20 हजार की किस्त, फिर 10-10 हजार; योगी सरकार की तैयारी

लखनऊ,एजेंसी। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी।

चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10-10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी।

चुनाव से पहले महिलाओं को साधेगी सरकार

योगी सरकार जेन-जी आंदोलन के बीच वोटबैंक को साधने के लिए महिला सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना लाने की तैयारी में है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी। योजना के तहत महिलाओं को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने पर विचार हो रहा है। यूपी में 2027 में विधानसभा चुनाव है। सीएम योगी के लिए बिहार जैसा शानदार प्रदर्शन करने की चुनौती है।

गेमचेंजर होगी महिलाओं की योजना

सरकार के लोगों का मानना है कि महिलाओं को नकद प्रोत्साहन की

योजना विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर साबित हो सकती है। इस तरह की योजना सबसे पहले मध्यप्रदेश, फिर महाराष्ट्र और बिहार विधानसभा चुनाव में लागू की गई थी। उन योजनाओं के कारण वहां भाजपा की सरकार बनी थी। राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्रनाथ भट्ट का मानना है कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में महिलाओं को नकद सहायता देने का चुनाव में फायदा मिला है। अगर यूपी में भी इस तरह की योजना सरकार लागू करती है, तो निश्चित तौर पर उसका भाजपा को चुनाव में फायदा होगा। प्रदेश में करीब 5.67 करोड़ महिला वोटर हैं।

बिहार की तरह यूपी में भी महिलाएं ही गेमचेंजर

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत हुई थी। एनडीए ने वहां 202 सीटें जीती थीं। एनडीए की उम्मीद से ज्यादा जीत में महिलाओं के अभूतपूर्व समर्थन और वोटों को आधार माना गया। महिलाओं के एनडीए के लिए इस झुकाव का कारण चुनाव से पहले जीविका दीदी के खाते में 10-10 हजार रुपए भेजना माना गया। प्रदेश सरकार के मंत्री, भाजपा के पदाधिकारी और राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं।

इसीलिए मध्यप्रदेश की लाडली बहना योजना, महाराष्ट्र की सीएम माझी बहन लड़की, हरियाणा की दीनदयाल लाडो लक्ष्मी के बाद यूपी में भी महिलाओं और बेटियों के वोट को साधने के लिए भाजपा गेमचेंजर योजना लागू करने वाली है।

गरीबी रेखा से नीचे के परिवार की महिलाओं को प्राथमिकता

सरकार योजना में एससी, एसटी परिवारों की महिलाओं के साथ बीपीएल परिवारों की महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को प्राथमिकता देगी। इसमें ऐसे परिवारों की महिलाओं को शामिल किया जा सकता है, जिनकी आय 12 लाख रुपए से ज्यादा नहीं है।

राम मंदिर CEO के लिए साक्षात्कार पूरे

● आए थे साढ़े पांच हजार से ज्यादा आवेदन; ये लगाएंगे अंतिम मुहर

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर के सीईओ पद के लिए चल रहे साक्षात्कार पूरे हो गए है। सर्च कमेटी जल्द ही तीन नामों का पैनल राम मंदिर ट्रस्ट को सौंप देगी।

श्रीराम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम पूरा हो गया है। सीईओ चयन के लिए गठित सर्च कमेटी ने 11 और 12 अगस्त को राम जन्मभूमि परिसर में अंतिम चरण के साक्षात्कार संपन्न कर लिए हैं। अब समिति तीन सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर ट्रस्ट को सौंपेगी, जिसके बाद ट्रस्ट अंतिम नाम पर मुहर लगाएगा। सर्च कमेटी ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह बहु-स्तरीय, पारदर्शी और योग्यता आधारित रही। अंतिम चरण के लिए देशभर से केवल 16 उम्मीदवारों का चयन किया गया, जो कुल आवेदनों का 0.3 प्रतिशत से भी कम हैं। इन उम्मीदवारों में सेना के पूर्व अधिकारी, सेवानिवृत्त आईएएस और आईपीएस अधिकारी तथा विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर शामिल रहे। सभी उम्मीदवारों की आयु 50 से 70 वर्ष के बीच है। समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. चतुर्वेदी (पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम) और परमाणु वैज्ञानिक डॉ. सुरेश हावरे शामिल हैं। रक्षा, न्यायपालिका और प्रशासन के क्षेत्रों के अनुभवी सदस्यों ने उम्मीदवारों की नेतृत्व क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और संस्थागत दृष्टिकोण का गहन मूल्यांकन किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चयन प्रक्रिया के पहले चरण में कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3,877 उम्मीदवारों ने विस्तृत बायोडाटा प्रस्तुत किया। इसके बाद 1,580 आवेदनों का विस्तार से मूल्यांकन किया गया। दूसरे चरण में करीब 111 उम्मीदवारों का ऑनलाइन साक्षात्कार लिया गया, जिसमें उनकी संवाद क्षमता, नेतृत्व कौशल, पेशेवर अनुभव, व्यक्तित्व और तकनीकी समझ का आकलन किया गया।

ऑनलाइन मूल्यांकन के बाद हुआ 16 उम्मीदवारों का चयन

ऑनलाइन मूल्यांकन के बाद तीसरे और अंतिम चरण के लिए 16 उम्मीदवारों को अयोध्या बुलाया गया। आमने-सामने हुए साक्षात्कार में उम्मीदवारों की प्रबंधन क्षमता, रणनीतिक सोच, तकनीकी दक्षता, व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता की विस्तृत परीक्षा ली गई। सर्च कमेटी का कहना है कि अंतिम चरण में पहुंचे सभी उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां रखने वाले पेशेवर हैं। समिति अब इनका अंतिम मूल्यांकन कर तीन नामों का पैनल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेजेगी। अंतिम निर्णय ट्रस्ट की ओर से लिया जाएगा।

65 किमी सड़क को चौड़ा करने पर खर्च होंगे एक हजार करोड़

लखनऊ-सीतापुर-बरेली हाईवे होगा छह लेन

लखनऊ,एजेंसी। पहले चरण में लखनऊ से सीतापुर तक मार्ग शामिल है। इसके लिए एनएचएआई ने प्रस्ताव भेज दिया है। 65 किमी की सड़क को चौड़ा करने पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। अवध और रूहेलखंड के बीच रफ्तार बढ़ाने के लिए लखनऊ-सीतापुर-बरेली हाईवे (एनएच-30) को छह लेन करने का फैसला किया गया है। एनएचएआई ने पहले चरण में लखनऊ से सीतापुर तक का 65 किमी का हिस्सा छह लेन करने का प्रस्ताव केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेज दिया है। साथ ही निर्माण के लिए टेंडर भी आमंत्रित कर लिए हैं। इस परियोजना से लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, शाहजहांपुर और बरेली जिलों की लाखों की आबादी को सीधा फायदा होगा। लखनऊ से बरेली तक हाईवे की कुल लंबाई 250 किमी है। पहले चरण में लखनऊ रिंग रोड से इस हाईवे के सीतापुर तक के हिस्से को चार लेन से छह लेन बनाने की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई है। एनएचएआई के सूत्रों के मुताबिक, अगर चरण में सीतापुर से बरेली तक का हिस्सा शामिल किया जाएगा। इससे वाया सीतापुर लखनऊ से बरेली और दिल्ली तक का सफर आसान हो जाएगा।

लखनऊ से सीतापुर तक 65 किमी हाईवे को चौड़ा करने पर एक हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधक गौतम विशाल चरण पहारी ने बताया कि टेंडर आमंत्रित किए गए हैं।

व्यापार मंडल अध्यक्ष के भतीजे को गोली मारी, हालत नाजुक

झांसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में बुधवार रात बाइक सवार बदमाशों ने उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष उमेश गुप्ता के सगे भतीजे प्रशांत गुप्ता उर्फ मोनू पनिहारी पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से मोनू गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। बताया गया कि बुधवार शाम करीब सात बजे प्रशांत गुप्ता उर्फ मोनू पनिहारी मंडी स्थित अपनी आढ़त की दुकान बंद करके स्कूटी से घर लौट रहे थे। अभी वह सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में कानपुर बाईपास पर सरोज हॉस्पिटल के पास पहुंचे ही थे कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। न रुकने पर बदमाशों ने पीछे से तमंचे से फायर कर दिया। फायरिंग में मोनू को गोली लग गई। गोली उनकी कमर में लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल मोनू को निजी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की।

शालिनी हत्याकांडः

'कहीं मुझे न मार दे'

● 96 घंटे बाद टूटा दिलीप, बोला- चरित्र पर था शक, चार सेकंड में तीन वार

फतेहपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में अवैध संबंध के शक ने एक हंसते-खेलते परिवार को बर्बाद कर दिया। डेढ़ वर्ष से शिक्षिका पत्नी पर शक कर रहे पति ने षड्यंत्र रचकर बर्तन धोते समय कुकर के ढक्कन से चार सेकंड में तीन वार कर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसे पानी भरे टब में दो मिनट तक डुबोकर जान ले ली।

वारदात को घटना दिखने के लिए खून के धब्बे भी साफ कर दिए कुकर के ढक्कन को किचन में रख दिया। हत्या का शक पुलिस को पति पर ही था, लेकिन पर पुलिस को गुमराह कर रहा था। पुलिस ने शिक्षक के परिजन को हिरासत में लिया तो 96 घंटे के बाद उसने वारदात स्वीकार की। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे भेज दिया गया है।

जेल भेजने की घुड़की दी

शहर के नासिरपीर मोहल्ले में आठ अगस्त को पानी के टब में डुबोकर शिक्षिका शालिनी (29) की हत्या कर दी गई थी। दिन तीन बीतने के बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला। इस पर पुलिस ने मंगलवार को शिक्षक के छह परिजन को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। सभी से बारी-बारी सख्ती से पूछताछ की और जेल भेजने की घुड़की दी।

किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था

परिजन को परेशान देखकर शिक्षक टूट गया। शिक्षक दिलीप ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष से पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। वह बिना बताए कहीं चली जाती थी और अपनी कमाई अपनी इच्छा से खर्च करती थी। यह सब उसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था।

ताज में जलाभिषेक होगा कि नहीं?

अदालत में सुनवाई फिर टली; अब 2 सितंबर को अगली तारीख

आगरा, एजेंसी। ताजमहल को तेजोमहालय शिव मंदिर बताते हुए सावन माह में जलाभिषेक की अनुमति के लिए दायर वाद पर बुधवार को अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन सप्तम न्यायाधीश रजत शुक्ला की अदालत में सुनवाई हुई। उन्होंने अगली सुनवाई के लिए 2 सितंबर की तारीख तय की है। योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर ने 23 जुलाई, 2024 को वाद दाखिल किया था। मांग की थी कि सावन के चार सोमवार ताजमहल को हिंदुओं के लिए निशुल्क रखा जाए। जब शाहजहां के उर्स और ईद पर ताजमहल निशुल्क होता है तो सावन के सोमवार भी निशुल्क होने चाहिए। वाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और भारत संघ को प्रतिवादी बनाया गया है। सुनवाई के दौरान विपक्षी सैयद इब्राहिम हुसैन जैदी के अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने कहा कि मामला पहली बार स्थानांतरित होकर आया है। इसलिए सेक्शन 89 ए जनरल लूज सिविल के तहत सुनवाई होगी। विपक्षी अधिवक्ता को सूचना के लिए समय दिया गया है। 23 फरवरी, 2026 को जैदी पर बार-बार नकल मांगने पर 300 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

1857 के गदर में औरैया के वीरों ने अंग्रेजों के छुड़ाए छक्के

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में वर्ष 1857 का स्वतंत्रता संग्राम देश के इतिहास में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहली बड़ी बगावत के रूप में दर्ज है। इस क्रांति की लपटों से औरैया भी अछूता नहीं रहा। जिले के वीर सपूतों ने सिर पर कफन बांधकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मोर्चा संभाला। भरेह और चकरनगर के राजाओं ने क्रांतिकारियों का साथ देकर अंग्रेजों के सामने बड़ी चुनौती पेश की। कवि अजय अंजाम बताते है कि 1857 की क्रांति के दौरान चकरनगर के राजा कुंवर निरंजन सिंह और भरेह के राजा रूप सिंह ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चकरनगर के राजा ने सिकरौली के राव हरेंद्र सिंह के साथ मिलकर इटावा में अंग्रेजों के वफादार कुंवर जोर सिंह और सरकारी अधिकारियों को हटाने की मुहिम शुरू की। दोनों राजाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के संघर्ष को समर्थन देकर अंग्रेजी सत्ता को खुली चुनौती दी।

क्रांतिकारियों की गतिविधियों में शेरगढ़ घाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भरेह के राजा कुंवर रूप सिंह ने यमुना नदी पर नावों का पुल बनवाया। इसमें राजा निरंजन सिंह समेत कई क्रांतिकारी जमींदारों ने सहयोग किया। इसी मार्ग से झांसी के क्रांतिकारी यमुना पार कर 24 जून 1857 को औरैया पहुंचे और अंग्रेजी शासन के प्रमुख केंद्र तहसील पर धावा बोल दिया। इस

आज भी बदहाली का शिकार है भरेह का ऐतिहासिक किला

आजादी के 79 वर्ष बाद भी भरेह का ऐतिहासिक किला बदहाली का शिकार है। जिस किले ने 1857 में अंग्रेजी सेना की तोपों का सामना किया था, उसके संरक्षण की जरूरत महसूस की जा रही है। वरिष्ठ पत्रकार हरेंद्र राठौर का कहना है कि ऐसे ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित कर नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम में औरैया के योगदान से परिचित कराया जाना चाहिए।

कार्रवाई से अंग्रेजी हुकूमत में खलबली मच गई। अंग्रेजी सेना और भरेह-चकरनगर के राजाओं के बीच कई बार संघर्ष हुआ। अगस्त 1857 के अंतिम सप्ताह में अंग्रेजी फौज 18 पाउंड की तोपें लेकर व्यापारियों की नावों के जरिए यमुना के रास्ते भरेह पहुंची और राजा के किले पर हमला करने की तैयारी की।

अंग्रेजों की रणनीति को भांपकर राजा रूप सिंह पहले ही किला खाली कर चुके थे। इसके बाद पांच सितंबर को अंग्रेजी सेना ने भरेह के ऐतिहासिक किले को तहस-नहस कर दिया। अगले दिन छह सितंबर को अंग्रेजों ने भरेह से चकरनगर तक कच्ची सड़क बनाकर चकरनगर किले पर हमला किया और उसे अपने कब्जे में ले लिया। अंग्रेजों ने चकरनगर में स्थायी सैन्य छावनी स्थापित की।

राजा निरंजन सिंह की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए सहसों में भी फौजी चौकी स्थापित की गई। 1857 की क्रांति ने यह साबित कर दिया था कि औरैया और आसपास के क्षेत्रों के लोग अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार थे। हालांकि 1858 में अंग्रेज दोबारा अपना शासन स्थापित करने में सफल रहे। इसके बाद अंग्रेजों ने कई रियासतों को जब्त कर लिया और उन्हें अपने समर्थकों के हवाले कर दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये का औपचारिक निमंत्रण

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण द्विपक्षीय यात्रा के लिए नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित 31वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री शाह को विदेश यात्रा के लिए मिला यह दूसरा औपचारिक निमंत्रण है। इससे पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उन्हें भारत यात्रा के लिए आमंत्रित कर चुके हैं। भारत के निमंत्रण के जवाब में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री शाह की ओर से कहा है कि वे उपयुक्त समय पर भारत की यात्रा करेंगे। हालांकि, तुर्किये के राष्ट्रपति के निमंत्रण का जवाब नेपाल की ओर से अभी नहीं भेजा गया है। तुर्किये इस वर्ष 9 नवंबर से 20 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। राष्ट्रीय सभा की विकास, आर्थिक मामलों तथा सुशासन समिति की बैठक में विदेश मंत्रालय के संयुक्त राष्ट्र प्रभाग के प्रमुख सह सचिव कृष्णप्रसाद ढकाल ने इसकी जानकारी दी। ढकाल ने समिति की बैठक में कहा कि तुर्किये के राष्ट्रपति की ओर से प्राप्त निमंत्रण प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय को भेज दिया गया है। हालांकि, प्रधानमंत्री सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं, इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री शाह सितंबर-अक्टूबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भी शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री शिशिर खनाल को भेजे जाने की तैयारी है। तुर्किये ने जलवायु परिवर्तन के लिहाज से संवेदनशील पर्वतीय देश नेपाल को विशेष महत्व देते हुए यह निमंत्रण दिया है। नेपाल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विशेष रूप से उन पर्वतीय देशों का मुद्दा उठाता रहा है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। नेपाल ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर 'सगरमाथा संवाद' जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है।

बांग्लादेश में 11 दलों के विपक्षी गठबंधन ने रिटायर्ड कर्नल ओली अहमद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 पार्टियों के गठबंधन ने 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को उतारा है। वह जमात नेता एएचएम हामिदुर रहमान के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल के साथ निर्वाचन भवन पहुंचे और मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन को नामांकन पत्र सौंपा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, नामांकन पत्र में जमात अमीर डॉ. शफीकुर रहमान (सांसद) ने ओली अहमद को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया। एनसीपी सांसद अब्दुल्ला अल अमीन ने इसका समर्थन किया। ओली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चेयरमैन हैं। राष्ट्रपति पद के लिए मतदान 20 अगस्त को होना है। मुख्य चुनाव आयुक्त को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1991 के तहत वोटिंग के लिए 20 अगस्त को जातीय संसद भवन के सेशन चैंबर में सांसदों की बैठक बुलाई है। नामांकन पत्रों की जांच 16 अगस्त को होगी। 18 अगस्त तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जातीय संसद के सेशन चैंबर में होगा। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 349 सांसद मतदाता हैं। अभी एक संसदीय सीट चट्टोग्राम-4 निर्वाचन क्षेत्र, खाली है। यह 35 साल में पहला राष्ट्रपति चुनाव होगा जिसमें एक से ज्यादा उम्मीदवार होंगे। 1991 के बाद पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा। ग्रामीण विकास मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर का नाम पहले ही मीडिया में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर सामने आ चुका है। 24 जुलाई को मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभाला। संविधान के अनुच्छेद 123(2) के अनुसार, इस्तीफे के कारण राष्ट्रपति का पद खाली होने के 90 दिनों के भीतर उस पद को भरने के लिए चुनाव कराना जरूरी है।

आरजी कर मामले में पूर्व तृणमूल विधायक निर्मल घोष ओडिशा से गिरफ्तार

कोलकाता। आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक-प्रशिक्षु के दुष्कर्म और हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है। पानीहाटी के पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के बाद पीड़िता के शव का कथित तौर पर जबरन अंतिम संस्कार कराने में उनकी भूमिका थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतका के पिता ने सोमवार को उत्तर 24 परगना के खरदह थाने में निर्मल घोष समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी प्राथमिकी के आधार पर निर्मल घोष को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, नई प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ही निर्मल घोष ओडिशा चले गए थे और वहां छिपकर रह रहे थे। पुलिस की नजर से बचने के लिए वह नए सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी सिम कार्ड के जरिए वह अपने कुछ करीबी लोगों के संपर्क में थे। मंगलवार को पुलिस ने मोबाइल फोन के टावर लोकेशन के आधार पर निर्मल घोष की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस ने पुरी के आसपास स्थित एक होटल में छापेमारी की और वहां से निर्मल घोष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब निर्मल घोष से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरजी कर मामले में शव के अंतिम संस्कार से जुड़े घटनाक्रम में उनकी भूमिका क्या थी। मामले में दर्ज नई प्राथमिकी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

विश्व हाथी दिवस पर हादसा, तमिलनाडु-केरलम सीमा पर ट्रेन की चपेट में आए गज और शावक की मौत

कोयंबटूर। विश्व हाथी दिवस के दिन तमिलनाडु-केरल सीमा पर ट्रेन की चपेट में आने से हथिनी (मादा हाथी) और एक शावक की मौत हो गई। इसकी वजह क्या ट्रेन की तेज गति होना है? इस कोण से वन विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। यह हादसा केरलम के पलक्कड़ जिले के वालायर इलाके में बुधवार (12 अगस्त) रात करीब पौने 12 बजे हुआ। बताया गया है कि चार हाथियों का झुंड रेल पटरी पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही मंगलुरु एक्सप्रेस की चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। के इंजन के पहियों में फंसकर हथिनी और शावक की मौत हो गई।

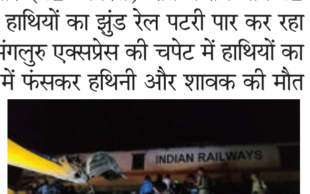

किसी ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। इसके बाद वालायर वन विभाग के अधिकारी और पलक्कड़ रेलवे अधिकारी पहुंचे। शवों को पोकलेन मशीनों की मदद से हटाया गया। हादसे के कारण तमिलनाडु-केरल के बीच महत्वपूर्ण रेल सेवाएं एक घंटे से अधिक समय तक प्रभावित रहीं। इसके अलावा 'बी' ट्रैक पर केरल से कोयंबटूर आने वाली ट्रेनों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया और उस मार्ग से गुजरने वाली ट्रेनों को 'ए' ट्रैक के रास्ते चलाया गया। इससे पहले नवंबर 2021 में भी इसी मंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से गर्भवती हाथिनी समेत तीन हाथियों की इसी इलाके में मौत हो चुकी है। वन्यजीव प्रेमियों ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने कहा, "तमिलनाडु के वन क्षेत्रों में एआई कैमरों के जरिए जंगल से हाथियों के बाहर आने की निगरानी की जाती है और उन्हें वापस जंगल में खदेड़ा जाता है। जब हाथी रेलवे ट्रैक पार करते हैं, तब चेतावनी जारी की जाती है और हाथियों को ट्रेन की चपेट में आने से भी रोका जाता है। इसी तरह की व्यवस्था केरल के वन क्षेत्रों में भी लागू की जानी चाहिए।" हादसे वाली जगह से करीब 300 मीटर की दूरी पर ही तमिलनाडु की सीमा है। तमिलनाडु के वन क्षेत्र की बात करें तो मदुक्कराई वन रेंज में रेलवे ट्रैक के दोनों रास्तों पर 16 करोड़ रुपये की लागत से एआई कैमरों और ड्रोन कैमरों के जरिए हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

शिक्षाविदों द्वारा हस्ताक्षरित याचिका लोकसभा स्पीकर को भेजी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ **प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर जताई आपत्ति**

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की ओर से आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि को लेकर लोकसभा में की गई टिप्पणी पर अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय से जुड़े 14,100 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर लोकसभा अध्यक्ष को एक याचिका भेजी है। याचिका में टिप्पणी पर संज्ञान लेने और संबंधित सांसद से टिप्पणी वापस लेने के साथ खेद जताने का भी अनुरोध किया गया है।

याचिका प्रो. राजीव सिंह की ओर से 'साइंस एंड एकेडमिक कम्युनिटी' के प्रतिनिधि के तौर पर भेजी गई है। 5 अगस्त 2026 को भेजे गए इस पत्र में कहा गया है कि इस याचिका को कम समय में शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला है। इसमें विश्वविद्यालयों के कुलपति और पूर्व कुलपति, संस्थानों के निदेशक, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षक और शिक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। इस पत्र में कहा गया है कि लोकसभा में परीक्षा सुधारों पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के लिए "गौ मूत्र एक्सपर्ट" शब्द का इस्तेमाल किया। याचिकाकर्ताओं ने इसे एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान के प्रमुख के प्रति व्यक्तिगत और अपमानजनक टिप्पणी बताया है। याचिका में प्रो. कामकोटि के वैज्ञानिक और अकादमिक योगदान का भी उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने कंप्यूटर साइंस, साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा से जुड़े कई क्षेत्रों में योगदान दिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि किसी अकादमिक संस्थान के प्रमुख के खिलाफ इस तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी का असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय के मनोबल पर पड़ता है। याचिका को गैर-राजनीतिक बताते हुए कहा गया है कि इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक बहस या सरकार की नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक संसद में नीतियों, नियुक्तियों और संस्थागत फैसलों पर तीखी बहस हो सकती है, लेकिन असहमति को व्यक्तिगत टिप्पणी या उपहास के बजाय तर्क के साथ रखा जाना चाहिए।

याचिका में लोकसभा अध्यक्ष से दो प्रमुख मांगें की गई हैं। पहली, अकादमिक समुदाय की ओर से जताई गई चिंता का संज्ञान लिया जाए। दूसरी, जिस सांसद ने टिप्पणी की है, उनसे उस अभिव्यक्ति को वापस लेने और टिप्पणी पर खेद व्यक्त करने का अनुरोध किया जाए। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष की ओर से संसदीय भाषा और मर्यादा के उच्च मानकों को लेकर स्पष्ट संदेश दिया जाना जरूरी है। उनके मुताबिक इससे देश के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के सम्मान के साथ-साथ संसद और उच्च शिक्षण संस्थानों की गरिमा भी मजबूत होगी। पत्र में यह भी कहा गया है कि 14,100 से अधिक लोगों का समर्थन यह दिखाता है कि अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय सार्वजनिक जीवन में एक सम्मानजनक भाषा और संस्थानों की गरिमा को लेकर गंभीर है।

मणिपुर में उग्रवादी कैडर समेत कई गिरफ्तार, ड्रग्स व विस्फोटक बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए विभिन्न अभियानों में कथित जबरन वसूली में शामिल उग्रवादी कैडरों और ड्रग्स तस्करों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियानों के दौरान बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई। 12 अगस्त को विशेष सूचना के आधार पर थौबल सीडीओ की टीम ने खोंगजोम थाना क्षेत्र के सपाम इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान केवाईकेएल के कथित सक्रिय कैडर और जबरन वसूली में शामिल 41 वर्षीय चोंगथाम प्रेमचंद सिंह को गिरफ्तार किया गया।

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस की टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के खाबाम लामखाई से लैरौचिंग, सेनापति करोंग निवासी 26 वर्षीय लक्ष्मण रसाइली को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से कोडीन युक्त कफ सिरप की 1,908 बोतलें और एनएल 01एजी 0746 नंबर का टाटा ट्रक बरामद किया गया। थाना की एक अन्य टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के कीराओ माकटिंग अवांग लीकाई निवासी 44 वर्षीय अहमद हुसैन को इरिलबुंग इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से 45 ग्राम संदिग्ध हेरोइन पाउडर बरामद हुआ।

हियांगलम थाना क्षेत्र के काकचिंग जिले में हियांगलम बशिखोंग मरिल, खोईदुम्पत इलाके में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने करीब 1.5 किलो प्लास्टिक विस्फोटक, 14 डेटोनेटर और लगभग 12 इंच सेफ्टी फ्यूज बरामद किया। चुराचांदपुर जिले में पुलिस ने लोअर मिशन वेंग, हियांगतम लामका इलाके में एक वाहन को रोककर 43 वर्षीय थांगलामखुप मनलुन को गिरफ्तार किया। उसके पास से संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरे 33 साबुन के डिब्बे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 474 ग्राम था। मौके से एमएन06 एल 3170 नंबर की हुंडाई क्रेटा भी जब्त की गई। इंफाल ईस्ट में सीडीओ की टीम ने 2 जैक ली के समन्वय से कोंगबा लैरेनपत से 23 वर्षीय येन्सेम्बम अनाओ मैतेई को गिरफ्तार किया।

स्वतंत्रता दिवस पर मेट्रो सेवाएं सुबह चार बजे से शुरू होंगी : डीएमआरसी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले खास मेहमानों, आमंत्रित लोगों और आम जनता की आवाजाही को आसान बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) अपने पूरे नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से शनिवार सुबह 4:00 बजे मेट्रो सेवाएं शुरू करेगा। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए गुरुवार को दी गई।

विज्ञप्ति के मुताबिक 15 अगस्त दिन के तय टाइम-टेबल के अनुसार, रेगुलर सर्विस शुरू होने तक सभी लाइनों पर मेट्रो सेवाएं 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। खास मेहमानों और सही आमंत्रित लोगों के लिए बिना किसी परेशानी के यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए डीएमआरसी ने रक्षा मंत्रालय को 1,30,000 खास पहले से जारी क्यूआर टिकट उपलब्ध कराए हैं।

इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वैध फिजिकल एडमिट कार्ड वाले आमंत्रित लोगों को उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए तय मेट्रो स्टेशनों पर खास पहले से जारी क्यूआर टिकट दिए जाएंगे।

विज्ञप्ति के मुताबिक लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल के सबसे पास के स्टेशन हैं। इन खास क्यूआर टिकटों का इस्तेमाल करके की गई यात्रा का खर्च रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को वापस किया जाएगा।

केन-बेतवा परियोजना के प्रभावितों से मिले राहुल गांधी, समस्याएं सुनकर न्याय दिलाने का आश्वासन

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की समस्याएं सुनीं और उनकी चिंताओं को आगे उठाने का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण आदिवासियों और अन्य स्थानीय लोगों के विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजे से जुड़ी समस्याओं को उनके सामने रखा। प्रभावित लोगों ने परियोजना के चलते अपनी जमीन, घर और आजीविका पर पड़ने वाले असर से भी उन्हें अवगत कराया।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब केन-बेतवा परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिलों में आदिवासी, किसान और स्थानीय ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रभावित लोगों की प्रमुख चिंताओं में विस्थापन, मुआवजे में देरी, पुनर्वास की व्यवस्था और वन अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। इससे पहले 5 अगस्त को राहुल गांधी ने लोकसभा में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विस्थापन और पुनर्वास से जुड़ा सवाल भी उठाया था। राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय से परियोजना से प्रभावित परिवारों का विवरण और विरोध कर रहे आदिवासी समुदायों की शिकायतों पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी थी।

जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने लिखित जवाब में बताया कि मंत्रालय को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण विस्थापन से संबंधित कई अभ्यावेदन मिले हैं। इन अभ्यावेदनों की जांच के बाद उन्हें मध्य प्रदेश सरकार और संबंधित जिला प्रशासन को जांच तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। केंद्र ने कहा है कि वन अधिकार कानून का क्रियान्वयन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इसके तहत मध्य प्रदेश की केन नदी के पानी को उत्तर प्रदेश की बेतवा नदी तक पहुंचाया जाना है। परियोजना में बांध के अलावा नहरों और सुरंगों का निर्माण शामिल है। परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी।

परियोजना की अनुमानित लागत करीब 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। सरकार के अनुसार इससे बुंदेलखंड में करीब 10.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और करीब 62 लाख लोगों को पेयजल का लाभ मिलेगा।

असम में बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में संघ कार्यकर्ता सेवाकार्यों में जुटे

एजेंसी, लखनऊ

गुवाहाटी। असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में व्यापक स्तर पर हुई क्षति के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विचार परिवार के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ राहत और पुनर्स्थापन कार्यों में जुटे हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद 3 एवं 4 अगस्त को कार्यकर्ताओं ने संबंधित जिलों का भ्रमण कर प्रभावित परिवारों से संपर्क किया और वहां तत्काल राहत एवं भविष्य की पुनर्वास आवश्यकताओं का आकलन किया। पड़ोसी राज्य नगालैंड की पहाड़ियों में हुई मूसलाधार वर्षा, भूस्खलन तथा तीव्र जलप्रवाह ने ऊपरी असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दी। इसका व्यापक प्रभाव शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में देखा गया। जिसमें शिवसागर जिला सर्वाधिक प्रभावित रहा। चराईदेव और जोरहाट में भी भारी क्षति हुई, जबकि गोलाघाट भी काफी प्रभावित हुआ।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस आपदा में अबतक 104 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हजारों की संख्या में परिवार तथा चार लाख से अधिक नागरिक इससे प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आजीविका से जुड़ी गंभीर चुनौतियां बनी हुई हैं।

इस गंभीर आपदा के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक तथा संघ परिवार से जुड़े विभिन्न संगठनों ने समाज के सहयोग से समन्वित राहत एवं पुनर्वास अभियान चलाया। भोजन, वस्त्र, बिस्तर, दवाइयां और आवश्यक घरेलू सामग्री पहुंचाने के साथ चिकत्सा सेवा, स्वच्छता एवं विसंक्रमण, श्रमदान, प्रभावित परिवार की सहायता, कृषि पुनर्स्थापन तथा विद्यालय, नामघर और घर की सफाई एवं पुनर्वास जैसे कार्य चरणबद्ध रूप से किए गए। रिपोर्ट में तत्काल आवश्यकताओं के रूप में खाद्य सामग्री, वस्त्र, बिस्तर, बर्तन, शिशु आहार, पशु आहार, दवाइयां, पेयजल, वाटर फिल्टर, क्लोरीन टैबलेट एवं अन्य पुनर्वास सामग्री भी चिन्हित की गई थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं संघ परिवार के विभिन्न संगठनों ने समन्वित रूप से राहत, सेवा एवं पुनर्वास कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेवा भारती पूर्वाचंल, एनएमओ असम, एएमओ असम, सु-का-फा हास्पिटल, अभाविप, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारत विकास परिषद, संस्कृत भारती, राष्ट्र सेविका समिति/उत्कर्षिणी सेवा न्यास, लघु उद्योग भारती, भारतीय मजदूर संघ, विश्व हिन्दू परिषद, हेडगेवार स्मारक समिति, मधुकर सेवा न्यास एवं कल्याण आश्रम सहित सभी संगठनों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में राहत वितरण, चिकित्सा सेवा, स्वच्छता, श्रमदान, कृषि सहायता एवं पुनर्वास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नड्डा 16 अगस्त को बंगाल में शुरू करेंगे आयुष्मान भारत सेवाएं

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आगामी 16 अगस्त को कोलकाता पहुंचेंगे और आयुष्मान भारत योजना के तहत बंगाल में स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब राज्य में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने वाले हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 16 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित आयुष्मान भारत कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहने की संभावना है। राज्य सरकार 16 अगस्त को आयुष्मान दिवस के रूप में मनाएगी और इसी दिन लाभार्थियों के लिए योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की जाएंगी।

सूत्रों के अनुसार, आयुष्मान भारत से जुड़ा एक दूसरा कार्यक्रम भी 17 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जेपी नड्डा 16 अगस्त को कोलकाता में भाजपा के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में पार्टी के वक्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिन्हें बाद में 22 से 30 अगस्त तक पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविरों में जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुनील बंसल के भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने वाला आरोपित गिरफ्तार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया उच्चस्तरीय जांच का आदेश

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गुरुवार को दोपहर नांदेड़ में करीब डेढ़ बजे जानलेवा हमला करने वाले आरोपित जसपाल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच का आदेश नांदेड़ जिले के जिला पुलिस अधीक्षक को दिया है।

इस घटना में घायल पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल का इलाज यशोसाई अस्पताल में हो रहा है, जबकि हमले में बादल की पत्नी अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल भी वहां मौजूद थीं। हालांकि, उन पर कोई हमला नहीं हुआ और वे सुरक्षित हैं।

नांदेड़ के जिले के जिला पुलिस अधीक्षक रोहन नीलाभ ने बताया कि सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमला करने के मामले में जसपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुखबीर बादल पर हुए हमले के बाद इसके पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने बादल से फ़ोन पर बात की और उनका हाल-चाल जाना। इस मामले में नांदेड़ पुलिस आरोपित जसपाल सिंह से पूछताछ कर रही है।

एफसीआरए बिल का मिलीभगत से हुआ राजनीतिकरण जल्दबाजी में जेपीसी को भेजा गया : मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष और सत्ता पक्ष ने मिलकर एफसीआरए अर्थात विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक का राजनीतिकरण कर दिया है। इसके कारण इस विधेयक को जल्दबाजी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि संसद नहीं चलने से सरकार कई महत्वपूर्ण बिल बिना बहस के ही पास करा ले रही है। ये सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत लगती है। मायावती ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एफसीआरए संशोधन बिल, जिसे सरकार अति-महत्वपूर्ण बताकर अन्य विधेयकों की तरह ही इसे तुरन्त पास कराना चाहती थी, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते व संसद में इस पर बिना प्रारम्भिक चर्चा के ही इसे कल काफी आपाधापी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए संशोधन बिल को कांग्रेस पार्टी व इनके सहयोगी दल सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विरोधी बताकर इस बिल को वापस लेने की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार इसे विदेश फण्डिंग के उपयोग में कथित भ्रष्टाचार से जोड़कर इसमें कठोर बदलाव करना चाहती है। इससे स्पष्ट है कि इस बिल का सत्ता व विपक्ष दोनों ने ही राजनीतिकरण ज्यादा कर दिया है।

मायावती ने कहा कि यह बेहतर होता यदि विपक्ष कल इस विधेयक को रखने के दौरान संसद को चलने देता और इसकी कमियों को उजागर करता तो उसे पूरा देश जानता, लेकिन इन्होंने संसद को ही अपनी जिद के हिसाब से नहीं चलने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे अनेकों और बिल भी विपक्ष द्वारा संसद को नहीं चलने देने की वजह से सरकार ने उन्हें मिनटों में पास करा दिये, जिन्हें इनको रोकना चाहिये था। जो विपक्ष ने ऐसा नहीं किया, जिसका सरकार अपने पक्ष में पूरा फायदा उठा रही है। इससे विपक्ष की या तो अन्दरुणी मिलीभगत लगती है या फिर जेन-जी के वोटों के स्वार्थ में इन्हें देश के अन्य मुद्दे बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहे हैं। वर्तमान हालात में जेन-जी की समस्याओं के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुये इनको जनहित के अन्य मुद्दों को भी महत्व देना चाहिये था। इसके साथ ही, इनको अयोध्या में राम मन्दिर के कथित चढ़ावे में गड़बड़ी का मुद्दा भी संसद में उठाना चाहिये था, जिसे भी अब विपक्ष ने अपने राजनैतिक स्वार्थ में उसे पीछे कर दिया है। बसपा प्रमुख ने अपील करते हुए कहा कि देश की जनता, सत्ता व विपक्ष के बीच इस समय संसद सत्र के दौरान भी चल रही उनके अपने-अपने राजनैतिक स्वार्थ की लड़ाई से पूरी तरह से सचेत रहते हुये एकमात्र अम्बेडकरवादी बहुजन समाज पार्टी, जो 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीतियों व सिद्धान्तों के आधार पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से चल रही है, उससे देश व आम-जनहित में जुड़ें। यही समय की मांग व सर्वसमाज के हित में भी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

डार्विन टेस्ट: हसन महमूद की घातक गेंदबाजी, बांग्लादेश ने पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 198 पर समेटा

एजेंसी, डार्विन

अभ्यास मैच में महज 54 रन पर ढेर होने के छह दिन बाद बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के शुरुआती दिन गुरुवार को शानदार वापसी की। तेज गेंदबाज हसन महमूद ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 55 रन देकर छह विकेट झटके, जिससे बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 198 रन पर समेट दिया। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने एक विकेट पर 96 रन बना लिए थे और वह ऑस्ट्रेलिया से 102 रन पीछे है। महमूद के अलावा तस्कीन अहमद और एबादत हुसैन ने दो-दो विकेट लिए। बांग्लादेश के टेस्ट इतिहास में यह केवल दूसरी बार है, जब उसके तेज गेंदबाजों ने किसी टेस्ट पारी के सभी 10 विकेट हासिल किए हैं। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने पहले घंटे से ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को दबाव में रखा। तस्कीन और

महमूद ने जेक वेदराल्ड और ट्रेविस हेड को लगातार ऑफ स्टंप के बाहर अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी की। वेदराल्ड महमूद की स्विंग होती गेंद का शिकार बने, जबकि हेड भी जल्द पवेलियन लौट गए। इसके बाद मार्नस लाबुशेन सिर्फ 20 गेंदों में संघर्ष करते नजर आए और एबादत की गेंद पर स्लिप में नजमुल हुसैन शांतो को कैच दे बैठे। पहले सत्र की आखिरी गेंद पर तस्कीन ने कैमरन ग्रीन को मिडविकेट पर मुशफिकुर रहीम के शानदार कैच के जरिए आउट कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया। लंच के बाद स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने पांचवें विकेट के लिए 55 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को संभाला। दोनों ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए लेकिन बांग्लादेशी गेंदबाजों ने जल्द ही वापसी कर ली। एबादत ने कैरी को अंदरूनी किनारा लगवाकर बोल्ड किया, जबकि तस्कीन ने ब्यू वेबस्टर को बोल्ड कर दिया। इसके बाद महमूद ने ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम को समेट दिया। महमूद ने पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क को विकेट के पीछे कैच कराया, जबकि स्मिथ और नाथन लियोन आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर ऑलआउट हो गया। स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के 198 रन के जवाब में बांग्लादेश को भी शुरुआत में मिशेल स्टार्क ने झटका दिया। उन्होंने शादमान इस्लाम को गली में कैच कराया। इसके बाद तंजीद हसन और मोमिनुल हक ने शानदार संयम दिखाया। दोनों ने लगभग 16 ओवर तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करते हुए नाबाद 60 रन की साझेदारी की। दोनों ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों को छोड़ने और गेंद को देर से खेलने की रणनीति अपनाई।

हार्दिक पांड्या मेरे आदर्श हैं: एपीएल में दोइखो दास का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी, गुवाहाटी

पहली इंपीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ डिब्रूगढ़ वारियर्स के तेज गेंदबाज दोइखो दास टूर्नामेंट के प्रमुख प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल हो गए हैं। वारियर्स ने अब तक छह में से पांच मुकाबले जीते हैं और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। चराईदेव सनराइजर्स के खिलाफ 33 रन देकर चार विकेट लेने वाले दास ने भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांण्ड्या को अपना आदर्श बताया है। पांड्या से प्रेरित दास बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए तेज शॉर्ट-पिच

गेंदों पर विशेष जोर दे रहे हैं। दास ने कहा, "मैं शॉर्ट बॉल को अपनी मुख्य गेंद मानता हूं। इससे मुझे सफलता मिली है और पिच से मदद मिलने के कारण मैं अपनी इस ताकत पर भरोसा कर रहा हूं।" एपीएल में अभी तक बल्लेबाजी का मौका नहीं मिलने के बावजूद दास अपने ऑलराउंड कौशल को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर वह बल्ले से भी टीम के लिए योगदान देने को तैयार हैं। छह मैचों में 13 विकेट और 7.80 की इकॉनमी रेट के साथ दास टूर्नामेंट की प्रमुख खोजों में शामिल हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासित गेंदबाजी को देते हुए कहा कि वह बल्लेबाज के बजाय अपनी गेंदबाजी की सही जगह और तय रणनीति पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दास ने कहा, "अगर टीम नहीं जीतती तो व्यक्तिगत प्रदर्शन उतना मायने नहीं रखता। मैं अभी संतुष्ट नहीं हूं, क्योंकि मैं लगातार सुधार कर टीम को आगे बढ़ाने में मदद करना चाहता हूं।" गुवाहाटी वारियर्स के खिलाफ हालिया हार के बाद वारियर्स शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। हालांकि दास को टीम की वापसी का भरोसा है। उन्होंने कहा, "हार खेल का हिस्सा है। हम अपनी गलतियों से सीखेंगे और आगामी मैचों में वापसी करेंगे।"

फिनलैंड की मेजबानी में टी-20 विश्व कप यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर 14 अगस्त से

एजेंसी, हेलसिंकी

आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप-2028 के यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर का अंतिम चरण शुक्रवार से फिनलैंड में शुरू होगा। 14 से 21 अगस्त तक होने वाली इस प्रतियोगिता में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की विजेता टीम 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर में जगह बनाएगी। यह यूरोप में इस गर्मी आयोजित किए जा रहे उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर का अंतिम चरण है। इसके बाद विजेता टीम के पास 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के

वैश्विक क्वालीफायर में पहुंचने का मौका होगा। प्रतियोगिता में 10 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप-1 में मेजबान फिनलैंड के साथ बुल्गारिया, आइल ऑफ मैन, लक्जमबर्ग और स्पेन को रखा गया है। वहीं ग्रुप-2 में चेकिया, जर्मनी, ग्रीस, इजराइल और पुर्तगाल शामिल हैं। दोनों समूहों की शीर्ष टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिनलैंड में होने वाले इस चरण की विजेता टीम यूरोप क्वालीफायर में उपलब्ध अंतिम स्थान हासिल करेगी। फिनलैंड के लिए यह टूर्नामेंट देश में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव को दिखाने का बड़ा अवसर है। फिनलैंड ने इससे पहले 2022 में आईसीसी उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर की मेजबानी की थी। इस बार आईसीसी ने पहली बार फिनलैंड के सभी मुकाबलों के लिए फिनिश भाषा में कमेंट्री की व्यवस्था की है। मुकाबले आईसीसी.टीवी और फिनलैंड के सार्वजनिक प्रसारक की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग एवं कैच-अप सेवा वाईएलई एरीना पर उपलब्ध होंगे। टूर्नामेंट के अन्य सभी मुकाबले भी आईसीसी.टीवी पर दुनियाभर में लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से, आईओए ने दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए दुनिया भर के बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का स्वागत किया है। विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने वाली यह चैंपियनशिप खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसके आयोजन के साथ भारत ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खुद को एक भरोसेमंद और सक्षम देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आईओए ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि चैंपियनशिप की सफल मेजबानी भारत सरकार के निरंतर सहयोग और प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के खेल तंत्र को मजबूत करने तथा भारत को वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास, उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार निवेश के माध्यम से भारत ने विश्व खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारत में इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी से न केवल देश की आयोजन क्षमता का प्रदर्शन होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है।

पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी नूरजहां जमानी सरदार पटेल खेल पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी, अहमदाबाद

भारत की नंबर एक और विश्व की 27वें नंबर की पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी नूरजहां नूरअली जमानी को गुजरात सरकार के प्रतिष्ठित सरदार पटेल खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने 12 अगस्त को गांधीनगर में आयोजित समारोह में नूरजहां को यह पुरस्कार प्रदान किया। खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, गुजरात सरकार की ओर से दिए जाने वाले सरदार पटेल खेल पुरस्कार को राज्य के सर्वोच्च खेल सम्मानों में शामिल

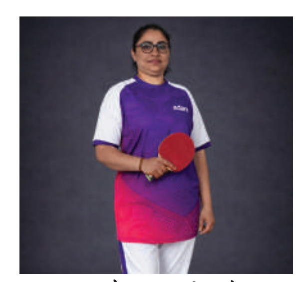

माना जाता है। भारत के लौह पुरुष और देश के राजनीतिक एकीकरण के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर दिए जाने वाला यह पुरस्कार खेल के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन, दृढ़ता और संघर्ष के साथ गुजरात तथा देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। नूरजहां को पांच साल की उम्र में पोलियो हुआ था। उन्होंने 2007 से 2010 के बीच पहली बार पैरा टेबल टेनिस में हिस्सा लिया, लेकिन इसके बाद एक दशक से अधिक समय तक खेल से दूर रहीं। वर्ष 2022 में प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस में उनकी वापसी ने उनके करियर में एक शानदार नए अध्याय की शुरुआत की। वापसी के बाद नूरजहां ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इंदौर में आयोजित यूटीटी पैरा सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में अपना खिताब बरकरार रखा।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतकर संन्यास लेने की है योजना : मिलर

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा है कि वह साल 2027 में अपनी धरती पर होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप को जीतने के बाद ही संन्यास लेना चाहते हैं। मिलर के अनुसार वह विश्वकप जीतकर ही खेल को अलविदा कहना चाहते हैं क्योंकि आज तक उनकी टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्वकप नहीं जीत पायी है। इस बार टूर्नामेंट अपनी धरती पर होने के कारण उनके पास काफी अच्छा अवसर है। टीम को घरेलू हालातों से भी लाभ मिलेगा। ऐसे में मिलर इस ऐतिहासिक अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहते हैं। मिलर ने कहा, हाँ, मैं सच में इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। मेरे लिए यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे मैं हासिल करना चाहता हूँ। मैं अपने करियर के आखिरी दौर में ट्रॉफी के साथ विदाई लेना पसंद करूँगा। इसलिए, उस विश्व कप टीम का हिस्सा बनना मेरा लक्ष्य है। मिलर जानते हैं कि खेल में कोई गारंटी नहीं होती, लेकिन उनका ध्यान अभी से उस टीम में जगह

बनाने और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने पर है। अपने प्रशंसकों के सामने और उन मैदानों पर खेलना जहाँ उन्होंने इतने सालों तक क्रिकेट खेला है, उनके लिए भावनात्मक रूप से भी बहुत खास होगा। एकदिवसीय विश्वकप 4 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। मिलर ने अपने लंबे करियर और खास तौर पर मैच फिनिशर होने पर भी गर्व व्यक्त किया। द हंड्रेड 2026 में सदर्न ब्रेव के लिए अपनी हालिया पारियों को लेकर उन्होंने कहा, शायद मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करके और मैच खत्म करके करियर बनाना ही वह बात है जिस पर मुझे सबसे ज्यादा गर्व है।

हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है: आयुष बडोनी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। टीम के कप्तान आयुष बडोनी ने जीत के बाद टीम के सकारात्मक रवैये और मजबूत वापसी की क्षमता की जमकर तारीफ की। बडोनी ने मैच के बाद कहा, "यह हमारे लिए बहुत अच्छी जीत है। हम पहले दो मैच हार गए थे, लेकिन टीम का माहौल पूरे समय सकारात्मक रहा। हमारी टीम की सबसे अच्छी बात यही है कि हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है। आज हमने वही करके दिखाया।" उन्होंने जीत की नींव रखने वाली सलामी साझेदारी की भी सराहना की। बडोनी ने कहा, "सलामी जोड़ी ने शानदार मंच तैयार किया। सनत और अनमोल दोनों ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और उनसे जो उम्मीद थी, उस पर खरे उतरे।" बडोनी ने अपनी आक्रामक पारी के बारे में

कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम के पास लंबी बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए उन्होंने रन गति बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, "जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो मुझे महसूस हुआ कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। हमारे पास लंबी बल्लेबाजी क्रम है, इसलिए मैंने रन गति बढ़ाने के बारे में सोचा।" बडोनी ने अपनी पारी के दौरान लगातार तीन छक्के लगाकर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। साउथ दिल्ली के तेज गेंदबाज अंशुमान हुड्डा की तारीफ करते हुए बडोनी ने कहा, "अंशुमान हमारे लिए बेहद आक्रामक गेंदबाज रहे हैं। वह महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेते हैं और मैं खुश हूं कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं। मेरा मानना है कि उनके पास पर्पल कैप जीतने का शानदार मौका है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।" मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज वंश मेहरा ने 16 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि अर्पित राणा के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि, मध्यक्रम में लगातार विकेट गिरने से राइडर्स का स्कोर 102 रन पर चार विकेट हो गया। इसके बाद सुजल सिंह ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। उन्होंने 39 गेंदों का सामना किया। सुजल ने सूर्यांश रैना के साथ पांचवें विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की और टीम को 190 रन के करीब पहुंचाया। साउथ दिल्ली की ओर से अंशुमान हुड्डा ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए थे। 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार शुरुआत की थी। सनत संगवान और अनमोल शर्मा ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 11 ओवर में 113 रन की साझेदारी की। सनत ने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए। सनत के आउट होने के बाद कप्तान बडोनी ने मोर्चा संभाला और आते ही आक्रामक रुख अपनाया। बडोनी और अनमोल ने मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। साउथ दिल्ली ने तीन ओवर से अधिक शेष रहते नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

सिंकफील्ड कप: प्रज्ञानानंद को कीमर ने दी मात, तीसरे दौर के बाद चौथे स्थान पर खिसके

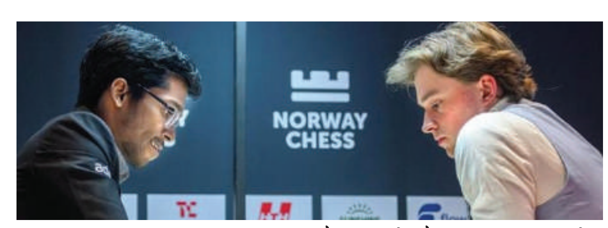

एजेंसी, सेंट लु

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद की सिंकफील्ड कप 2026 में अजेय शुरुआत तीसरे दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार के साथ समाप्त हो गई। काले मोहरों से खेल रहे 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को रोमानिया के सुपर चेस क्लासिक के चैंपियन कीमर ने शिकस्त दी। इस हार के बाद प्रज्ञानानंद 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो करूआना, जर्मनी के विंसेंट कीमर और अमेरिका के सैम सेवियन भी संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन फैबियानो करूआना को हराकर प्रतियोगिता में एकमात्र बढ़त हासिल कर ली है। सो के खाते में 2.5 अंक हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने क्रमशः जावोखिर सिंदारोव और जॉर्डन वान फोरेस्ट के खिलाफ मुकाबले ड्रॉ खेले। दोनों खिलाड़ी तीन दौर के बाद दो-दो अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। उधर, कैर्न्स कप में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड की ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। दिव्या की इस जीत के साथ उनके खाते में दो अंक हो गए हैं। वहीं, कोस्टेनियुक को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा और वह अंक तालिका में पिछड़ गई हैं। चीन की तान झोंगयी और अमेरिका की एलिस ली 2.5-2.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

यूईएफए सुपर कप: पीएसजी ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताब बरकरार रखा

एजेंसी, साल्जबर्ग

चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार को एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पीएसजी की जीत में ख्विचा क्वारात्सखेलिया और देसिरे डुए ने गोल किए, जबकि एस्टन विला की ओर से 17 वर्षीय ब्रायन मैडजो ने गोल दागा। पीएसजी ने 12 महीने पहले टोटेनहम हॉटस्पर को हराकर पहली बार सुपर कप जीता था। इस बार भी टीम ने प्रीमियर लीग की एक अन्य टीम को मात देकर यूरोप की शीर्ष क्लब टीम के रूप में अपना दबदबा कायम रखा। दोनों टीमों ने अपने घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। पीएसजी की शुरुआती टीम में चैंपियंस लीग फाइनल में खेलने

वाले नौ खिलाड़ी शामिल थे।

मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया। क्वारात्सखेलिया ने बाएं छोर से अंदर की ओर आते हुए शानदार शॉट लगाया, जिसे एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं सके। पीएसजी ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, एस्टन विला ने हार नहीं मानी। 17 वर्षीय मैडजो ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में कप्तान जॉन मैकगिन के शानदार पास का फायदा उठाते हुए गेंद को पीएसजी के गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर आ गया। दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक शुरुआत की। 61वें मिनट में फ्रांस के देसिरे डुए ने दाएं छोर से आगे बढ़ते हुए शानदार फिनिश के साथ गेंद को विला के गोल में पहुंचा दिया। हालांकि सहायक रेफरी ने शुरुआत में ऑफसाइड का संकेत दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्य कर दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि एस्टन विला के डिफेंडर मैटी कैश ने डुए को ऑनसाइड रखा था। इसके बाद एस्टन विला ने बराबरी की भरपूर कोशिश की। जॉर्ज हेमिंग्स और जॉन मैकगिन के पास अच्छे मौके आए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी। मैच के अंतिम चरण में एस्टन विला लगातार हमले करता रहा। टैमी अब्राहम के पास भी बराबरी का बेहतरीन मौका आया, लेकिन वह गोल के सामने मिले पास को छूने से मामूली अंतर से चूक गए। पीएसजी ने आखिरी मिनटों में दबाव झेलते हुए 2-1 की बढ़त कायम रखी और लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीत लिया। अब पीएसजी की नजरें नए सत्र में लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतने पर होंगी।

यूपीटी-20 लीग सीजन-4 का आगाज 14 अगस्त से, 34 मैचों में दांव पर होगी 3 करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठित यूपीटी-20 लीग के सीजन-4 का आधिकारिक काउंटडाउन शुरू हो गया है। लखनऊ में कप्तानों की बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस में लीग के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने आगामी सत्र की रूपरेखा और कई विशेष पहलों की घोषणा की।यूपीटी-20 लीग सीजन-4 का आयोजन 14 अगस्त से 6 सितंबर तक किया जाएगा। 34 मैचों वाले इस टूर्नामेंट में कुल तीन करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दांव पर होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी छह टीमों के कप्तान मंच पर मौजूद रहे। इनमें लखनऊ फाल्कन्स के भुवनेश्वर कुमार, मेरठ मेवरिक्स के रिंकू सिंह, कानपुर सुपरस्टार्स के समीर रिजवी, नोएडा किंग्स के माधव कौशिक, गोरखपुर लायंस के आर्यन जुयाल और काशी रुद्रास की

ओर से भूपेंद्र यादव शामिल थे। लीग चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, "यह लीग किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की है।

मीडिया हमारे परिवार का हिस्सा है। जब तक आप पूरी तरह संतुष्ट नहीं होंगे, न तो साउंडबाइट रुकेंगे और न ही तस्वीरें। अगर कोई कमी रह गई हो तो हमें माफ कीजिएगा; हम सब मिलकर इस महोत्सव को सफल बनाएंगे।" यूपीटी-20 लीग का आगाज 14 अगस्त को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगा। समारोह में संगीतकार शंकर महादेवन और प्रसिद्ध गायिका जैस्मिन सैंडलास प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा ड्रोन और लाइट शो भी आकर्षण का केंद्र होंगे। दर्शकों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए डॉ. कपूर ने कहा कि स्टेडियम में मिलने वाले सभी खाद्य पदार्थ और पेय, जिसमें पीने का पानी भी शामिल है, अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ही बेचे जाएंगे। जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को सामने लाने में लीग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए डॉ. कपूर ने यूपीसीए स्पीड हंट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, "हमने स्पीड हंट के लिए कोई ट्रायल फीस नहीं ली। शुंभम गौतम ने 144-145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की।

वह 2.5 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ नीलामी में आया और आखिरकार 21.5 लाख रुपये में बिका। यह इस लीग की सबसे बड़ी सफलता है।" लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने पिछले दो सत्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा, "पिछले दो सत्रों में हमारी टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा और हम ट्रॉफी जीतने से चूक गए। इस बार हमने नीलामी में अपनी कमजोरियों को पहचाना और एक संतुलित टीम तैयार की है।"

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

30 की उम्र में इन न्यूट्रिएंट्स से करें दोस्ती, बुढ़ापे में नहीं होगी परेशान

30 साल के बाद हर किसी का शरीर एक्स्ट्रा केयर खोजता है। खासकर महिलाओं को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इस उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताएं उन पांच न्यूट्रिएंट्स की जानकारी दे रहे हैं, जिसे हर महिला को अपने डाइट का हिस्सा बनना चाहिए।

विटामिन डी

महिलाओं को अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह एक मास्टर न्यूट्रिएंट्स होता है, जो आप के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह मूड बूस्टर की तरह काम करता है और इम्यूनिटी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी आप दूध, मशरूम, सेलमन मछली का सेवन करके पूरा कर सकते हैं।

आयरन

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर आप वर्किंग वुमन हैं और आप बहुत जल्दी थकान और कमजोरी महसूस करती हैं यह एक परफेक्ट एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। इससे शरीर में खून की कमी नहीं होती है और एनीमिया जैसी बीमारी की चपेट में आने से आप बच सकती हैं। इसके लिए आप नट्स, सीड्स, पालक ब्रोकली, अनार का सेवन कर सकती हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

हार्ट और ब्रेन हेल्थ को बरकरार रखने के लिए महिलाओं को ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। यह इन्फ्लेमेशन से भी लड़ने में मदद करता है और आपको क्रॉनिक बीमारियों के खतरे से बचाता है। इसके लिए आप चिया सीड्स,दूध, सी फूड का सेवन कर सकती हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम भी एक बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि ओवर ऑल स्ट्रैंथ के लिए जिम्मेदार होता है। इससे मसल्स का फंक्शन भी सही होता है और नर्व भी ठीक प्रकार से फंक्शन करता है। इसकी कमी को पूरा करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

फोलेट

फोलेट भी बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स में से एक है। खासकर जो महिलाएं मां बनने वाली हैं, उन्हें अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। इससे रेड ब्लड सेल्स बूस्ट होता है और खून की कमी नहीं होती। इसके लिए चिकपी, ब्रोकली, नट्स का सेवन करना चाहिए।

सेहतमंद रहने के लिए इन बातों पर दें ध्यान

कई बार हम अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, जिसका असर मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ पर भी होता है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास बातों का ख्याल रखकर आप खुद को सेहतमंद रख सकती हैं।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में भला कौन तनाव से परेशान नहीं है। सभी को किसी न किसी बात का स्ट्रेस तो है ही। जिंदगी की मुश्किलों को हल करते हुए अक्सर हम खुद की परवाह करना भूल जाते हैं। अपनी सेहत को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने के लिए सही खान-पान, एक्सरसाइज और हेल्दी रूटीन के अलावा भी कई चीजें जरूरी हैं।

जब हम मानसिक तौर पर परेशान होते हैं, अपने दिल की बात कह नहीं पाते हैं या फिर ओवरथिंकिग करते हैं, तो इसका असर हमारी ओवरऑल हेल्थ पर होता है। इसलिए, खुद को खुश रखने पर और खुद की परवाह करने पर ध्यान देना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

सोशल एक्टिविटी पर ध्यान दें

अक्सर हम जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि उन चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जो असल में हमारे लिए जरूरी हैं। रोजमर्रा के कामकाज के बीच हर हफ्ते कम से कम एक घंटा आपको किसी सोशल एक्टिविटी से लिए निकालना चाहिए। अपने दोस्तों से मिलें, बाहर जाएं या फिर कुछ भी ऐसा करें जो आपको पसंद हो। इसका मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है।

सेल्फ केयर पर ध्यान दें

इस बात को समझना जरूरी है कि आप अपने अपनों के लिए भी कुछ तभी कर पाएंगे तब आप खुद हेल्दी होंगे। इसलिए, अपनी परवाह करें। खान-पान को नजरअंदाज न करें। हेल्दी डाइट लें, खुलकर अपने बारे में बात करें और एक हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करें। अगर शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

ब्रेक भी है जरूरी

जिंदगी की भागदौड़ से अगर आप थक गए हैं और आपके स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है, तो इसे समझें। रोजमर्रा की जिंदगी के थोड़ा ब्रेक भी जरूरी है। ब्रेक में हेल्दी एक्टिविटी जैसे योगा, ब्रिस्क वॉकिंगह, रीडिंग या फिर कुछ भी और करें, जिससे आपकी सेहत पर अच्छा असर हो।

हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए महिलाएं डाइट में शामिल करें ये चीजें

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन जैसे कई हार्मोन्स का सही संतुलन होना जरूरी है। हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए कुछ खास चीजों को डाइट में लेना और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना जरूरी है।

हार्मोनल बैलेंस का सीधा असर हमारी सेहत पर होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स बैलेंस नहीं हैं, तो इससे हमारी पूरी सेहत प्रभावित होती है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। खासकर, महिलाओं के शरीर में अगर हार्मोन्स ऊपर-नीचे होते हैं, तो इससे महिलाओं की फर्टिलिटी, डाइजेशन, वजन और मूड समेत कई चीजें प्रभावित होती हैं। महिलाओं की हार्मोनल हेल्थ के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन का सही लेवल जरूरी है। कुछ फूड्स इसे मैनेज करने में खास भूमिका निभाते हैं। इन्हें महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इस बारे में डाइटिशियन राधिका गोयल जानकारी दे रही हैं। राधिका सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

फाइबर रिच फूड्स

फाइबर रिच फूड्स शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल को बैलेंस करने में मदद करते हैं। ये शरीर से अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने के लिए जरूरी होते हैं। एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा शरीर के कई फंक्शन्स पर असर डाल सकती हैं। ऐसे में फाइबर रिच फूड्स को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स

ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां भी शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंल करने के लिए जरूरी हैं। इन सब्जियों में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म और बैलेंस के लिए जरूरी होते हैं।

हेल्दी फैट्स

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हेल्दी फैट्स जरूरी हैं। हेल्दी फैट्स जैसे एवाकाडो, फैटी फिश और नट्स को डाइट में शामिल करें। इससे हार्मोनल बैलेंस में मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स में लिग्नांस होते हैं और कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो एस्ट्रोजन लेवल को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इन्हें आप कई तरह से डाइट में शामिल कर सकती हैं। इनकी चटनी (अलसी के बीज की चटनी), रोटी और रोस्टेड सीड्स भी फायदेमंद होते हैं।

चिया सीड्स

फ्लैक्स सीड्स की तरह चिया सीड्स में भी लिग्नांस और फाइबर होता है। ये भी हेल्दी एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इन्हें भिगोकर डाइट में शामिल करें। इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

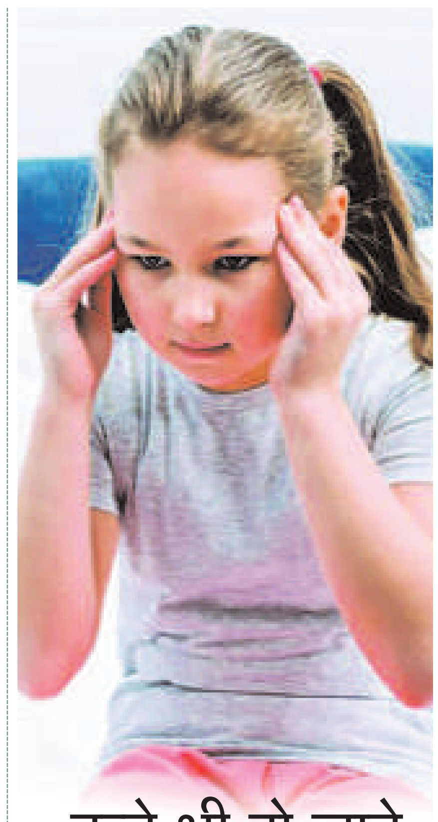

बच्चे भी हो जाते हैं एनीमिया के शिकार, ये लक्षण आते हैं नजर

एनीमिया एक ऐसी समस्या है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी हो जाती है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है। लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, यह एक ऐसा प्रोटीन होता है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी भागों में पहुंचाने में सक्षम बनाता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है तो रक्त ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पता है। यह ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है लेकिन बच्चे भी इसके शिकार हो जाते हैं। आज हम जानेंगे कि बच्चों में एनीमिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- अगर आपका बच्चा थोड़ी देर ही खेलने के बाद थक जाता है तो यह एनीमिया के सबसे आम लक्षणों में से एक।
- खून की कमी के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है जिससे बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है।
- एनीमिया के चलते बच्चों में चिड़चिड़ापन और बेचैनी भी देखने को मिलता है।
- सीढ़ियां चढ़ने बाद बच्चे का सांस फूलने लगना या सांस लेने में दिक्कत हो तो यह भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। खून की कमी के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है।
- बार-बार बच्चा सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत करता है तो भी ये एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- त्वचा और आंखों का पीला पड़ना भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- कई बार हार्ट रेट भी बढ़ जाता है और शरीर का तापमान भी गिरने लगता है।
- यह भी पढ़ें-हार्ट अटैक आने के 15 मिनट के अंदर कर लें उपाय, बच सकती है मरीज की जान

ऐसे करें बचाव

- ऐसे कोई भी लक्षण आपके बच्चे में नजर आते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाई का सेवन करवाएं।
- इसके अलावा आप हरी सब्जियां,दाल, नॉन वेजिटेरियन फूड भी बच्चे को खिला सकते हैं। इससे भी शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।
- विटामिन सी से भरपूर नींबू, संतरा, कीनू, कीवी, स्ट्रॉबेरी जैसे पौष्टिक फलों को डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे भी शरीर आयरन को तेजी से अब्जॉर्ब कर पाता है।

सावन में हल्का खाना खाने की सलाह क्यों देता है आयुर्वेद?

सावन में हल्का और सात्विक भोजन करने की सलाह आयुर्वेद देता है, ऐसे में इसके पीछे के कारण के बारे में पता होना जरूरी है। जानते हैं इसके फायदे...

जुलाई और अगस्त के महीनों में पड़ने वाला सावन का महीना न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष है, बल्कि यह आयुर्वेद से भी गहराई से जुड़ा है। सावन के दौरान हल्का और सात्विक भोजन करने की परंपरा सिर्फ एक धार्मिक नियम नहीं है, बल्कि मानसून के मौसम में शरीर को स्वस्थ रखने का एक तरीका भी है।

सावन में पाचन अग्नि का कमजोर होना

आयुर्वेद के अनुसार सावन का महीना वर्षा ऋतु के अंतर्गत आता है। इस मौसम में न केवल वातावरण में नमी होती है बल्कि तापमान में बदलाव भी आता है, जिका असर सीधे हमारी पाचन क्रिया पर पड़ता है।

अग्नि का मंद होना: बारिश के मौसम में शरीर का डाइजेस्टिव फायर स्वाभाविक रूप से धीमी हो जाता है, जिससे भारी भोजन पचाना मुश्किल होता है।

त्रिदोष का असंतुलन: इस समय वायु और पित्त दोष में उतार-चढ़ाव होता है, जिससे गैस, एसिडिटी, पेट फूलना और अपच जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

सात्विक आहार में क्या खाएं और क्या नहीं?

सावन के दौरान आयुर्वेद सात्विक आहार लेने की सलाह देता है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को आराम पहुंचाता है।

क्या खाएं?

- ताजे फल, लौकी/तोरई, मूंग दाल, गाय का घी, नारियल पानी, हर्बल टी, उबली सब्जियां, सादे अनाज (कुट्टू/ सामक चावल)।

किन चीजों से बचें?

- तला-भुना, बासी खाना, प्रिजर्वेटिव्स , मांसाहार, शराब, लहसुन, प्याज और अत्यधिक मिर्च-मसाले।

सात्विक खान-पान के फायदे

- हल्का और सात्विक भोजन केवल पेट को ही दुरुस्त नहीं रखता, बल्कि मन और दिमाग को भी शांत करता है।
- **आलस और सुस्ती दूर:** हल्का खाना खाने से आलस और सुस्ती दूर होती है और व्यक्ति दिनभर एनर्जेटिक महसूस करता है।
- **इम्यूनिटी में सुधार:** मानसून में संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। इस भोजन से इम्यूनिटी मजबूत बनी रहती है।
- **आध्यात्मिक जुड़ाव:** शांत और संतुलित मन ध्यान, पूजा-पाठ और भक्ति में अधिक एकाग्र होता है।

सावन में हल्का और सात्विक भोजन अपनाना प्राकृतिक डिटॉक्स प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में इस सावन भारी और मसालेदार भोजन से परहेज करें और सात्विक खाना अपनाकर खुद भी स्वस्थ रहें और अपने आसपास के लोगों को भी स्वस्थ रखें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए।

फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।' उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट– मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।'

नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

नयनतारा ने तोड़ा अपना नियम 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचने के पीछे का बताया कारण

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री–रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, ''मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।''

'टॉक्सिक' के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे। उन्होंने कहा, ''यश ने मुझे सिर्फ फोन किया और उनके लिए इतना ही काफी था कि मैं इस इवेंट में शामिल हो जाऊं।'' नयनतारा ने यश के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़ा कलाकार अपने आप में खास होता है और सभी कलाकारों में कुछ अलग खूबियां होती हैं। यही वजह है कि वे सभी सुपरस्टार बने हैं लेकिन यश के साथ मेरी पहली मुलाकात का अनुभव कुछ अलग रहा। यश की पर्दे पर जो बड़ी और दमदार छवि दिखाई देती है, असल जिंदगी में भी वह काफी हद तक वैसे ही हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यश को पहली बार मिलने पर मुझे यह महसूस हुआ कि उनका पर्दे वाला व्यक्तित्व सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनकी शख्सियत में भी वही आत्मविश्वास और प्रभाव नजर आता है, जो उनकी फिल्मों में दिखाई देता है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन–स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

एग फ्रीजिंग ट्रेंड पर बोलीं सुरभि चंदना

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज़ करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। खास बातचीत में सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं। 'नागिन' एक्ट्रेस से पूछा गया, 'आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?' इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया। उन्होंने बताया, 'मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है – और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी। मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।' 'मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।' सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा।'

104 डिग्री बुखार में भी शूटिंग करती रहीं अविका गोर, डेंगू ने बिगाड़ी तबीयत

'बालिका वधू' और 'ससुराल सिमर का' जैसे मशहूर शोज से घर–घर में अपनी पहचान बनाने वाली टीवी और फिल्म एक्ट्रेस अविका गोर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। पिछले पांच दिनों से 103–104 डिग्री के खतरनाक बुखार से जूझ रहीं अविका को डेंगू की पुष्टि होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अविका गोर को गंभीर हालत के बावजूद काम के प्रति उनका समर्पण देखकर हर कोई हैरान है। इस कठिन समय में उनके पति मिलिंद चंदवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अविका का हेल्थ अपडेट दिया है और फैंस से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है।

104 डिग्री बुखार में 2 दिन का काम 1 दिन में निपटाया

मिलिंद चंदवानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अविका के काम के प्रति असाधारण जुनून का खुलासा किया। मिलिंद ने बताया, अविका पिछले पांच दिनों से 103 से 104 डिग्री बुखार से तप रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने काम से ब्रेक नहीं लिया। उनके एक प्रोजेक्ट की दो दिन की शूटिंग बाकी थी। इतने तेज बुखार में भी उन्होंने इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी कि मेकर्स ने दो दिन का काम महज एक ही दिन में पूरा कर लिया। शूटिंग खत्म करने के बाद अविका को दो दिन का ब्रेक मिला। इस दौरान वह पूरी तरह बिस्तर पर थीं, दवाइयां ले रही थीं और उनके लिए ठीक से खाना खाना या हिलना–डुलना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन अपने पुराने प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के लिए वह इसी हालत में दिल्ली के लिए रवाना हो गईं और वहां एक विज्ञापन की शूटिंग पूरी की। दिल्ली जाने से पहले अविका ने ब्लड टेस्ट कराया था। जब वह वापस मुंबई लौटीं, तब रिपोर्ट में डेंगू होने की पुष्टि हुई, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा।

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा–मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा–मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार मैं बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल–कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच–मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा –देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'